वर्ष 72 अंक 298 पृष्ठ 12
रीवा, शनिवार 26 जुलाई, 2025
श्रावण शुक्ल पक्ष 02, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

सच तो यह है कि आपको नहीं पता कि कल क्या होने वाला है। जिंदगी एक उतार-चढ़ाव भरी यात्रा है और कुछ भी निश्चित नहीं है।
–एमिनेम

हादसा : राजस्थान के झालावाड़ में प्रशासन की बड़ी लापरवाही उजागर

स्कूल की छत गिरी; सात बच्चों की मौत, 28 घायल, नौ गंभीर

झालावाड़, जेएनएन। राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई है, वहीं 28 घायल हैं, जिसमें से 9 की हालत गंभीर हैं। मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल की क्लास में शुक्रवार सुबह बच्चे बैठे थे, तभी कमरे की छत ढह गई और 35 बच्चे दब गए। ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाकर बच्चों को बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। मनोहरथाना हॉस्पिटल के मुताबकि, 5 बच्चों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था, वहीं 2 की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुख जताया है। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह से बारिश हो रही थी। इसके चलते स्कूल के ग्राउंड में बच्चों को इकट्ठा करने के की बजाय प्रार्थना के लिए कमरे में बैठा दिया गया, ताकि वे भीगे नहीं। इसके कुछ देर बाद छत गिर गई और 35 बच्चे दब गए। ग्रामीणों के मुताबिक, इस स्कूल में कुल 7 क्लासरूम हैं। हादसे के दौरान स्कूल के क्लासरूम में 35 बच्चे थे। स्कूल में 2 शिक्षक भी मौजूद थे, लेकिन छत गिरने के वक्त बिल्डिंग से बाहर थे, वे सुरक्षित हैं। मनोहरथाना हॉस्पिटल के स्टाफ ने बताया कि कुछ बच्चों के सिर पर गंभीर चोट आई है, जिन बच्चों को झालावाड़ हॉस्पिटल लाया गया, उनकी हालत काफी खराब थी। अधिकतर बच्चे बेहोशी की हालत में थे। फिलहाल हादसे में जिन बच्चों की जान गई है, उनकी डेडबॉडी मॉर्च्युरी में रखवाई गई है। उधर, मामले में शिक्षा विभाग ने स्कूल की हेड मास्टर समेत 5 शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया है।

स्कूल की छत गिरने के बाद मलबे में दबे बच्चों को निकालने के लिए मशक्कत करते ग्रामीण।

इन बच्चों की हुई मौत

हादसे में 7 बच्चों पायल (12) पुत्री लक्ष्मण, प्रियंका (12) पुत्री मांगीलाल, सतीश पुत्र हरकचंद, हरीश (8) पुत्र बाबूलाल, कान्हा पुत्र छोटूलाल, कुंदन (12) पुत्र बिरम, मीना (13) पुत्री छोटूलाल की मौत हुई है।

जर्जर भवन की सूची में नहीं है स्कूल का नाम

कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ के मुताबिक, स्कूल शिक्षा विभाग को पहले ही निर्देश दिए गए थे कि जो भी जर्जर भवन हों, वहां स्कूलों की छुट्टी कर दी जाए, लेकिन खुद कलेक्टर कह रहे हैं कि न तो यह स्कूल जर्जर भवन की सूची में था और न ही यहां बच्चों की छुट्टी की गई।

बच्चे बोले-कंकड़ गिर रहे टीचर्स ने ध्यान नहीं दिया

स्कूल के बच्चों ने कहा, छत गिरने से पहले कंकड़ गिर रहे थे, बच्चों ने बाहर खड़े टीचर्स को जानकारी दी, लेकिन उन्होंने ध्यान ही नहीं दिया। थोड़ी देर बाद ही छत गिर गई। स्कूल हेल्पर श्रीलाल ने कहा, 10 दिन के लिए छुट्टी की बात सामने आई थी, लेकिन एक दिन की छुट्टी के बाद स्कूल फिर खोल दिया।

बिल्डिंग का एक पूरा हिस्सा ढहा, मची चीख-पुकार

ग्रामीणों के मुताबिक, स्कूल की बिल्डिंग का एक हिस्सा पूरी तरह ढह गया है। घायल बच्चों के जूते-चप्पल बिखरे हुए हैं। रेस्क्यू करने वाले लोगों ने बताया कि कई बच्चे भारी पट्टियों के नीचे दबे हुए थे। जब वे लोग स्कूल पहुंचे तो चीख-पुकार मची हुई थी। हादसे की जानकारी के बाद जिला प्रशासन के अधिकार मौके पर पहुंचे।

> हादसे के बाद से ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका कहना है कि लगातार बारिश से बिल्डिंग जर्जर हो गई थी, लेकिन अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। इसका जिम्मेदार तो मैं ही हूं।
>
> ■ **मदन दिलावर,** शिक्षा मंत्री, राजस्थान

दो दिनी दौरे पर मालदीप पहुंचे प्रधानमंत्री, मुइज्जू ने किया गर्मजोशी से स्वागत

मालदीप को 4850 करोड़ का कर्ज मोदी ने सबसे करीबी पड़ोसी बताया

माले, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर मालदीव पहुंचे। यहां उनका गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। खुद राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू उन्हें लेने एयरपोर्ट पर पहुंचे थे। इस दौरान राजधानी माले में लोगों ने 'मोदी जिंदाबाद' के नारे लगाए। इसके बाद मोदी और मुइज्जू ने द्विपक्षीय बैठक की।

इस दौरान भारत ने मालदीव को 4,850 करोड़ की लाइन ऑफ क्रेडिट (कर्ज) दिया। साथ ही फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर भी बात की। भारत-मालदीव संबंधों पर पीएम मोदी ने कहा, हमारे लिए दोस्ती हमेशा पहले आती है। भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी है। भारत की पड़ोसी पहले नीति और महासागर विजन में मालदीव का अहम स्थान है। मोदी ने कहा, भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद दोस्त होने पर गर्व है। चाहे संकट हो या महामारी, भारत हमेशा सबसे पहले उनके साथ खड़ा रहा है। चाहे आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता हो या कोविड के बाद अर्थव्यवस्था को संभालना हो, भारत ने हमेशा साथ मिलकर काम किया है।

एयरपोर्ट पर मुइज्जू ने किया स्वागत।

संबंधों के 60 साल पूरे होने पर डाक टिकट

दोनों देशों के डिप्लोमैटिक संबंधों के 60 साल पूरे पर स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। मालदीव में 6 कम्युनिटी डेवलपमेंट परियोजनाओं को शुरू किया गया। भारतीय पीएम की यह तीसरी मालदीव यात्रा है। वे राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के न्योते पर मालदीव गए हैं।

मुख्यमंत्री आज सतना आएंगे

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज 26 जुलाई को दोपहर 12.05 बजे भोपाल से वायुयान से प्रस्थान कर दोपहर एक बजे एयरपोर्ट रीवा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री रीवा एयरपोर्ट से दोपहर 1.05 बजे हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर दोपहर 1.25 बजे सतना जिले के रैंगाव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सिंहपुर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री सिंहपुर में महिला सम्मेलन में भाग लेकर दोपहर बाद 3.20 बजे हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर 3.45 बजे ग्राम हरदुआ पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री शाम 4 बजे ग्राम हरदुआ से हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर शाम 4.20 बजे रीवा एयरपोर्ट पहुंचेंगे।

कश्मीर में एलओसी पर गश्ती के दौरान हादसा

पुंछः बारूदी सुरंग में धमाका एक जवान शहीद, दो घायल

जम्मू, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक दुखद घटना हुई। पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बारूदी सुरंग में विस्फोट हुआ। इसमें सेना के एक जवान शहीद हो गया और दो घायल हो गए। अधिकारियों ने इस घटना की जानकारी दी। बताया गया है कि हादसे के समय सेना के जवान गश्त कर रहे थे। तभी उनका पैर बारूदी सुरंग पर पड़ा। सुरंग में विस्फोट हो गया। अधिकारियों के अनुसार, पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय सेना के जवान गश्त कर रहे थे। इस दौरान अचानक से बारूदी सुरंग विस्फोट हो गया। इसकी चेपट में आकर सेना के एक जवान की मौत हो गई। वहीं दो घायल हो गए। बताया गया है कि यह विस्फोट बहुत शक्तिशाली था।

हादसे में घायल जवानों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनका इलाज चल रहा है। सेना इस घटना की जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वहां बारूदी सुरंग कैसे आई?

मलेरिया अधिकारी ने कर्मचारियों को दिया जांच का प्रशिक्षण

जागरण, सतना। बरसात के मौसम को देखते हुए मलेरिया विभाग अलर्ट मोड पर है आज जिला मलेरिया अधिकारी सुश्री शीला सोनकर ने अपने टीम के साथ संजीवनी अस्पताल अमोधा वार्ड क्रमांक 1 का औचक निरीक्षण किया तथा मौके पर उपस्थित कर्मचारियों को मलेरिया जांच बढ़ाने के निर्देश दिए साथी सभी संजीवनी क्लिनिको पर मलेरिया जांच किट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए सोनकर ने वहां पर उपस्थित कर्मचारियों को मलेरिया जांच का प्रशिक्षण भी उपस्थित स्टाफ को मौके पर दिए साथी उन्होंने जिले में चल रहे दस्तक अभियान का भी जायजा लिया इसके पूर्व जिला मलेरिया कार्यालय में आज कंट्रोल रूम स्थापित करते हुए तीन विशिष्ट में गठित की जो वार्ड क्रमांक 1 से 15 तक टीम ए वार्ड क्रमांक 16 से 30 वार्ड क्रमांक 31 से वार्ड क्रमांक 45 टीम क्रमांक सी निरीक्षण करेंगे ।साथी या विशेष टीम इन इन वार्डो में जाकर समाजसेवियों जनप्रतिनिधियों सामाजिक कार्यकर्ताओं आशा कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाकर जल भरा वाले स्थान पर टेमी पास छिड़काव तथा लार्वा सर्वे करेंगे ब्राह्मण के दौरान घरों में कल रूम में टायरों में तथा कहीं भी खाली बर्तन जहां पर साफ पानी पाया जाता है उसमें पैदा हुए डेंगू मलेरिया के लारवा का यूनिवर्सिटी कारण कर भी करेंगे साथ ही बुखार आने वाले मरीज का मौके पर ही रोड कट के माध्यम से जांच कर तत्काल रिपोर्ट प्राप्त करेंगे रिपोर्ट पॉजिटिव होने पर उन्हें तत्काल मलेरिया की दवाइयां मौके पर ही उपलब्ध कराई जाएगी ज्यादा दिक्कत होने पर उन्हें चिकित्सकों के पास अग्रिम कार्रवाई हेतु भेजा जाएगा यह टीम में जन जागरूकता अभियान प्रचार प्रसार मलेरिया रथ के माध्यम से विचार प्रदान करेंगे तथा लोगों को जागरूक करेंगे मलेरिया अधिकारी ने बताया कि इसी प्रकार विभिन्न ब्लाकों में मलेरिया निरीक्षक के नेतृत्व में ब्लॉक स्टारी ए में गठित की गई है जो डेंगू मलेरिया चिकनगुनिया की शिकायत मिलने पर तत्काल मौके पर ही प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे उल्लेखनीय इस वर्ष अभी तक गत वर्ष की अपेक्षा में डेंगू मरीजों पर काफी नियंत्रण की स्थिति बनी है विगत वर्ष इस महीने तक जिले में 30 से ऊपर डेंगू के मरीज चिन्हित हुए थे इस वर्ष अभी तक छह पार्टी कैसे चिन्हित हुए हैं जो अधिकांश राज्य के बाहर या जिले के बाहर के निवासी बताए गए हैं।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर कानून व्यवस्था बनाये रखने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त

सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 26 जुलाई को सतना जिले के सिंहपुर में कार्यक्रम प्रस्तावित है। कार्यक्रम स्थल पर कानून एवं प्रशासनिक व्यवस्था बनाये रखने के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सतना डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की डयूटी लगाई गई हैं। कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार एसडीएम आरएन खरे तथा नायब तहसीलदार वीरेन्द्र कुमार सिंह को आगमन एवं प्रस्थान स्थल, हेलीपैड सिंहपुर में तैनात किया गया है। इसी प्रकार कार्यक्रम स्थल मंच में एसडीएम एसडीएम जितेन्द्र वर्मा, प्रभारी तहसीलदार प्रज्ञा दुबे एवं नायब तहसीलदार यादवेन्द्रमणि त्रिपाठी, डी व्यवस्था के लिए नायब तहसीलदार मुकेश साहू, नायब तहसीलदार राजेन्द्र प्रसाद मांझी, जनसभा के लिए एसडीएम उचेहरा सुमेश द्विवेदी, अधीक्षक भू-अभिलेख मुन्नालाल तिवारी, प्रभारी तहसीलदार सौरभ द्विवेदी, प्रभारी तहसीलदार हिमांशु शुक्ला, नायब तहसीलदार सुजीत नागेश, प्रभारी तहसीलदार सुश्री ज्योति पटेल, नायब तहसीलदार मंगलेश्वर सिंह, प्रभारी नायब तहसीलदार परमानंद तिवारी की डयूटी लगाई गई है। ग्रीन रूम एवं प्रदर्शनी स्थल के लिए एसडीएम राहुल सिलाडिया एवं तहसीलदार सौरभ मिश्रा, पार्किंग व्यवस्था नायब तहसीलदार सुदामा प्रसाद कोरी, सर्किट हाउस/रेस्ट हाउस नागौद के लिए अधीक्षक भू-अभिलेख सुदामा कोल को तैनात किया गया है। आगमन स्थल/प्रस्थान स्थल हेलीपैड हरदुआ एवं कार्यक्रम स्थल के लिए एसडीएम लक्ष्यराम जांगडे, प्रभारी तहसीलदार शैलेन्द्र बिहारी शर्मा तथा नायब तहसीलदार राजेश सिंह कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहकर दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

महापौर ने डिग्री कालेज परिसर में रोपे पौधे

जागरण, सतना। शासकीय डिग्री कॉलेज सतना में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत 25 जुलाई को कॉलेज परिसर में बड़ी संख्या में पौधरोपण किया गया। अभियान ने एक बार फिर समाज में हरियाली और मातृप्रेम को जोड़ते हुए एक नई मिसाल पेश की है। इस अनूठे पहल के तहत लोगों से अपील की गई कि वे अपनी माँ के सम्मान में कम से कम एक पौधा लगाएँ और उसका संरक्षण करें। इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ पौधारोपण नहींए बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति भावनात्मक जुड़ाव पैदा करना है। इस अभियान का एक मात्र उद्देश्य सतना नगर को हरा.भरा बनाना हैं ताकि विकास की गति के साथ पर्यावरण संतुलन भी बना रहे। यह प्रयास निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा.भरा भविष्य सुनिश्चित करने की ओर बड़ा कदम हैं। इस वृक्षारोपण के दौरान महापौर योगेश ताम्रकार स्पीकर राजेश चतुर्वेदी निगमायुक्त शेर सिंह मीना वरिष्ठ समाजसेवी मणिकांत माहेश्वरी सहायक कलेक्टर अनिकेत शाण्डिल्य प्रिंसिपल सुरेश चन्द राय प्रो श्रीमती क्रांति मिश्रा जन भागीदारी अध्यक्ष विजय यादव धनश्याम सोनी जितेंद्र सिंह परिहार ब्रिगेडियर देवेंद्र प्रताप सिंह सहित अधिकारी गण बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

अपीलीय कोर्ट के निर्देश पर आवेदक को मिला उपादान की बकाया राशि का चेक

सतना । नियंत्रण प्राधिकारी उपादान भुगतान अधिनियम 1972 कार्यालय सहायक श्रमायुक्त रीवा संभाग सतना के समक्ष बलिराम गौतम सेवानिवृत्त चौकीदार द्वारा कार्यपालन यंत्री लाईट मशीनरी विद्युत यांत्रिकी रीवा एवं अनुविभागीय अधिकारी लाइट मशीनरी उपसंभाग सतना के विरूद्ध सेवानिवृत्त पश्चात् उपादान की राशि उपादान भुगतान अधिनियम 1972 धारा 4 के अनुरूप राशि का भुगतान न करने पर दावा प्रस्तुत किया गया था जिसे अधीनस्थ प्राधिकारी द्वारा अंतर की राशि का भुगतान आवेदक को 30 दिवस के भीतर करनें का आदेश पारित किया गया था लेकिन अनावेदक पक्ष ने अधीनस्थ प्राधिकारी के निर्णय के विरूद्ध अपीलीय प्राधिकारी उपादान भुगतान अधिनियम 1972 एवं उपश्रमायुक्त कार्यालय भोपाल में अपील प्रस्तुत की थी। प्रकरण को विधि सम्मत अंतिम सुनवाई उपरान्त अनावेदक पक्ष की अपील अपीलीय कोर्ट द्वारा निरस्त कर दी गई तथा अनावेदक द्वारा जमा प्रोटेस्ट राशि में से 2 लाख 22 हजार 376 रूपयर का चेक नियंत्रण प्राधिकारी कार्यालय सहायक श्रमायुक्त सतना को भेजकर आवेदक को प्रदाय करनें का निर्देश जारी किया जिसके तहत संध्या सिंह सहायक श्रमायुक्त सतना ने आवेदक के अधिवक्ता राजपाल शर्मा की उपस्थिति में आवेदक बलिराम गौतम को उक्त चेक प्रदान किया। इस अवसर पर श्रम निरीक्षक अनुराग प्रताप सिंह एवं रीडर धर्मेन्द्र बघेल वेदप्रकाश शर्मा उपस्थित रहे। उक्त प्रकरण की आवेदक की ओर से सतना एवं अपीलीय कोर्ट भोपाल में पैरवी राजपाल शर्मा लेवर लाँ के अधिवक्ता द्वारा दी गई थी।

संस्कृति से जुड़ाव ही समाज को मजबूत बनाता है और महिलाएं उसकी हैं आत्मा : डॉ रश्मि सिंह

जागरण, सतना। हरियाली और पारंपरिक संस्कृति के प्रतीक हरियाली तीज पर्व पर कांग्रेस नेत्री डॉ रश्मि सिंह ने अपने सतना स्थित निवास में महिलाओं के साथ मिलकर उत्सव मनाया। इस अवसर पर महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सज.धज कर पहुंचीं और लोकगीतों व झूले के माध्यम से तीज का आनंद लिया। डॉ रश्मि सिंह ने सभी महिलाओं का आत्मीय स्वागत किया और तीज पर्व के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह पर्व केवल उत्सव नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत नारी शक्ति और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है।उन्होंने सभी बहनों के अखंड सौभाग्य सुख.शांति और सामाजिक समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने भी डॉ रश्मि सिंह के सादगीपूर्ण आयोजन और उनके साथ बिताए समय को यादगार बताया। प्रमुख रूप से शिवकली सिंह सुशीला सिंह बेबी सिंह प्रीति वर्मन सुनीता शर्मा शालू गुप्ता शोभा सिंह सुप्रिया गुप्ता रानी गुप्ता संध्या गुप्ता सीमा सिंह सुनीता पांडेय प्रिय सिंह सुनीता केवट अन्नू सिंह ज्योति सिंह प्रभा रजक आदि थी।

खेरमाई अखाड़ा में नाग पंचमी को होगी कुश्ती और पारंपरिक पूजा

जागरण, सतना। अखाड़ा स्थापना के 105 साल के इतिहास को लेकर चलते हुए खेरमाई अखाड़ा में कुश्ती और नाग पंचमी को पारंपरिक रूप से अखाड़े की पूजा अर्चना का कार्यक्रम आज भी निरंतर जारी है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए खेरमाई अखाड़ा के वरिष्ठ पहलवान बलराम सेन द्वारा बताया गया की नाग पंचमी का दिन सभी अखाड़ों की पूजा एवं कुश्ती दंगल के लिए प्रसिद्ध है। इसी तारतम्य में सतना शहर के मध्य में स्थित उस्ताद रामकृष्ण व्यायाम शाला अखाड़ा खेरमाई में इस बार कुश्ती में सतना शहर के स्थानीय पहलवानों को यथा उचित इनाम भी दिया जाएगा। संपूर्ण कार्यक्रम अखाड़ा के संरक्षक शैलेंद्र सोनी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में संपन्न होगा। प्रतिदिन की भांति कुश्ती का अभ्यास निरंतर जारी है। इस मौके पर शुक्रवार को वरिष्ठ पहलवानों में बलराम व छेदी पहलवान के साथ निशाकात महेंद्र मुकेश सौरभ शैलेंद्र धनराज शिवम आदि पहलवान मौजूद रहे।

वृक्षारोपण उपरांत 111 पौधे नवांकुर सखियों को किये वितरित

रामपुर बाघेलान । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉक्टर राजेश तिवारी के निर्देशन एवं अमरपाटन विकासखंड समन्वयक के मार्गदर्शन में सेक्टर क्रमांक 2 में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पडरिया कला द्वारा आदर्श ग्राम पडरिया कला आगनवाडी केन्द्र मे नवांकुर सखी का आयोजन किया गया ।

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं वैभव मिश्रा पिता श्री कृष्ण प्रकाश मिश्रा निवासी ग्राम पोस्ट बम्हौरी तहसील बिरसिंहपुर जिला सतना मध्य प्रदेश मेरे द्वारा एलआईसी की पॉलिसी संख्या 376453075 ली गई थी जिसमें मेरा नाम भूलवश पवन मिश्रा पिता श्री कृष्ण प्रकाश मिश्रा दर्ज हो गया है जो कि गलत है जबकि मेरे अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा सही नाम वैभव मिश्रा पिता श्री कृष्ण प्रकाश मिश्रा लिखा है पवन मिश्रा उर्फवैभव मिश्रा उक्त दोनों नाम मेरे ही हैं अतः आज दिनांक से मेरी पॉलिसी में मेरा सही नाम वैभव मिश्रा दर्ज किया जाए।

मेडिकल कैंप की सभी तैयारियां हुई पूर्ण : डॉ राकेश मिश्र

सतना। दो दिवसीय निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजक डॉ राकेश मिश्र पं गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास तीन दिवसीय प्रवास पर सतना पहुंचे। नेह.निकुंज बम्हनगवां रीवा रोड में नगर के प्रबुद्ध जनों समाज सेवियों से औपचारिक मुलाकात की तदुपरांत सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्ण नगर में 45 वें निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर की तैयारी बैठक में शामिल हुए। डॉ राकेश मिश्र सेवा न्यास कार्यकर्ताओ से संवाद किया हुआ। कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए डॉ मिश्र ने कहा कि पं गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा पिछले वर्षों की भाँति इस वर्ष भी पैंतालीसवां मल्टी स्पेशल्यिस्टी हैल्थ कैंप का आयोजन आगामी 26.27 जुलाई 2025 दिन शनिवार रविवार को प्रातः दस बजे से सायं पांच बजे तक सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्ण नगर सतना में आयोजित मेडिकल कैंप की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। डॉ राकेश मिश्र ने आगे कहा कि एक्शन कैंसर हॉस्पिटल नई दिल्ली एवं श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट के द्वारा विभिन्न जांचें की जायेंगीं तथा समुचित परामर्श भी दिया जायेगा ।

कार्यालय वनमंडलाधिकारी, वनमण्डल सा॰ रीवा (म.प्र.)
जयन्ती कुंज, झिरिया, रीवा
E-Mail- dfot.rwa@mp.gov.in , Phone- 07662- 251335

क्रमांक/भण्डार/ 6206 — रीवा दिनांक 16.07.25
प्रति,

ई-निविदा सूचना

वनमण्डल रीवा अंर्तगत वर्ष 2025-26 में विभिन्न योजनाओं के तहत वानिकी कार्यों में पौधे अंर्तगत क्षेत्र सुरक्षा, रोपित पौधों की सुरक्षा हेतु फेंसिंग सामग्री की आपूर्ति ई-निविदा एम०पी० टेण्डर पोर्टल में www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार हैः-

Tender Sale Start Date -	24.07.2025	Time 11.00 AM
Bid Submission Start Date -	24.07.2025	Time 11:30 AM
Bid Submission Closing Date -	29.07.2025	Time 03.00 PM
Bid Opening Date -	30.07.2025	Time 04:30 PM

1. इच्छुक व्यापारीगण/संस्था ई-निविदा संबंधी संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाइट पर प्राप्त करें। निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र प्राप्त हो सकेगा।
2. निविदा प्रपत्र शुल्क एवं एवं ई.एम.डी. की राशि ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त की जायेगी। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
3. उक्त निविदा हेतु निर्धारित फार्म एवं विस्तृत शर्तों की जानकारी www.mptenders.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

(लोकेश निरापुरे भा.व.से.)
वनमण्डलाधिकारी
वनमण्डल (सा.) रीवा

G-16206/25

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्च शिक्षा विभाग
तकनीकी अनुभाग-।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान - सार्वजनिक-निजी भागीदारी मोड (आईआईआईटी-पीपीपी) में स्थापित कल्याणी के निदेशक पद के लिए विज्ञापन

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान - सार्वजनिक-निजी भागीदारी मोड (आईआईआईटी-पीपीपी) में स्थापित कल्याणी, के निदेशक के पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

आईआईआईटी के निदेशक, अकादमिक और प्रशासनिक प्रमुख होने के नाते, राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का नेतृत्व करने के लिए नेतृत्व गुणों के साथ प्रशासनिक, शिक्षण और अनुसंधान पृष्ठभूमि (पीएचडी स्तर पर अनुसंधान मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण अनुभव सहित) की अपेक्षा की जाती है। उम्मीदवार को उचित शाखा में पीएचडी होना चाहिए, साथ ही पूरे शैक्षणिक रिकॉर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन और एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान में प्रोफेसर के रूप में कम से कम 7 साल का अनुभव होना चाहिए (उत्कृष्ट उम्मीदवार के मामले में छूट दी जा सकती है)। सीएस/आईटी या उभरती प्रौद्योगिकियों में औद्योगिक अनुसंधान अनुभव वाले उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। यदि उम्मीदवार के पास सीएस/आईटी या उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण और सिद्ध उद्योग अनुभव है, तो पीएचडी स्तर पर अनुसंधान मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण अनुभव की आवश्यकता और पीएचडी डिग्री रखने की आवश्यकता में छूट दी जा सकती है। आवेदक की आयु अधिमानतः 60 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। इस पद पर 7 वें सीपीसी के अनुसार 2,10,000 / रुपये (निर्धारित) का निश्चित वेतन और 11,250 रुपये प्रति माह का विशेष भत्ता जिसमें संस्थान के नियमों के तहत स्वीकार्य भत्ते शामिल हैं।

योग्य/इच्छुक व्यक्ति NITSER काउंसिल की वेबसाइट: www.nitcouncil.org.in और शिक्षा मंत्रालय की वेबसाइट: http://www.education.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन विंडो 28.07.2025 से 09.09.2025 रात्रि 11:59 बजे तक खुली रहेगी। दोनों तिथियां शामिल हैं।

यदि अंग्रेजी संस्करण और हिंदी संस्करण के बीच कोई असंगतता या अस्पष्टता है, तो अंग्रेजी संस्करण प्रबल होगा।

अन्य आवश्यक जानकारी के साथ विस्तृत विज्ञापन वेबसाइट http://www.education.gov.in, www.nitcouncil.org.in, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की वेबसाइट: http://www.dst.gov.in/ और कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग की वेबसाइट: https://dopt.gov.in/ पर दिए गए हैं।

एकेएस की छात्रा काजल सोनी का प्लैनेट स्पार्क में चयन

सतना । एकेएस विश्वविद्यालय की एमसीए की प्रतिभाशाली छात्रा काजल सोनी का चयन कम्युनिकेटर टीचर के पद पर गुड़गांव स्थित प्लैनेट स्पार्क संस्थान में हुआ है। उन्हें वार्षिक 3 लाख रुपये के पैकेज पर नियुक्त किया गया है। काजल सोनी विश्वविद्यालय के 2023- 2025 बैच एमसीए पाठ्यक्रम की छात्रा हैं और उनकी इस उपलब्धि ने न केवल संस्थान बल्कि उनके सहपाठियों एवं शिक्षकों को भी गर्व की अनुभूति कराई है। प्लैनेट स्पार्क एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संगठन है जो बच्चों के कम्युनिकेशन एवं पर्सनैलिटी डिवेलपमेंट पर विशेष कार्य करता है। काजल का चयन इस बात का प्रमाण है कि उनकी शैक्षणिक योग्यता संवाद कौशल एवं प्रशिक्षण में प्राप्त दक्षताए इस प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में भी उन्हें विशिष्ट स्थान दिला पाई है। विश्वविद्यालय के प्रो.चांसलर अनंत कुमार सोनी कुलपति प्रति.कुलपति तथा डीन और प्रोफेसर डॉ अखिलेश ए वाऊ के साथ समस्त शिक्षकों ने भी उनके उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

साहस चुने, भय नहीं आत्मरक्षा का मूल सिद्धांत : डॉ बी पी सिंह

छतरपुर । महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के शारीरिक शिक्षा विभाग के द्वारा सात दिवसीय आत्मरक्षा कार्यशाला के पांचवे दिवस शारीरिक शिक्षा विभाग के संचालक डॉ बी पी सिंह गौर ने अपने विशेष व्याख्यान में कहा कि हम आत्मरक्षा से स्वयं की एवं समाज की रक्षा कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि हमें कैसे भीड़भाड़ वाले स्थलों पर अपनी सतर्कता रखनी है एवं किस जगह पर हमें आत्मरक्षा से जुड़ी तकनीक का प्रयोग करना है। भीड़-भाड़ या सुनसान जगह पर अपने मोबाइल का क्या-क्या उपयोग है जो हमें आत्मरक्षा के लिए सहायक होगा। दैनिक जीवन में काम आने वाली जो तकनीके हैं उनके बारे में भी जानकारी के साथ साथ एक महत्वपूर्ण स्लोगन %सतर्क रहें, सुरक्षित रहें% का संदेश भी दिया गया। आत्मरक्षा के लिए जैसे बैग ,गाड़ी की चाबी ,छाते का किस तरह से आत्मरक्षा में प्रयोग हो सकता है इस बारे में भी जानकारी दी गई। 2 मिनट की एक वीडियो प्रेजेंटेशन से यह भी समझाया गया कि कैसे हमारी आत्मरक्षा में कई चीजें सहायक हो सकती हैं। इस महत्वपूर्ण एवं विशेष व्याख्यान के लिए सभी छात्र छात्राओं ने संचालक शारीरिक शिक्षा डॉ बीपी सिंह गौर का स्वागत भी किया।

प्रख्यात हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह के द्वारा प्रतिदिन नियमित OPD रीवा में

रीवा : अहमदाबाद के प्रख्यात हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह, MBBS, MS (ऑर्थोपेडिक्स) FIJR, OIJR (अहमदाबाद) फेलोशिप इन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट। कॉम्प्लेक्स ट्रॉमा। ऑर्थोस्कोपिक सर्जन, पूर्व सर्जन गवर्मेन्ट मेडिकल कॉलेज सागर, हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ के द्वार कामता मेडिकल (कामता मल्टीस्पेशलिटी डे-केयर क्लीनिक/डायग्नोस्टिक× विजन हार्ट सेंटर), A ब्लॉक समदड़िया कॉम्प्लेक्स न्यू बस स्टैंड रीवा में, प्रतिदिन नियमित सुबह 10 से दोपहर 02 बजे तक एवं शाम 04 से 06 बजे तक हड्डी व जोड़ रोग से सम्बंधित समस्त फ्रैक्चर एवं ट्रॉमा उपचार, घुटना एवं कुल्हा प्रत्यारोपण TKR, THR, ऑर्थोस्कोपी (दूरबीन द्वारा लिगामेंट की सर्जरी), डिजिटल एक्स-रे, प्लास्टर POP एवं स्पिलटिंग, घुटनो में दर्द/सूजन, कंधे का जकड़ना/दर्द होना, कमर व कूल्हों के जोड़ों का दर्द, साईटिका/गठियावात, कंधे के मांस का कटना, घुटने का न मुड़ना, चलने में लड़खड़ाना, जमीन पर न बैठ पाना, गाउट एवं रूमेटाइड ऑर्थराइटिस का उपचार, जोड़ो में इंजेक्शन द्वारा उपचार (इंटर-आर्टिकुलर इंजेक्शन), CTEV (क्लबफुट) जन्मजात टेढ़े मेढ़े पाँव का उपचार, रीढ़ की हड्डी से सम्बंधित समस्याएं, सामान्य एवं जटिल फ्रैक्चर, आधुनिक तकनीक द्वारा जोड़ प्रत्यारोपण, बच्चों के हाथ व पैरों की विकृतिया, पुराने फ्रैक्चरों का न जुड़ना, हड्डी में पस पड़ना आदि बीमारियों का परामर्श/ऑपरेशन द्वारा इलाज किया जाता है, डॉ शांतनु को दुरबीन विधि से सम्बंधित सभी प्रकार के आपरेशन में महारथ हासिल है, अधिक जानकारी हेतु कामता मेडिकल रीवा में संपर्क करें। -Advt.

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 1235 (PM-JANMAN) (Batch-V, Year-2024-25)

No./8817/22/D-12/MPRRDA/2025 — Bhopal, Dated : 25.07.2025

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in.** as detailed below:

- **Name of Work** – Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 01.01.2024 and amended upto issue date of NIT.
- PM-JANMAN-Batch-V, Year-2024-25

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Road	Total Length (in kms)	Total PAC (In Rs.)
1	Anuppur	6	30	52.06	283379000.00
2	Balaghat	1	10	14.67	89012000.00
3	Chhindwara	2	7	19.82	125909000.00
4	Dindori	4	20	49.72	294173343.00
5	Sheopur	1	4	6.50	37150187.00
6	Shivpuri	1	6	6.94	42534000.00
7	Sidhi	5	11	23.30	147231000.00
8	Singrauli	1	3	5.31	34915975.00
9	Vidisha	1	3	4.60	27521000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase online from **28.07.2025 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **12.08.2025 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)
M.P. Madhyam/121266/2025

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड
केंद्रीकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 03/2025
पैरामेडिकल श्रेणियों के विभिन्न पदों की भर्ती

नीचे दी गई तालिका में दिए गए विभिन्न कोटियों के पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम **तिथि 08.09.2025** है। सभी प्रकार के पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाईन जमा किए जाने होंगे।

आवेदन प्रारंभ होने की तिथि : 09-अगस्त -2025
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 08-सितम्बर -2025 (23:59 Hours)

पदों का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	प्रारंभिक वेतन (₹)	चिकित्सा मानक	01.01.2026 को आयु	कुल रिक्तियाँ सभी आरआरबी
नर्सिंग अधीक्षक	7	44900	C1	20-40	272
डाईलायसिस तकनीशियन	6	35400	B1	20-33	4
स्वास्थ्य एवं मलेरिया निरीक्षक ग्रेड II	6	35400	C1	18-33	33
फार्मासिस्ट (एंट्री ग्रेड)	5	29200	C2	20-35	105
रेडियोग्राफर एक्स-रे तकनीशियन	5	29200	B1	19.-33	4
ईसीजी तकनीशियन	4	25500	C1	18-33	4
लेबोरेटरी सहायक ग्रेड II	3	21700	B1	18-33	12
				कुल योग (सभी रे.भ.बो.)	**434**

उम्मीदवारों को निश्चित रूप से सूचित की जाती है कि ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरण को सत्यापित करें ताकि गैर-आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में विशेष विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा और अतिरिक्त देरी से बचा जा सके। आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन प्राप्त करने के लिए आधार में नाम और जन्मतिथि को दसवीं कक्षा उत्तीर्ण प्रमाणपत्र में उपलब्ध पूर्ण नाम और जन्मतिथि के साथ 100 प्रतिशत मिलान करने के लिए अपडेट किया जाना है। इसी प्रकार ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार को नवीनतम फोटो और नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगर प्रिंट और आईरिस) के साथ अपडेट किया जाना आवश्यक है।

यह अधिसूचना पूर्ण रूप से सांकेतिक है। पूर्ण विवरण के लिए आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले विस्तृत सीईएन सं0 03/2025 (पैरामेडिकल) को भली-भांती पढ़ने की सलाह दी जाती है। सम्पूर्ण अधिसूचना एवं उपरोक्त भर्ती के संबंध में कोई भी शुद्धिपत्र /परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय-समय पर नीचे वर्णित आरआरबी की वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

सीईएन संख्या 03/2025 में प्रतिभागी रेल भर्ती की वेबसाईट		
अहमदाबाद www.rrbahmedabad.gov.in	गुवाहाटी www.rrbguwahati.gov.in	प्रयागराज www.rrbald.gov.in
अजमेर www.rrbajmer.gov.in	जम्मू श्रीनगर www.rrbjammu.nic.in	रांची www.rrbranchi.gov.in
भोपाल www.rrbbhopal.gov.in	कोलकाता www.rrbkolkata.gov.in	सिकन्दराबाद www.rrbsecunderabad.gov.in
भुवनेश्वर www.rrbbbs.gov.in	मालदा www.rrbmalda.gov.in	सिलिगुड़ी www.rrbsiliguri.gov.in
बिलासपुर www.rrbbilaspur.gov.in	मुंबई www.rrbmumbai.gov.in	बेंगलुरू www.rrbbnc.gov.in
चंडीगढ़ www.rrbcdg.gov.in	मुजफ्फरपुर www.rrbmuzaffarpur.gov.in	गोरखपुर www.rrbgkp.gov.in
चेन्नई www.rrbchennai.gov.in	पटना www.rrbpatna.gov.in	

संख्या : आरआरबी/पैट/03-25 (पैरामेडिकल)/2025/05
दिनांक : 26.07.2025
पीआर/0586/आरआरबी/एमएचएक्स/आरआरबी/नोटिस/25-26/204

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

"जालसाजों, दलालों एवं नौकरी दिलाने का झांसा देने वालों से सावधान रहें"

विंध्य की विरासत से समृद्ध होगी
मध्यप्रदेश पर्यटन की पहचान
मध्यप्रदेश पर्यटन
क्षेत्रीय पर्यटन कॉन्क्लेव
26-27 जुलाई, 2025 | रीवा
अद्भुत वन्यजीवन-अनोखे गंतव्य
शुभारंभ
सायं 6:00 बजे। कृष्ण राज कपूर ऑडिटोरियम, रीवा, मध्यप्रदेश
एवं
कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम
सायं 5:00 बजे। सैनिक स्कूल परिसर, रीवा
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
पर्यटन विकास को नए आयाम
होटल, रिसॉर्ट, वेलनेस और ईको-टूरिज्म क्षेत्रों में निवेश करने वाले 6 प्रमुख निवेशकों को प्रदान किए जाएंगे 'लेटर ऑफ अवॉर्ड'
पर्यटन विभाग द्वारा राज्य में संचालित 'पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा' की बुकिंग अब जुड़ेगी IRCTC पोर्टल से
ग्रामीण होम-स्टे अब मेक माय ट्रिप, यात्रा, ईज़ माय ट्रिप जैसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ट्रैवल एजेंसियों से जुड़ेंगे
2 प्रमुख डिजिटल मार्केटिंग कंपनियों, Barcode Experiential और Qyuki Digital के साथ रणनीतिक साझेदारी हेतु एमओयू
शहडोल में फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट का उद्घाटन युवाओं को मिलेंगे रोज़गार के अवसर
कला और हस्तशिल्प केंद्र स्थापित करने के लिए ग्राम सुधार समिति एमएम फाउंडेशन और समर्थ संस्था के साथ होगा अनुबंध
D-11071/25
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

भंवर सेन से जल लेकर गोदवाल धाम पहुंच कावड़ियों का साहू समाज संगठन ब्यौहारी द्वारा पुष्पा वर्षा कर हुआ भव्य स्वागत

जागरण, ब्यौहारी। दिनांक 21 जुलाई को बोल बम कावड़ यात्रा सभीश्रद्धालु भक्तों का नगर के वरिष्ठ समाजसेवी जनों एवं समान संगठन द्वारा उसे वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया एवं स्वल्पाहार कराया गया। जिसमें प्रमुख रूप से सुरेश साहू, हीरालाल साहू महावीर साहू प्रमोद साहू गीता साहू रेखा साहू बैजनाथ साहू, रामपाल साहू एवं नगर के कई गणमान्य समाजसेवी जनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिले में 750.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज

पन्ना । जिले में इस वर्ष एक जून से 25 जुलाई की अवधि में 750.2 मिमी अर्थात् 29.5 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई है। अब तक वर्षामापी केन्द्र पन्ना में 779.1 मिमी, देवेन्द्रनगर में 754.3 मिमी, गुनौर में 813.1 मिमी, अमानगंज में 902.2 मिमी, पवई में 702 मिमी, सिमरिया में 502.4 मिमी, शाहनगर में 693 मिमी, रैपुरा में 734.6 मिमी और अजयगढ़ में 871 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

जिला अस्पताल की सोनोग्राफी दो साल से बंद

अवैध रूप से संचालित डॉक्टर बागरी की ग्लोबल सोनोग्राफी सेंटर में मरीज के साथ हो रही लूट एक हजार से लेकर पांच हजार तक वसूली जा रही राशि डॉक्टरों को मिल रहा मोटा कमीशन

जागरण, पन्ना । जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर आम गरीबों के साथ लूट की जा रही है लोगों को जांच के नाम पर सोनोग्राफी सेंटर में भेजा जाता है तथा उनसे सोनोग्राफी सेंटर संचालक द्वारा मनमानी फीस ली जा रही है गौर तालाब है कि पन्ना जिला चिकित्सालय में विगत दो वर्ष पूर्व सोनोग्राफी मशीन बेहतर क्वालिटी की खरीदी गई थी जिसका कुछ दिन संचालन भी हुआ लेकिन उक्त सोनोग्राफी मशीन का वर्तमान समय में संचालन बंद है तथा कोई भी जिला अस्पताल की सोनोग्राफी मशीन का संचालन करने वाला नहीं है जिला अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि उसको संचालित करने के लिए डॉक्टर एवं ऑपरेटर नहीं है जिसका सीधा-सीधा फायदा निजी सोनोग्राफी संचालित करने वाले ग्लोबल सोनोग्राफी सेंटर के संचालक डॉक्टर पुष्पराज बागरी को मिल रहा हैं और अधिकांश डॉक्टर महिला डॉक्टर उन्हीं के पास सोनोग्राफी लिखकर भेजते हैं जिसमे डॉक्टर का कमीशन निश्चित है संबंधित सोनोग्राफी संचालक द्वारा आम लोगों से भारी भरकम फीस ली जा रही है एक हजार से लेकर पांच हजार तक की वसूली जा रहे हैं संबंधित सोनोग्राफी सेंटर में नियम का पालन भी नहीं किया जा रहा है तथा अनैतिक गतिविधियां भी संचालित होती है कही पर भी लिंग भ्रूण संबंधित प्रतिबंध के संबंध में लेख नहीं है पन्ना जैसे गरीब जिले के लोगों के साथ जांच संसाधनों के नाम पर भारी मनमानी चल रही है नियम कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही है संबंधित मामले में स्थानीय लोगों ने ग्लोबल सोनोग्राफी सेंटर की संचालक पुष्पराज बागरी पर कार्यवाही करने की मांग की है एक दिन में होती है एक सैकड़ा से अधिक सोनोग्राफी नहीं दी जाती मरीज को कोई रसीद शासन के राजस्व की हो रही है चोरी। उक्त सोनोग्राफी सेंटर में एक दिन में एक सैकड़ा से अधिक लोगों की अधिकांश महिलाओं की सोनोग्राफी की जाती है जिनसे भारी भरकम फीस ली जाती है लेकिन संबंधित लोगों को फीस लेने के बाद कोई रसीद नहीं दी जाती है।

इनका कहना है : आपके द्वारा मामला संज्ञान में लाया गया है मैं पता करता हूं जिला अस्पताल की सोनोग्राफी मशीन क्यों बंद है साथ ही संबंधित सोनोग्राफी सेंटर की जांच कर कर कार्यवाही कराऊंगा।

आर पी तिवारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला पन्ना

भूखंड आवंटन की लॉटरी प्रक्रिया निरस्त : पन्ना । म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग कार्यालय दमोह के संपदा अधिकारी आर.के. बाथम द्वारा प्राणनाथपुरम कॉलोनी पन्ना में विभिन्न प्रकार के भूखंडों की लॉटरी प्रक्रिया निरस्त होने के संबंध में सूचित किया गया है। बताया गया है कि उपलब्ध भूखंडों के अनुसार प्राप्त पंजीयन के चयन के लिए आगामी 28 एवं 29 जुलाई को श्री जगन्नाथ स्वामी टाउन हॉल पन्ना में लॉटरी का आयोजन किया जाना था। अपरिहार्य कारणों से लॉटरी प्रक्रिया निरस्त की गई है।

JAWAHARLAL NEHRU KRISHI VISHWA VIDYALAYA, JABALPUR-482004 (M.P.)
email: registrarjnkvv@gmail.com (Phone (O) 0761-2681778)

No.Acd/II/A-11(B)/2025-26/1112 Dated: 16 July, 2025

SECOND ADMISSION NOTICE

Applications on plain paper are invited from Non Resident India NRI/ NRI Sponsored candidates for admission to B.Sc.(Hons) Agriculture/Horticulture/ Forestry and B.Tech.(Agril.Engg.) degree programmes for the session 2025-2026 under NRI / NRI SPONSORED quota. Intending NRI / NRI SPONSORED candidates may apply along with NRI Certificate (Format 10-A) and NRI Sponsored Certificate (Format 10-B) and relevant documents in original with copies (2 sets) such as Marks-sheet, NRI/ NRI Sponsored residential proof, NRI/ NRI Sponsored Passport and Bank Account, NRI Sponsorship Letter up to 13th August, 2025 (5.00 pm) details are available at website www.jnkvv.org

IPRO/Reg./NRI/2025/59 **REGISTRAR**

जन्माष्टमी पर श्री कृष्ण पर्व का होगा आयोजन, अधिकारियों को सौंपा दायित्व

जागरण, पन्ना। पन्ना संस्कृति विभाग द्वारा इस वर्ष भी जिला प्रशासन के सहयोग से जन्माष्टमी के अवसर पर आगामी 16-17 अगस्त को श्री जुगल किशोर मंदिर प्रांगण पन्ना में श्री कृष्ण पर्व का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर सुरेश कुमार ने श्री कृष्ण पर्व के लिए जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अशोक चतुर्वेदी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के गरिमामय आयोजन के लिए पुलिस सहित अनुविभागीय दंडाधिकारी पन्ना, तहसीलदार पन्ना, मनरेगा परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी उमाशंकर मिश्रा, जनसंपर्क अधिकारी और थाना प्रभारी यातायात को जिम्मेवारी दी गई है। अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने सहित आमंत्रण पत्र वितरण, मंदिर प्रांगण में साफ सफाई, पेयजल व्यवस्था, लाउडस्पीकर एवं प्रमुख चौराहों इत्यादि पर होर्डिंग, फ्लेक्स, बैनर इत्यादि के माध्यम से प्रचार प्रसार तथा सुगम यातायात व पार्किंग व्यवस्था इत्यादि का दायित्व सौंपा गया है।

वेटरनरी कॉलेज में चल रहा है तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

रीवा। वेटरनरी कॉलेज में मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के तहत डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना के अंतर्गत उद्यमिता विकास हेतु कुलगुरु डॉ. प्रो.मनदीप शर्मा के मार्गदर्शन एवं अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह की अध्यक्षता एवं दिशा-निर्देशन में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 17 प्रशिक्षणार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को आधुनिक डेयरी फार्मिंग, प्रायोगिक डेयरी फार्मिंग की नियमित गतिविधियाँ, पशुओं हेतु उत्तम आहार जैसे विषयों पर विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह का संचालन डॉ. राजकुमार पटेल ने किया और इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. शैलेंद्र सिंह, डॉ. राजेश कुमार वांद्रे, एवं डॉ. अंकुश किरण निरंजन उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार तहसील हुजूर नगर जिला रीवा (म.प्र.)

क्रमांक /571/ प्रवा. /तह. हुजूर नगर/2025
रीवा दिनांक 24/07/2025

संजय सोनी पिता श्री उमाशंकर सोनी, निवासी कटरा मोहल्ला रीवा यासीन मस्जिद के सामने तहसील हुजूर नगर जिला रीवा (म.प्र.) .... (आवेदक)

बनाम

1-स्व. कन्हैया कोल और पुनौवा कोल तर्फे वारिसान (क) श्यामलाल कोल (ख) बृजलाल कोल (ग) मुकेश कोल (घ) बंटी कोल (ड.) अर्जुन कोल सभी अनावेदकगण निवासी समान तिराहा रियल टेस्ट रेस्टोरेंट के बगल में तहसील हुजूर नगर जिला रीवा (म.प्र.) .... (अनावेदकगण)

आवेदक संजय सोनी पिता श्री उमाशंकर सोनी, निवासी कटरा मोहल्ला रीवा यासीन मस्जिद के सामने तहसील हुजूर नगर जिला रीवा (म.प्र.), द्वारा ग्राम समान की भूमि खसरा नम्बर 250 रकवा 0.1010, 253 रकवा 0.650, 254 रकवा 0.1210 हे0 कुल रकवा 0. 2870 हे0 का मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 250 के अंतर्गत प्रकरण विचाराधीन -है। उक्त आवेदित आराजी के संबंध मे समस्त हितबद्ध पक्षकार को सूचित किया जाता है कि प्रकरण साक्ष्य हेतु नियत दिनांक 28/07/2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में अपनी उपस्थिति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक तक उपस्थित न होने पर उक्त आवेदन में सहमति की उपधारणा की जावेगी।

आज दिनांक 24/07/2025 को न्यायालय द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील हुजूर नगर
जिला रीवा (म.प्र.)

RN- 82725

अब उपलब्ध सीट से दोगुनी सीमा तक ही जारी होंगे वेटिंग टिकट

जागरण, रीवा। रेलवे द्वारा आरक्षण व्यवस्था में फिर से बदलाव किया गये है। नई व्यवस्था में वेटिंग टिकट जारी करने की अधिकतम सीमा फिर से तय की गई है। अब मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में एसी एग्जीक्यूटिव और प्रथम श्रेणी में उपलब्ध सीटों से दोगुने वेटिंग टिकट ही जारी किए जा सकेंगे। शताब्दी और राजधानी श्रेणी की ट्रेनों में इस वर्ग में भी अधिकतम 60 प्रतिशत वेटिंग टिकट जारी हो पाएंगे। नई व्यवस्था के तहत मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में एसी सेकंड, थर्ड और चेयरकार में वेटिंग की अधिकतम सीमा उनकी सीट उपलब्धता का 60 प्रतिशत होगा। शताब्दी और राजधानी की इन्हीं श्रेणियों में अधिकतम सीमा 40 प्रतिशत तक होगी। वहीं शयनयान और चेयरकार में सीट संख्या से अधिकतम 40 प्रतिशत तक ही वेटिंग टिकट जारी होगा। इससे पहले रेलवे बोर्ड ने 17 अप्रैल को सभी जोनल रेलवे और रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) को इस संबंध में एक आदेश जारी किया था। उसके मुताबिक वेटिंग टिकटों की संख्या उपलब्ध सीटों के 25 प्रतिशत तक सीमित किया गया था। इसके बाद आरक्षण प्रणाली में संशोधन करते हुए श्रेणीवार प्रतीक्षा सूची की सीमा को निर्धारित किया गया। वेटिंग टिकटों पर सीमा का यह नया नियम रियायती टिकटों या सरकारी यात्रा वारंट पर लागू नहीं होगा। इसका मतलब यह है कि दिव्यांग व्यक्ति, मेडिकल कोटा पर यात्रा करने वाले व्यक्ति, रक्षा सेवाओं के कर्मचारी और अन्य योग्य लोगों को पहले की तरह ही प्राथमिकता मिलती रहेगी।

जुगाड़ की प्रवृत्ति पर लगेगी रोक : अब किसी ट्रेन में वेटिंग 250-300 तक नहीं जाएगा। अगर एसी प्रथम श्रेणी में 100 सीट है तो अधिकतम 100 लोगों को ही वेटिंग टिकट मिल पाएगा। उसके बाद संबंधित ट्रेन में उस श्रेणी का टिकट जारी ही नहीं हो पाएगा। इससे टिकट जारी कराके जुगाड़ से कन्फर्म कराने की प्रवृत्ति पर रोक लगेगी।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क -
8962086944

कार्यालय नगर परिषद गोविन्दगढ़, जिला-रीवा (म०प्र०)

Email :- cmogovindgarh@mpurban.gov.in

क्रमांक/380/दुकान नीलामी/2025 गोविन्दगढ़, दिनांक 09.06.2025

दुकान नीलामी की तृतीय निविदा सूचना

नगर परिषद गोविन्दगढ़ द्वारा निकाय क्षेत्रान्तर्गत वार्ड क्र.-10 में नवीन निर्मित दुकानों की नीलामी की जानी है। नीलामी में भाग लेने वाले पात्र भागीदारों द्वारा दिनांक 25.07.2025 समय. शाम 5.00 से दिनांक 25.08. 2025 तक समय .शाम 5.00 बजे तक पात्रता प्रमाण पत्र अपलोड करके अपनी-अपनी प्रीमियम राषि ऑनलाईन के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। दुकान नीलामी की शर्ते विज्ञप्ति के साथ संलग्न है -

क्र0	ई-निविदा क्र.0	लोकेशन	दुकान की साईज वर्ग मीटर	दुकान क्रमांक	आरक्षण की स्थिति	निर्धारित प्रीमियम	अमानत राशि	शर्त/ निविदा प्रपत्र का मूल्य	भागीदार द्वारा प्रस्तुत दर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2025_UAD_438582_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	10.05	01	सामान्य	480000.00	48000.00	1000.00	
2	2025_UAD_438620_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	10.05	02	सामान्य	480000.00	48000.00	1000.00	
3	2025_UAD_438621_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	8.37	03	सामान्य महिला	383000.00	38300.00	1000.00	
4	2025_UAD_438768_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	8.37	04	सामान्य	383000.00	38300.00	1000.00	
5	2025_UAD_438772_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	10.05	05	सामान्य	480000.00	48000.00	1000.00	
6	2025_UAD_438776_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	8.37	06	अ0जा0	383000.00	38300.00	1000.00	
7	2025_UAD_438822_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	8.37	07	सामान्य	383000.00	38300.00	1000.00	
8	2025_UAD_438846_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	10.05	08	अ0जा0	480000.00	48000.00	1000.00	
9	2025_UAD_438880_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	10.05	09	विकलांग	480000.00	48000.00	1000.00	
10	2025_UAD_438892_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	10.05	10	सामान्य	480000.00	48000.00	1000.00	
11	2025_UAD_438910_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	10.05	11	अ0जा0	480000.00	48000.00	1000.00	
12	2025_UAD_438927_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	8.37	12	सामान्य	383000.00	38300.00	1000.00	
13	2025_UAD_439021_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	8.37	13	अ0जा0	383000.00	38300.00	1000.00	
14	2025_UAD_439038_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	10.05	14	पिछड़ा वर्ग महिला	480000.00	48000.00	1000.00	
15	2025_UAD_439056_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	8.37	15	सामान्य	383000.00	38300.00	1000.00	
16	2025_UAD_439279_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	8.37	16	अ0जा0	383000.00	38300.00	1000.00	
17	2025_UAD_439280_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	10.05	17	अ0जन जाति वर्ग महिला	480000.00	48000.00	1000.00	
18	2025_UAD_439281_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	10.05	18	सामान्य	480000.00	48000.00	1000.00	
19	2025_UAD_439282_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (भू-तल)	10.05	21	सामान्य	480000.00	48000.00	1000.00	
20	2025_UAD_439283_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	25	सामान्य	351000.00	35100.00	1000.00	
21	2025_UAD_439307_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	26	सामान्य	351000.00	35100.00	1000.00	
22	2025_UAD_439411_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	8.37	27	सामान्य	280000.00	28000.00	1000.00	
23	2025_UAD_439419_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	8.37	28	सामान्य	280000.00	28000.00	1000.00	
24	2025_UAD_439424_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	8.37	29	अ0जा0	280000.00	28000.00	1000.00	
25	2025_UAD_439433_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	8.37	30	सामान्य	280000.00	28000.00	1000.00	
26	2025_UAD_439436_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	8.37	31	अ0जा0	280000.00	28000.00	1000.00	
27	2025_UAD_439440_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	32	सामान्य	351000.00	35100.00	1000.00	
28	2025_UAD_439451_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	33	अ0जन0 जाति	351000.00	35100.00	1000.00	
29	2025_UAD_439465_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	34	अ0जा0	351000.00	35100.00	1000.00	
30	2025_UAD_439468_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	8.37	35	सामान्य	280000.00	28000.00	1000.00	
31	2025_UAD_439471_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	8.37	36	अ0जा0	280000.00	28000.00	1000.00	
32	2025_UAD_439528_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	8.37	37	अ0जन0 जाति	280000.00	28000.00	1000.00	
33	2025_UAD_439529_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	8.37	38	सामान्य	280000.00	28000.00	1000.00	
34	2025_UAD_439530_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	39	अन्य पिछड़ा वर्ग	351000.00	35100.00	1000.00	
35	2025_UAD_439531_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	40	अ0जा0	351000.00	35100.00	1000.00	
36	2025_UAD_439532_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	41	सामान्य	351000.00	35100.00	1000.00	
37	2025_UAD_439533_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	42	सामान्य	351000.00	35100.00	1000.00	
38	2025_UAD_439534_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	43	सामान्य	351000.00	35100.00	1000.00	
39	2025_UAD_439535_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	44	अन्य पिछड़ा वर्ग	351000.00	35100.00	1000.00	
40	2025_UAD_439536_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	45	सामान्य	351000.00	35100.00	1000.00	
41	2025_UAD_439537_1	वार्ड क्र. 10 गल्ला मण्डी के सामने (प्रथम-तल)	10.05	46	सामान्य	351000.00	35100.00	1000.00	

दुकान की निम्न शर्ते कार्यालयीन समय में राजस्व शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद गोविन्दगढ़

एक घंटे की मूसलाधार बारिश से सड़कें बनी तलैया

जागरण वर्षा

शहर के सम्राट चौक, अस्पताल तिराहा समेत अन्य सड़कों में घंटों रहा जलभराव

झमाझम बारिश से फिर उफान पर आये नदी-नाले

जागरण, सीधी

जिले में आज सुबह करीब एक घंटे की मूसलाधार बारिश ने लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी। शहर में शहर के सम्राट चौकए अस्पताल तिराहा समेत अन्य सड़कों में भरी जल भराव होने से सड़कें तलैया बनी रही। घंटों यहां जल भराव रहने से आवागमन प्रभावित रहा गनीमत यह रही चार घंटे बारिश थमी रही लेकिन दोपहर 2 बजे से फिर बारिश का दौर शुरू हो गया जो तीन घंटे तक चली। बारिश कुछ समय के लिए धीमी तो होती रही लेकिन बंद न होने से लोग परेशान होते रहे। आकाश में उड़ते बादलों ने बारिश से कुछ समय तक लोगों को दोपहर में राहत प्रदान की। झमाझम बारिश होने से नदी.नाले फिर उफान पर आ गये। कई ग्रामीण क्षेत्रों का मुख्य मार्ग से संपर्क कटने का खतरा बढ़ चुका है। लगातार बारिश होने से नदी.नालों का जल स्तर काफी तेजी के साथ बढ़ने लगा है। जिसके चलते मुख्य मार्गो में भी नदी पुल के नीचे लगातार जल स्तर बढ़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में काफी संख्या में ऐसे नदी.नाले है जिसमें पानी पुल के ऊपर से गुजरने के कारण आवागमन बाधित होने की खबरें हैं। भारी बारिश के जारी रहने से जनजीवन अस्त .व्यस्त हो गया। रोजमर्रा के काम के सिलसिले में घर से बाहर निकले लोगों की बारिश ने मुसीबतें बढ़ाई । स्कूली छात्र .छात्राऐं भी बारिश में भीगते नजर आए। बहरी.अमिलिया मार्ग में स्थित सोन नदी के जोगदहा पुल के नीचे भी जल स्तर तेजी के साथ बढ़ता जा रहा है। यहां भारी वाहनों की आवाजाही पर पूर्व से ही प्रतिबंध लगा हुआ है। दो पहिया वाहनों को निकलने की ही अनुमति है (सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये पुलों पर पुलिस की तैनाती की गई है। जिससे कोई भी वाहन खतरे के बीच पुल को पार न कर सके। बताते चलें कि सावन मास के आगाज के साथ ही तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। सावन के आगाज से ही बादल पूरी तरह से मेहरबान दिखे रहे हैं।सीधी जिले में झमाझम बारिश का दौर आज सुबह फिर दोपहर बाद भी चलता रहा। फिलहाल मौसम के रुख को देखकर आभास हो रहा है कि तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। जिले भर में घने बादलों का जमावड़ा बना है और जमकर बरस रहे हैं ।

निचले इलाकों में जल भराव की स्थिति

तेज बारिश सुबह एक घंटे होने से सीधी शहर के निचले इलाकों में जल भराव की स्थिति निर्मित रही। शहर के मिश्रा कालोनी, धनहवा टोला, कोटहा, इंद्रानगर, इंद्रप्रस्थ नगर, पटेलपुल, मड़रिया, उत्तरी करौंदिया, नूतन कालोनी आदि के कई क्षेत्रों में जल भराव होने से लोग परेशान नजर आए। कुछ क्षेत्रों में तो नालियों के जाम रहने से गंदा पानी और मलवा सड़कों में बहता नजर आया। आकाश में छाए घने बादलों के चलते रात में भी तेज बारिश होने के आसार नजर आ रहे हैं। इसी वजह से लोगों की चिंता बढ़ी हुई है कि रात में यदि तेज बारिश हुई तो किसी तरह की अनहोनी न हो जाए।

गोपद नदी उफान पर, आवागवन प्रभावित

जागरण, सीधी। जिले में लगातार बारिश से आवागमन बाधित हो गया है। यहां तक कि गोपद नदी उफान पर है जिससे भुईमाड़ थाना क्षेत्र के सोनगढ़ क्षेत्र स्थित गोपद नदी के खर्रा घाट पुल पर अचानक जलस्तर बढ़ने से पुल के ऊपर से पानी बहने लगा। यह स्थिति सुबह लगभग 10 बजे उत्पन्न हुई, जिससे करीब दो घंटे तक क्षेत्रीय आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया। इस दौरान पुल के दोनों ओर वाहनों और राहगीरों की लंबी कतारें लग गईं। गौरतलब है कि यह पुल भुईमाड़ क्षेत्र के लगभग छह पंचायतों के करीब 15 हजार लोगों के लिए मुख्य संपर्क मार्ग है। क्षेत्रवासी इसी पुल के माध्यम से तहसील मुख्यालय कुशमी, जिला मुख्यालय सीधी और सिंगरौली जिले के सरई व अन्य कस्बों तक पहुंचते हैं। स्कूली बच्चों, कर्मचारियों और खरीदी-बिक्री के लिए आने-जाने वाले आमजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालात की गंभीरता को देखते हुए भुईमाड़ पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा की दृष्टि से आवागमन पर रोक लगाई। पुलिसकर्मी लगातार लोगों को समझाइश देते नजर आए कि जलस्तर कम होने तक पुल पार न करें। करीब दो घंटे बाद जब पानी का बहाव कम हुआ, तब जाकर आवाजाही बहाल हो सकी।

नगर परिषद रामपुर नैकिन अध्यक्ष ने वार्ड 7 में 251 पेंड़ों का किया रोपण

एक पेंड़ मां के नाम के तहत किया गया पौधरोपण

जागरण, सीधी

नगर परिषद रामपुर नैकिन वार्ड 7 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रेरित एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 251 पेड़ का पौधरोपण रामकुमार साहू अध्यक्ष नगर परिषद रामपुर नैकिन द्वारा किया गया। इस दौरान सभी अतिथियों को श्रीफल से सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर एसडीएम चुरहट शैलेन्द्र द्विवेदी, तहसीलदार आशीष मिश्रा, नगर निरीक्षक सुधांशू तिवारी सीएम रईस स्कूल के प्राचार्य बद्री त्रिपाठी, सीएमओ बीएल साकेत, पार्षद रवि साकेत, वरिष्ठ नेता मथुरा गुप्ता, भाजपा उपाध्यक्ष नारायण पाण्डेय, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मनीष गौतम, राजेश मिश्रा, राजा आशीष तिवारी, डिप्टी जंगल विभाग राजेंद्र यादव, विष्णु पाण्डेय लाला, उपयंत्री शशि कोरी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान वृक्ष को सुरक्षित करने के लिए शपथ आशुतोष द्विवेदी आशू द्वारा कराया गया।

शहर/ग्रामीण अंचल की खबरें

सर्प दंश को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जागरण, सीधी। उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 सीधी में वन विभाग सीधी एवं प्रणाम नर्मदा युवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में 25 जुलाई को सर्प दंश जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सर्पों से संबंधित सही जानकारी प्रदान करना और सर्पदंश की स्थिति में उचित प्राथमिक उपचार के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यक्रम में वन विभाग सीधी के सर्प मित्र पंकज मिश्रा तथा प्रणाम नर्मदा युवा संघ के सक्रिय सदस्य विवेक मिश्रा ने छात्रों और शिक्षकों के बीच सर्पों की पहचान, सर्पदंश की पहचान तथा आपात स्थिति में किए जाने वाले प्राथमिक उपचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने सर्पों से जुड़ी आम भ्रांतियों को दूर करते हुए छात्रों को यह समझाया कि सभी सर्प विषैले नहीं होते और घबराने की बजाय सही जानकारी व सतर्कता के साथ कार्य करना चाहिए साथ ही समय पर अस्पताल पहुंचना चाहिए। छात्रों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और विषय से संबंधित अनेक प्रश्न पूंछे। शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में न केवल जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाते हैं, बल्कि आपात स्थिति में वे सही निर्णय लेने के लिए भी तैयार होते हैं। विद्यालय प्रबंधन ने वन विभाग एवं प्रणाम नर्मदा युवा संघ के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षिक एवं जनहितकारी कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा जताई।

हरियाली अमावस्या भजन एवं कजरी का हुआ आयोजन

जागरण, सीधी। घर बने मंदिर थीम पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय दिव्यज्योति धाम में 24 जुलाई गुरुवार को सभी मातृ शक्तियों ने पीले वस्त्र पहनकर हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य मे ब्रह्मकुमारीज एवं आयुष्मान कला समिति महिला प्रभाग के संयुक्त तत्वाधान में कजली, भजन, सावन गीत एवं मेडिटेशन का कार्यक्रम बड़े ही उल्लास और भक्ति भाव से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में घर को मंदिर जैसा बनाने के लिए विचार रखा गया, घर को सबसे बड़ा आश्रम कहा जाता है, गृहस्थ आश्रम उसकी खोई हुई पहचान फिर से लौटने के लिए, मकान को घर, घर को आश्रम और गृहस्थ आश्रम को मंदिर बनाने की आवश्यकता है। तब हमें किसी मंदिर या आश्रम नहीं जाना पड़ेगा और एक दिन ये सारा भारत ही शिवालय होगा। इसके लिए ईश्वरीय ज्ञान एवं राजयोग मेडिटेशन का प्रयोग अपने जीवन में अपनाना होगा। क्योकि बिना आध्यात्मिक ज्ञान व संस्कार के गृहस्थी को गृहस्थ आश्रम की ऊंचाई पर नहीं लाया जा सकता। जब मन में प्रेम, उपकार, धीरज, सहयोग और प्रभु स्नेह का अनुभव होता रहता है तो परिवार में मंदिर सा आनंद हर पल है। कार्यक्रम के अंत में भगवान गणेश एवं शिव जी की आरती हुई और प्रसाद वितरण, मेहंदी वितरण के बाद सभी ने एक-दूसरे को हरियाली अमावस्या के उपलक्ष में एक पेड़ मां के नाम, कनेर, मीठी नीम आदि का वृक्षारोपण कर एक दूसरे को बधाई देते हुए अपने घर को प्रस्थान की।

नशे के खिलाफ पूजा पार्क में हुआ जागरुकता कार्यक्रम

जागरण, सीधी। संचालनालय खेल और युवा कल्याण मध्य प्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा स्वस्थ एवं नशा मुक्ति समाज के निर्माण हेतु 15 से 30 जुलाई 2025 तक नशे से दूरी है जरूरी नाम से नशा जन जागृति अभियान पूरे मध्य प्रदेश में चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन पुलिस विभाग एवं अन्य विभागों के सहयोग से नशा मुक्ति जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में खेल एवं युवा कल्याण विभाग सीधी द्वारा दिनांक 29 जुलाई 2025 को पूजा पार्क सीधी में सायं 4 बजे युवाओं को खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करने तथा नशे से दूर रखने हेतु जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। अरविंद श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीधी द्वारा नशे से दूरी है जरूरी अभियान कार्यक्रम में अधिक से अधिक युवाओं खिलाड़ियों, खेल संघ के पदाधिकारी, प्रशिक्षक, विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है।

सचिव/जीआरएस को पंचायतों में रहने सीईओ ने दिए निर्देश

जागरण, मझौली। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी धनंजय मिश्रा ने अतिरिक्त प्रभार के रूप में मझौली जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का कमान संभालते ही। लोगों की परेशानी व भटकाव को दृष्टिगत रखते हुए। कर्तव्य दायित्व का निर्भर ना करते हुए मनमानी पूर्ण रवैया से काम करने वाले सचिवो व रोजगार सहायकों को नियमित रूप से ग्राम पंचायत कार्यालय में उपस्थित रहकर कर्तव्य दायित्व का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने निर्देशित किया गया है। अन्यथा की स्थिति में आवश्यक अनुशासनात्मक कार्यवाही किए जाने की चेतावनी दी गई है। जनपद पंचायत कार्यालय मझौली के जारी पत्र क्रमांक 202/ज.पं./2025 दिनांक 25 जुलाई 2025 में प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जारी पत्र क्रमांक/प.राज/ पंचायत/2020/617 भोपाल दिनांक 5 दिसंबर 2020 का हवाला देते हुए लेख किया गया है कि ग्राम पंचायतों में निवासरत ग्राम वासियों के समस्याओं का निराकरण करने एवं लोगों को अनावश्यक रूप से जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत का चक्कर न लगाना पड़े। आवश्यक है कि ग्राम पंचायत कार्यालय को नियमित रूप से खुले रखकर निर्धारित वार को पंचायत मुख्यालय में उपस्थित रहकर जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण करें। खासकर प्रत्येक सप्ताह के सोमवार व गुरुवार को बगैर अधोहस्ताक्षर कर्ता के अनुमत के मुख्यालय में उपस्थित रहना सुनिश्चित करें अन्यथा की स्थिति में आवश्यक अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

जन सहयोग के लिए प्रदेश की जनता का आभार: देवेंद्र

देवेंद्र सिंह दादू ने युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष चुनाव होते ही सभी को दिया धन्यवाद

जागरण, सीधी

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद का चुनाव जैसे ही संपन्न हुआ, सीधी जिले के युवा कांग्रेस नेता देवेंद्र सिंह दादू ने अपने समर्थकों, सहयोगियों, शुभ चिंतकों और समस्त कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव युवाओं की शक्ति और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी सहभागिता का प्रतीक है। देवेंद्र सिंह दादू ने अपने वक्तव्य में कहा मैं समस्त कांग्रेसजनों, मेरे शुभचिंतकों, मित्रों और उन सभी लोगों का दिल से धन्यवाद करता हूं जिन्होंने इस पूरे चुनावी प्रक्रिया में किसी भी रूप में मेरा समर्थन किया। हम सभी का उद्देश्य एक ही है। युवा कांग्रेस को मजबूत बनाना और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना। उन्होंने यह भी कहा कि चाहे परिणाम जो भी हो, वह पार्टी और संगठन के लिए निष्ठा से कार्य करते रहेंगे और युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाते रहेंगे। दादू ने युवाओं से अपील की कि वे राजनीति को सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम मानते हुए सक्रिय भूमिका निभाएं। मैंने सदैव सामाजिक मुद्दों को उठाया है। समाज के बीच में रहकर कार्य किया और सामाजिक कार्यों में कई वर्षों से संघर्षरत हूं। जनता की लड़ाई लड़ना ही मेरा परम कर्तव्य है और पार्टी के प्रति निष्ठावान और समर्पण के साथ निरंतर कार्य करना एवं क्षेत्र के विकास में अपना अतुल्य योगदान देना ही महत्वपूर्ण लक्ष्य है। इस चुनाव में मैंने प्रदेश स्तर पर अपनी दावेदारी पेश की है और संघर्ष किया है इस संघर्ष में जिन्होंने मेरा साथ दिया, मुझे आशीर्वाद प्रदान किया और मुझे प्रेरित किया कि मैं आगे बढ़कर जनता की सेवा कर सकूं उन सभी को पुनः धन्यवाद, मैं परिणाम की चिंता नहीं करता लेकिन संघर्ष करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करना मैं अपने जीवन में सीखा है और उसी के लिए मैं हमेशा प्रयासरत रहूंगा।

8 लाख का ट्रैक्टर मय कल्टीवेटर किया गया बरामद

मड़वास पुलिस को ट्रैक्टर चोरी के प्रकरण में मिली बड़ी सफलता

जागरण, सीधी

पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव एवं एसडीओपी कुशमी/चुरहट आशुतोष द्विवेदी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी मड़वास उनि. भूपेश बैस के नेतृत्व में मड़वास पुलिस द्वारा वाहन चोरी के एक गंभीर प्रकरण में महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की गई है। दिनांक 30 जून 2025 को फरियादी राजकुमार सिंह बालेन्दु पिता देवेन्द्र बहादुर सिंह बालेन्दु उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम मडवास द्वारा थाना मडवास में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उन्होंने अपने घर के सामने महिन्द्रा कंपनी का नया लाल रंग का ट्रैक्टर बिना नंबर मय कल्टीवेटर खड़ा किया था, जिसे रात्रि 1 से 4 बजे के बीच किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया। इस रिपोर्ट पर थाना मडवास में अपराध क्रमांक 110/2025 धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि उक्त चोरी गया ट्रैक्टर ग्राम पडरी, थाना चितरंगी, जिला सिंगरौली में मिथिलेश कुमार जैसवाल उर्फ छोटू पिता कामता जैसवाल के पास है, जो ट्रैक्टर चला रहा है। प्राप्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए थाना प्रभारी मडवास उप निरीक्षक भूपेश बैस के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा तत्काल दबिश दी गई। पुलिस टीम के पहुंचने की भनक लगते ही आरोपी अंधेरे, बारिश एवं कीचड़ का लाभ उठाकर चोरी किए गए ट्रैक्टर सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस टीम द्वारा लगातार तलाश जारी रखी गई। तत्पश्चात दिनांक 24 जुलाई 2025 को थाना बहरी, जिला सीधी रोड पर एक लाल रंग का नया महिन्द्रा ट्रैक्टर पंचर हालत में लावारिस अवस्था में खड़ा पाया गया। आरोपी मौके से फरार था। मडवास पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर उक्त ट्रैक्टर मय कल्टीवेटर, जिसकी अनुमानित कीमत 8 लाख रुपए है, को बरामद कर थाना परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है। उक्त कार्यवाही में उनि भूपेश बैस थाना प्रभारी मडवास, उनि रघुबीर सिंह, सउनि संजय सोनी, प्रआर पुष्पेन्द्र सिंह, आरक्षक राहुल गिरवाल की सराहनीय भूमिका रही।

हृदय गति रुकने से पंडित राम राज शुक्ला की मृत्यु

जागरण, मझौली। जिले के मझौली ब्लाक निवासी शिक्षाविद सेवा निवृत्त कन्या विद्यालय मझौली के प्राचार्य एव बीआरसीसी एवं समाजसेवी जिन्होंने विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष के पद पर रहते हुए जिले के हिन्दू समाज को जागृत कर संगठित कर हर वर्ग समुदाय के समाज में अपनी अलग छाप छोड़ वाले पंडित रामराज शुक्ल जो सेवा निवृत्त कलेक्टर रामानंद शुक्ल एवं मझौली अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष सुधीन्द्र शुक्ल के सगे भाई हैं। उनकी मृत्यु हृदय गति रुक जाने के कारण रीवा के सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल में उपचार के दौरान विगत 24 जुलाई 2025 को शाम करीब 7-8 बजे हो गई। जिनके पार्थिव शरीर को देर रात्रि ग्रह ग्राम मझौली पांड लाया गया था। जिनका अंतिम संस्कार कल 25 जुलाई को किया गया। बता दें कि मृतक श्री शुक्ला के परिवार के अधिकांश लोग नौकरी पेसे में है जो गृह जिले संभाग एवं प्रदेश से बाहर पदस्थ है।

नशे के खिलाफ जनजागृति अभियान 29 को

खेल, युवा कल्याण विभाग के नेतृत्व में पूजा पार्क में होगा आयोजन

जागरण, सीधी

संचालनालय खेल और युवा कल्याण मध्य प्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा स्वस्थ एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु 15 से 30 जुलाई 2025 तक नशे से दूरी है जरूरी नाम से नशा जन जागृति अभियान पूरे मध्य प्रदेश में चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन पुलिस विभाग एवं अन्य विभागों के सहयोग से नशा मुक्ति जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में खेल एवं युवा कल्याण विभाग सीधी द्वारा दिनांक 29 जुलाई 2025 को पूजा पार्क सीधी में सायं 4 बजे युवाओं को खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करने तथा नशे से दूर रखने हेतु जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। अरविंद श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीधी द्वारा नशे से दूरी है जरूरी अभियान कार्यक्रम में अधिक से अधिक युवाओं खिलाड़ियों खेल संघ के पदाधिकारी प्रशिक्षक विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है।

जिले में औसत वर्षा 783.9 मि.मी. दर्ज

जागरण, सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 25 जुलाई को सीधी जिले में 3.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.5 मि.मी., चुरहट 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 2.6 मि.मी., सिहावल में 32.6 मि.मी., बहरी में 2.0 मि.मी., मझौली में 6.0 मि.मी. और कुसमी में 16.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 783.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 1 जून से 25 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 890.2 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 660.5, चुरहट में 662.0, गोपद बनास में 706.6, बहरी में 878.7, मझौली में 887.0 मि.मी. और कुसमी में 802.5 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 308.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 475.3 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

वृक्ष मित्र अभियान के तहत हुआ पौधरोपण

जागरण, सीधी। जिला मुख्यालय के समीपस्थ आदर्श ग्राम पंचायत रामगढ़ नम्बर 2 में 11 जुलाई से चल रहे ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति रामगढ़ नम्बर 2 द्वारा वृक्ष मित्र अभियान तहत अभियान के 15वें दिवस शुभम सिंह चौहान के खेत में आम, आंवला, कटहल, नींबू, अमरूद सहित अन्य दर्शन भर फलदार पौधों का रोपण किया गया। वृक्ष मित्र अभियान के संयोजक एवं अध्यक्ष अमित कुमार गौतम स्वतंत्र ने बताया कि यह अभियान 29 दिवस तक चलेगा और 8 अगस्त को इसका समापन किया जाएगा। श्री स्वतंत्र ने बताया कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् के निर्देशन पर 27 जुलाई को रामगढ़ नम्बर 2 में हरियाली तीज पर महिलाओं को सैकड़ों संख्या में पौधों का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण हेतु रैली और जन जागरूकता हेतु कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें स्थानीय ग्रामीण जन के साथ-साथ आस पास गांव व शहर के नागरिकों की सहभागिता रहेगी। ग्राम पंचायत सरपंच शिवटहल कोल ने वृक्ष मित्र अभियान की सराहना करते हुए कहा कि फलदार पौधों की एक बगिया का निर्माण कराया जाएगा जिसमें गांव के दिगंवत आत्माओं व व्यक्तियों के स्मृति में एक-एक पौधों का रोपण होगा, जिससे गांव और समाज में एक सामाजिक एवं स्वैच्छिक सहभागिता सुनिश्चित होगी। यह बगिया हमारे गांव के पूर्वजों के लिए समर्पित होगी। इस दौरान मुख्य रूप से वन समिति रामगढ़ के अध्यक्ष शुभम सिंह चौहान, संयोजक अमित गौतम स्वतंत्र, पर्यावरण प्रेमी उत्तम सिंह चौहान, श्रीमती पूजा पाण्डेय परामर्श दाता जन अभियान परिषद्, सरपंच शिवटहल कोल, किसन कुशवाहा, छोटू विश्वकर्मा, गायत्री सिंह चौहान सहित अन्य पर्यावरण प्रेमी के रूप में स्थानीय ग्रामीणजन उपस्थिति रहे।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

बाढ़ जनित आपदा से बचने के उपाय करना जरूरी

> तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार-बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है।

हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों में अतिवृष्टि और बादल फटने की घटनाओं में जिस तेजी से पुनरावृत्ति हुई है, उसे मौसम के चरम के रूप में देखे जाने की जरूरत है। हालांकि, तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार-बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है। निस्संदेह, इन कारणों की पड़ताल के लिए विषय विशेषज्ञों की सहायता लेना भी जरूरी है। बाढ़ के कारण और नुकसान से बचने के उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों में नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने की जांच, नियमित मौसम अपडेट देना और नदी-नालों से कम से कम सौ मीटर की दूरी पर घरों का निर्माण करना शामिल है। लेकिन इसके प्रभावी लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकते हैं जब इस बाबत किसी ठोस योजना को अमलीजामा पहनाया जाए और साथ ही नीतियों के क्रियान्वयन की समय सीमा निश्चित की जाए। निश्चित रूप से मौजूदा संकट को देखते हुए युद्धस्तर पर काम करने की जरूरत है। वह समय चला गया जब सरसरे आदेश दिये जाते और सिफारिशें की जाती थीं। कानूनों और नियमों की अनदेखी के खिलाफ सभी एजेंसियों को तालमेल बैठाकर इस दिशा में अभियान चलाने की जरूरत है। वनों की अवैध कटाई, अनियोजित निर्माण और अवैज्ञानिक विकास प्रथाओं पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। इसके लिये सरकारी मशीनरी को मिशन मोड में काम करने की जरूरत होगी। जिसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। भले ही राज्य की सत्ता में दो दलों का वर्चस्व हो और उनकी विचारधाराओं में टकराव रहा हो, लेकिन इस मुद्दे पर एकजुट होकर संकट का मुकाबला करने की जरूरत है। निश्चय ही हाल के वर्षों में पहाड़ विरोधी विकास ने हिमालयी राज्यों की अस्मिता को आहत किया है। हिमालयी राज्यों में लोग पहाड़ों के मूल चरित्र में हस्तक्षेप करने वाले विकास की विसंगतियों की कीमत चुके रहे हैं। अब चाहे बड़े बांध हों या फोर लेन सड़के हों। भूस्खलन की लगातार बढ़ती घटनाएं और दरकती सड़कें इसकी बानगी मात्र हैं। कुल मिलाकर पहाड़ों के अस्तित्व पर संकट बढ़ा है। निस्संदेह, मौजूदा रणनीति और नीतियां इस संकट से निबटने में सक्षम नहीं हैं। सत्ता में बैठे लोगों के लिये जरूरी है कि वे मौसम विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और क्षेत्र के अनुभवी लोगों से राय लें। साथ ही तकनीकी समाधानों को वरीयता दी जाए। समय आ गया है कि हम एक बार फिर से पहाड़ों के अनुरूप जीवन शैली को अपनाएं। पहाड़ हमारी आवश्यकता तो पूरी कर सकते हैं, लेकिन वे इंसान की विलासिता का बोझ सहन करने को तैयार नहीं हैं। नदियों में होने वाले अवैध खनन को रोकना भी उतना जरूरी है, जितना जंगलों का कटान रोकना जरूरी है। पहाड़ों को हरीतिमा से ढकना होगा जो भूस्खलन व मिट्टी के कटाव को रोकने में सक्षम हो। साथ ही नदियों के स्वाभाविक प्रवाह को बाधित करने वाले कारकों को दूर करने की भी जरूरत है। दरअसल, नदियां अधिक जल प्रवाह होने पर हमेशा अपने विस्तार क्षेत्र को ही तलाशती हैं।

साइबर अपराधियों को उम्रकैद या मृत्यु दंड देने की आवश्यकता

अपराध और दंड

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

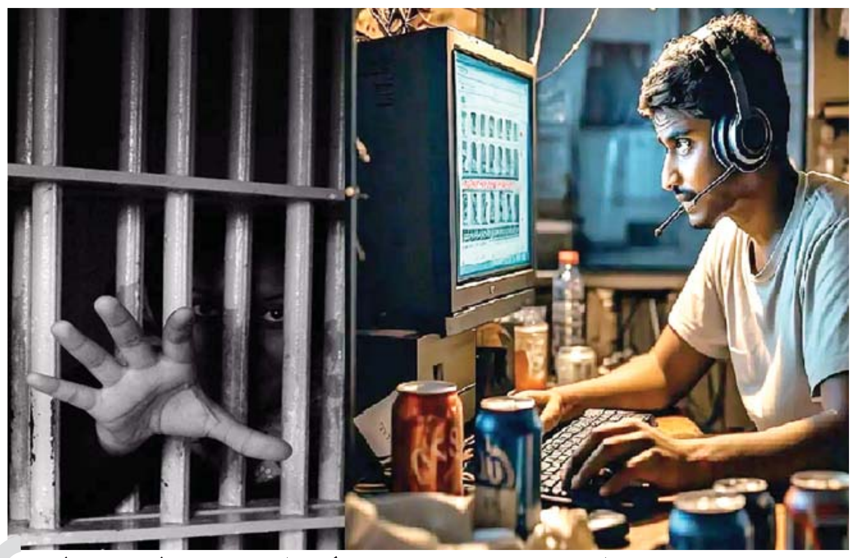

> देशभर में 2023 के दौरान साइबर अपराध के जरिए 7,465 करोड़ रुपये की ठगी हुई थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 206 प्रतिशत की उछाल के साथ 22,845 करोड़ तक पहुंच गया था। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम (सीएफसीएफआरएमएस) पर 2024 में कुल 36.40 लाख वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज की गई हैं।

किसी भी व्यक्ति के जीवन भर की पूंजी को एक धोखे से छीन लेना वास्तव में यह उसके जीवन के साथ सिर्फ एक छलावा नहीं, उसे जीते जी मार देना है। ऐसे में अपराधियों को कुछ सालों का कारावास या अर्थदण्ड नहीं बल्कि उसे जब तक वह जीवित रहे, सलाखों के पीछे जीवन बिताए, यह सजा दी जानी चाहिए। यह सख्ती इसलिए भी जरूरी है ताकि फिर वह कभी किसी दूसरे के साथ धोखा न कर सके। वस्तुतः भारत में साइबर फ्रॉड के आंकड़े आज आम जन को बहुत डरा रहे हैं, इसलिए ही यह बात यहां कही जा रही है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से यह ध्यान में आया है कि देशभर में 2023 के दौरान साइबर अपराध के जरिए 7,465 करोड़ रुपये की ठगी हुई थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 206 प्रतिशत की उछाल के साथ 22,845 करोड़ तक पहुंच गया था।

नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम (सीएफसीएफआरएमएस) पर 2024 में कुल 36.40 लाख वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज की गई हैं। कहना होगा कि यह आंकड़ा 2023 में दर्ज 24.4 लाख मामलों से कहीं अधिक है और यह तब है जब भारत में साइबर अपराधों से निपटने के लिए सख्त कानून मौजूद हैं। ये कानून मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत लागू होते हैं। जिसमें कि धाराएं 419, 420, 468, 469 आदि भी साइबर अपराधों में लागू की गई हैं।

गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने लोकसभा में जानकारी में बताया है कि 2024 में 22.7 लाख साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज हुईं, जबकि 2023 में यह संख्या 15.9 लाख थी। यानी एक साल में साइबर क्राइम में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। स्वभाविक तौर पर यह देशभर में आमजन के लिए चिंता का विषय है। हालांकि सरकार ने इस चुनौती से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम की मदद से अब तक 17.8 लाख शिकायतों के आधार पर लगभग 5,489 करोड़ रुपए की रकम को धोखाधड़ी से बचाया जा चुका है। दूसरी ओर पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार ने 9.42 लाख से अधिक सिमकार्ड और 2,63,348 मोबाइल आईएमईआई को ब्लॉक किया है और अब तक 10,599 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार भी किया है, किंतु इसके बाद भी ये साइबर अपराध हैं कि कम होने का नाम नहीं ले रहे। गहन विचार करेंगे तो ध्यान में आएगा कि आखिर ऐसा क्यों है वस्तुत : इसके पीछे जो सबसे बड़ा कारण दिखाई देता है, वह अपराधियों को प्रायः सख्त और आजीवन मिलने वाली सजा की कमी का होना है। साइबर अपराधों के लिए देश में संभवतः पहली बार इसी साल और इसी माह जुलाई में एक निचली अदालत का निर्णय देखने को मिला है, जिसमें कि नौ साइबर अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। इन्होंने डिजिटल गिरफ्तारी की धमकी देकर कई करोड़ रुपये की उगाही की थी। अदालत ने इस अपराध को आर्थिक आतंकवाद से कम नहीं माना। महाराष्ट्र, हरियाणा और गुजरात से गिरफ्तार किए गए इन नौ दोषियों में एक महिला भी है, जिन्होंने पूरे भारत में 108 लोगों को धोखा देकर 100 करोड़ रुपये जमा किए। कल्याणी के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुबर्ती सरकार, ने उन्हें बीएनएस 338 के तहत आजीवन कारावास और बीएनएस तथा आईटी अधिनियमों के तहत 10 अन्य दंडनीय अपराधों में सजा सुनाई है। इसके अलावा देखें तो आतंकवाद के प्रकरणों में अनीस शकील अंसारी जोकि एक कंप्यूटर इंजीनियर है को मुंबई न्यायालय द्वारा अक्टूबर 2022 में आईटी एक्ट धारा66 एफ (साइबर आतंकवाद) और तत्कालीन आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। यह एक अमेरिकी स्कूल पर हमले की साजिश जिसे आईएसआईएस ने रची थी में सक्रिय पाया गया। देश की सुरक्षा से जुड़े एक अन्य प्रकरण में नागपुर जिला अदालत ने 3 जून 2024 को पूर्व ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंजीनियर निशांत अग्रवाल को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) को संवेदनशील जानकारी लीक करने के आरोप में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। पिछले दो वर्ष वर्ष 2023 एवं 2024 का तुलनात्मक आंकड़ा हमारे सामने हैं ही। जिसमें साफ दिखता है कि 36.40 लाख वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतें पिछले साल आईं किंतु सजा यदि देखें तो आजीवन कारावास 2024 में सिर्फ एक को ही हो सका। वहीं, इस साल भी सिर्फ एक मामले में साइबर फ्रॉड के लिए आजीवन कारावास की सज़ा दी जा सकी है। कुल मिलाकर देखें तो आंकड़े बताते हैं कि साइबर अपराध करने के बाद प्रायः अपराधी लम्बे समय तक जेलों में नहीं रहते, वे अक्सर आर्थिक दंड देने के साथ कम समय की सजा पाकर छूट जाते हैं। कई बार साक्ष्यों के आधार पर और कई बार नाबालिग होने की स्थीति में यह छोड़ दिए जाते हैं जिसमें कि अक्सर बाहर आकर ज्यादातर अपराधी फिर से साइबर धोखाधड़ी करते हैं। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि एक तरफ देश का हर व्यक्ति साइबर विशेषज्ञों और सरकार द्वारा सुझाए गए सुरक्षा उपायों को व्यवहार में अपनाए तो दूसरी ओर यह भी आवश्यक है कि कानूनों को भी अत्यधिक सख्त बनाया जाए। किसी की भी जीवन भर की कमाई उड़ा देने वालों को इतनी आसानी से नहीं छोड़ा जा सकता, जैसा कि ये अभी ज्यादातर बचकर बाहर आ जा रहे हैं। कहना होगा कि लोकसभा में इससे जुड़े आंकड़े प्रस्तुत करने भर से इस समस्या की चिंताओं से निजात नहीं पाई जा सकती है, इसके लिए व्यवहार में कठोर कदम उठाए जाने की वर्तमान में अत्यधिक आवश्यकता है। जिस पर केंद्र सरकार को गहराई से गौर करना चाहिए।

वक्त है कि पुलिस समय के अनुरूप और प्रभावी बने

बदलाव की दरकार

ओपी सिंह

> पुलिस सुधार इसलिए भी जरूरी है, ताकि इसे बदलते समय के अनुरूप और प्रभावी बनाया जा सके। अब पुलिस को नागरिकों के भीतर विश्वास जगाना होगा। यह विश्वास तभी बनेगा, जब पुलिस अपनी भूमिका को केवल बल प्रयोग करने वाली संस्था के बजाय समाज के साथ संवाद और सहयोग करने वाली संस्था के रूप में पुनर्परिभाषित करेगी।

भारतीय पुलिस को लेकर आम जनमानस में मिश्रित धारणा है। जब कोई संकट आता है—दंगा हो, सड़क दुर्घटना, चोरी या प्राकृतिक आपदा हो, तो सबसे पहले जो संस्था पहुंचती है, वह पुलिस होती है। तमाम सीमाओं और दबावों के बीच पुलिस ने इस देश में व्यवस्था को संभाले रखा है। न उसकी ड्यूटी का समय तय है, न कार्य का स्वरूप...फिर भी वह हर परिस्थिति में तैयार खड़ी रहती है। सप्ताह के सातों दिन...साल के 365 दिन। भारतीय पुलिस को यह क्षमता किसी चमत्कार से नहीं मिली, बल्कि एक अनुशासित संस्कृति, परिणामोन्मुख सोच और स्थितियों से जूझने के अभ्यास ने यह बनाया है।

सवाल यह है कि क्या यही पर्याप्त है? क्या पुलिस केवल संकट से निपटने के लिए बनी है? क्या उसे केवल घटना के बाद कार्रवाई करने वाली व्यवस्था बने रहना चाहिए? इसका उत्तर अब 'नहीं' में है, क्योंकि देश बदल रहा है, अपराध बदल रहे हैं, नागरिकों की अपेक्षाएं और अधिकार-चेतना भी कहीं अधिक स्पष्ट और मुखर हो गई है। अब सिर्फ व्यवस्था बनाए रखना काफी नहीं है। अब पुलिस को नागरिकों के भीतर विश्वास जगाना होगा। यह विश्वास तभी बनेगा, जब पुलिस अपनी भूमिका को केवल बल प्रयोग करने वाली संस्था के बजाय समाज के साथ संवाद और सहयोग करने वाली संस्था के रूप में पुनर्परिभाषित करेगी।

आज भी अधिकतर नागरिक पुलिस से बचना पसंद करते हैं। यह दूरी किसी कानून की वजह से नहीं, बल्कि अनुभव और पूर्वाग्रह की वजह से है। अगर लोगों को लगे कि पुलिस उनकी बात सुनती है, मदद करती है और बिना भय के उनसे संवाद किया जा सकता है, तो यह रिश्ता बदलेगा। इसके लिए थानों से बदलाव की शुरुआत करनी होगी। थाने सिर्फ एफआईआर लिखने या गिरफ्तारी करने के स्थान नहीं होने चाहिए। उन्हें मोहल्ले का समस्या समाधान केंद्र बनना होगा। एक ऐसा स्थान, जहां कोई भी नागरिक बेहिचक जाकर मदद मांग सके।

पुलिस में एक और बुनियादी बदलाव जरूरी है, अपराध और अपराधियों को समझने के नजरिये में। हर अपराधी एक जैसा नहीं होता। बहुत से लोग परिस्थितियों से मजबूर होकर अपराध की ओर धकेले जाते हैं। कोई गरीबी में, कोई अशिक्षा में, तो कोई गलत संगति में। ऐसे मामलों में सुधार और पुनर्वास की नीति अपनाई जानी चाहिए, न कि जेल की। जो अपराधी सचमुच समाज के लिए खतरा हैं, उनके साथ कठोरता उचित है, लेकिन बाकी के लिए सुधार की संभावना को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

यह भी समझना होगा कि आज का अपराधी पुरानी सोच वाला नहीं है। वह तकनीक से लैस है, कानून की सीमाओं को जानता है और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करता है। आज साइबर क्राइम, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल मीडिया के जरिये उकसावों जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। इनसे निपटने के लिए पुलिस को भी भविष्य की सोच और तकनीकी दक्षता से लैस होना होगा। हर जिले में अपराध विश्लेषण, डाटा आधारित फैसले और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य की जानी चाहिए।

एक और अहम पक्ष है संवाद का। अक्सर पुलिस अपने काम की जानकारी जनता तक पहुंचाने में पीछे रह जाती है। जहां अफवाहें तेजी से फैलती हैं, वहां चुप्पी नुकसान करती है। पुलिस को अब अपने पक्ष को स्पष्ट, संवेदनशील और समय पर जनता तक पहुंचाना आना चाहिए। इसके लिए हर जिले में प्रशिक्षित जनसंपर्क अधिकारी होने चाहिए, जो न केवल मीडिया से संवाद करें, बल्कि सोशल मीडिया और जन मंचों पर भी पुलिस की बात रख सकें।

सबसे जरूरी यह समझना है कि पुलिस सुधार की मांग इसलिए नहीं हो रही है कि पुलिस अपने कार्य में विफल हो रही है, बल्कि यह इसलिए है कि पुलिस अब भी सफलतापूर्वक काम कर रही है, लेकिन उसे बदलते समय के साथ और भी प्रभावी बनाया जा सकता है। सुधार की प्रक्रिया संकट से नहीं, साहसिक सोच और दूरदृष्टि से शुरू होती है। जब कोई संस्था अब भी खड़ी हो, पर दबाव महसूस करने लगे, तभी सही समय होता है आत्ममंथन और नव निर्माण का।

आज जब देश एक नई सामाजिक और तकनीकी दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो पुलिस को भी एक नई सोच और रणनीति के साथ चलना होगा। अगर पुलिस को नागरिकों की पहली प्रतिक्रिया बने रहना है, तो उसे नागरिकों का पहला भरोसा भी बनना होगा। और यह विश्वास ही उस पुल की नींव बनेगा, जो राज्य और समाज के बीच मजबूती से खड़ा रह सकेगा।

(लेखक पुलिस महानिदेशक एवं हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रमुख हैं)

प्रसंगवश

न्याय व्यवस्था से डगमगा रहा जनता का यकीन

> मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों के आरोपियों के बरी होने पर सवाल उठते हैं, क्योंकि हाईकोर्ट में सबूतों की धज्जियां उड़ीं और जांच में लापरवाही बरती गई। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा?

'जब दांव पर इंसानी जिंदगी लगी हो और उसकी कीमत खून हो, तो मामले को पूरी ईमानदारी से देखा जाना चाहिए।' सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक आरोपी की मौत की सजा को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की थी। दुर्भाग्य से मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की जांच में यह भावना कहीं नहीं नजर नहीं आई। इस मामले में सभी आरोपियों का बरी हो जाना सवाल के साथ चिंता भी पैदा करता है। 11 जुलाई 2006 को सिलसिलेवार ढंग से हुए बम धमाकों में 187 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 824 घायल हुए थे। बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले से 19 साल बाद सवाल वहीं घूमकर आ जाता है कि आखिर इतने बड़े नुकसान का दोषी कौन है?

हाईकोर्ट में जिस तरह से एक-एक करके सारे सबूतों की धज्जियां उड़ीं, उससे पूरे सिस्टम को लेकर संदेह उठता है। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा? गवाहों के बयान दर्ज करने से लेकर सबूत जुटाने तक, हर जगह लापरवाही बरती गई। यह भी शर्मनाक है कि आरोपियों को टॉर्चर किया गया। 12 लोग इतने बरसों तक आतंकी होने का दाग लिए जिल्लत की जिंदगी जीते रहे। जेल में वो लोग थे, लेकिन उनके साथ सजा पूरे परिवार ने भुगती। यह केस निचली अदालतों के कामकाज के तरीकों पर भी बड़ा सवालिया निशान है। सबूतों को लेकर इतने संदेह थे, लेकिन निचली अदालत ने उन पर गौर नहीं किया। और यह पहला मामला नहीं, जहां जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज हो गया हो। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते तीन लोगों की मौत की सजा रद्द करते हुए उन्हें हत्या के आरोपों से बरी कर दिया था। पिछले ही हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भी 2011 में हुई दोहरी हत्या और रेप के आरोपी को छोड़ने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच में गंभीर कमियां गिनाई थीं। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि झूठे मुकदमों की वजह से जिन्हें लंबा समय जेल में बिताना पड़ा है, उन्हें मुआवजा देने के लिए कानून बनाने पर विचार करना चाहिए। महाराष्ट्र सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। देश उम्मीद करता है कि इस बार तथ्यों को सही ढंग से रखा जाएगा। यह केवल एक केस नहीं, न्याय व्यवस्था पर आम लोगों के यकीन का मामला है।

।।गीता।।

श्लोक

अहिंसा समता तुष्टिस्तपो दानं यशोऽयशः।
भवन्ति भावा भूतानां मत्त एव पृथग्विधा॥

भावार्थ

अहिंसा, समता, संतोष तप, दान, कीर्ति और अपकीर्ति- ऐसे ये प्राणियों के नाना प्रकार के भाव मुझसे ही होते हैं।

जीवन दर्शन

अकेलापन समस्या नहीं, खुद को जानने का मौका

इंसान भी कितना अजीब है, भीड़ में रहकर घुटता है और अकेले में डरता है। लेकिन क्या वाकई अकेलापन कोई समस्या है या हमने इसे समस्या बना लिया है?

आज के डिजिटल दौर में हमारे पास हजारों कनेक्शन हैं। सोशल मीडिया पर फ्रेंड्स की लंबी लिस्ट, सैकड़ों लाइक्स और कमेंट्स... लेकिन भीतर से अक्सर लोग यही कहते हैं, मैं अकेला हूं। यह कैसा विरोधाभास है? शायद इसलिए, क्योंकि ये सारे जुड़ाव बाहरी हैं। हम हर दिन दूसरों से बातें तो करते हैं, लेकिन खुद से संवाद करना भूल चुके हैं। खुद मिलना नहीं जानते। असली मिलना तब होता है, जब अकेले बैठकर अपने भीतर की आवाज सुनी जाए। बुद्ध ने यही किया था। अकेले बैठे थे बोधि वृक्ष के नीचे। महावीर ने क्या किया था? 12 साल मौन रहे, अकेले। यीशु गए थे रेगिस्तान में 40 दिन, अकेले। ये समझ गए थे कि असली खजाना अकेलेपन में छिपा है।

अकेलापन असहज तब लगता है, जब हम खुद से कटे होते हैं - जब हम केवल दूसरों से मान्यता, सराहना और भावनात्मक सहारा पाने की उम्मीद करते हैं। जैसे ही यह सहारा डगमगाता है, हम टूट जाते हैं। इसीलिए अकेले रहना हमें डराने लगता है। लेकिन अगर थोड़ा रुकें और खुद से मिलने की हिम्मत करें, तो यही अकेलापन आत्म-समझ और मानसिक स्पष्टता का प्रवेशद्वार बन सकता है।

एकांत और अकेलेपन में बुनियादी फर्क है। अकेलापन वह स्थिति है, जब हम दूसरों की गैरमौजूदगी में अधूरा महसूस करते हैं। वहीं, एकांत वह अनुभव है, जब हम दूसरों के बिना भी खुद में संतुलन और पूर्णता महसूस करते हैं। एकांत में कोई कमी नहीं, बल्कि एक प्रकार की आत्म-पूर्ति होती है।

समस्या तब होती है, जब हम अपनी खुशी, शांति और प्रेम का स्रोत बाहर ढूंढ़ते हैं - किसी रिश्ते, किसी भूमिका, किसी उपलब्धि में। लेकिन बाहर की ये चीजें स्थायी नहीं। जब वे छिनती हैं, तो खालीपन भीतर पसरने लगता है। इस खालीपन से डरकर हम और जुड़ाव खोजने लगते हैं, फिर चाहे वह स्थायी हो और या अस्थायी।

हम यह भूल जाते हैं कि असली शक्ति तब आती है, जब हम अपने साथ सहज होते हैं, खुद को समझने लगते हैं। कुछ नहीं करते, बस होते हैं, उसी रूप में जैसे हैं। प्रकृति की ओर देखिए - एक वृक्ष अकेला खड़ा होता है, फिर भी अपनी गरिमा और जीवंतता नहीं छोड़ता। पहाड़ अकेले हैं, लेकिन अपने मौन में पूर्ण। हमें उनसे सीखना होगा कि पूर्णता भीतर से आती है, बाहर से नहीं। शायद यही वह मोड़ है, जहां अकेलापन बोझ नहीं, बल्कि अवसर बन सकता है - अपने भीतर उतरने का, खुद को स्वीकार करने का और एक नई दृष्टि से जीवन को समझने का। अकेलापन तब तक डरावना है, जब तक हम इससे बचते हैं। लेकिन जैसे ही हम इसे अपनाते हैं, यह एकांत में बदल जाता है। और, एकांत कोई अभिशाप नहीं, वरदान है!

देवेन्द्रराज सुथार

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम मध्य रेलवे के नए पीसीसीएम बने तिवारी

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। रेल प्रशासन ने पश्चिम मध्य रेलवे मुख्यालय के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक की जिम्मेदारी मनीष तिवारी को सौंपी है। उन्होंने औपचारिक रूप से गुरुवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया।

मनीष तिवारी भारतीय रेलवे यातायात सेवा 1994 बैच के रेल अधिकारी है। उन्होंने पूर्व में भारत सरकार के गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव एवं रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक (पीजी), उत्तर रेलवे में मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवा) तथा पश्चिम मध्य रेल में कोटा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। पदभार ग्रहण के उपरांत उन्होंने पमरे महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय से शिष्टाचार भेंट की तथा वाणिज्य अफसरों के साथ बैठक कर यात्री सुविधाएं, पार्सल, पार्किंग, कैटरिंग एवं माल भाड़ा को बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बड़े तालाब पर ब्रिज बनाने गडकरी से मिले सांसद

विशेष संवाददाता, भोपाल। सांसद आलोक शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली संसद भवन में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की और भोपाल शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने बड़े तालाब पर केवल स्टे ब्रिज बनाने का आग्रह किया। इस मौके पर सांसद शर्मा ने गडकरी को डीपीआर दिखाते हुए बताया कि राजाभोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक 17 किलोमीटर के मार्ग में बड़े तालाब के ऊपर से 2 किलोमीटर का एलिवेटेड केवल स्टे ब्रिज बनाया जाए। शर्मा ने बताया कि डीपीआर की मंत्री गडकरी ने सराहना की और कहा कि भोपाल को इसकी जरुरत है। इससे भोपाल के विकास को पंख लगेंगे।

अनुपम बने अभा अग्रवाल सम्मेलन के मीडिया प्रभारी

भोपाल। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर अग्रवाल की अनुशंसा पर अनुपम अग्रवाल को अभा अग्रवाल सम्मेलन की मप्र इकाई का प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोनीत किया है।

सम्मेलन एक सामाजिक संगठन है जिसकी स्थापना 1975 में की गई थी। यह संगठन सामाजिक एवं सामुदायिक उत्थान, गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता, आपदाओं में मदद, परिचय सम्मेलन और सामूहिक विवाह, संयुक्त परिवारों को बढ़ावा देने, गौधन संरक्षण के साथ ही शिक्षा एवं सांस्कृतिक विकास के कामों से जुड़ा है।

संघ ने सीएम से की उच्च स्तरीय जांच की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश सहकारिता विभाग राजपत्रित अधिकारी संघ विभाग के संयुक्त आयुक्त शिवेंद्र देव पांडेय के पक्ष में आवाज उठा रहा है। संघ ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच करने गुरुवार को मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री, अपर मुख्य सचिव (सामान्य प्रशासन), प्रमुख सचिव (सहकारिता), महानिदेशक एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं को ज्ञापन सौंपा है। इसमें शिवेन्द्र देव पांडेय, संयुक्त आयुक्त, सहकारिता, सागर संभाग, के विरुद्ध दर्ज प्रकरण की उच्च स्तरीय व निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

वीडी के क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलेंगे खंडेलवाल, गुटबाजी दूर करने की चुनौती

सागर में पार्टी के दिग्गज नेताओं के बीच छिड़ी हुई है लड़ाई, जिससे शीर्ष नेतृत्व भी परेशान

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के लिए बुंदेलखण्ड में आने वाले सागर संभाग में संगठन की गुटबाजी दूर करने की चुनौती है। इस क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा पूर्व अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा की संसदीय सीट में आता है। कहा जा रहा है कि खंडेलवाल इस पूरे संभागीय क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलने का प्रयास करेंगे। गौरतलब है कि कमलनाथ सरकार के गिरने के बाद कांग्रेसियों के भाजपाई बनने के उपरांत प्रदेश भाजपा को सबसे ज्यादा अगर किसी क्षेत्र ने परेशान किया है, तो वह बुंदेलखंड है। विशेषकर सागर में जिस तरह से वरिष्ठ नेताओं के मध्य वर्चस्व की लड़ाई छिड़ी हुई है,उसने पार्टी की जमकर किरकिरी कराई है। इतना ही नहीं इससे जहां सरकार पर भी उंगली उठी है, तो पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व को भी इस मामले को लेकर असहज स्थिति में होना पड़ा। जानकारों का कहना है सागर की लड़ाई पार्टी के दिग्गज नेताओं की बीच छिड़ी हुई है, जिन्हें केन्द्रीय नेताओं का साथ मिल रहा है। सिंधिया समर्थक गोविन्द सिंह राजपूत और पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह की प्रतिदंद्धिता उपजे विवाद को तत्कालीन प्रदेश नेतृत्व भी उस तरह से खत्म नहीं कराया पाया, जिस तरह से उनके द्वारा दूसरे क्षेत्रों के विवादों का पटाक्षेप किया गया था। जानकार इसकी वजह दिल्ली के दिग्गज नेताओं का हस्तक्षेप मान रहे थे। नए प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पहले दिन से ही साफ कर दिया है कि जो पार्टी लाइन से हटेगा,उसे किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। यही वजह है कि नए अध्यक्ष ने संभाग वार दौरे कर यह बात कार्यकर्ताओं को समझा दी है और एक तरह से अपनी ताकत का उन्हें एहसास भी करा दिया है,कि अब किसी भी तरह की गुटबाजी को प्रदेश नेतृत्व द्वारा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा,फिर चाहे नेता किसी भी स्तर का और किसी भी बड़े नेता का समर्थक क्यों न हो।

हर दौरे के बाद नेतृत्व को रिपोर्ट

पार्टी से जुड़े सूत्रों की मानें तो प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल अपने प्रदेश के हर दौरे के बाद कार्यकर्ताओं और नेताओं से जुड़ी रिपोर्ट केन्द्रीय नेतृत्व को भेज रहे हैं। इतना ही नहीं उनके द्वारा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश से भी इस संबंध में चर्चा की जा रही है। कहा जा रहा है कि खंडेलवाल अपने इन दौरे के दौरान जहां अपनी भावी टीम के लिए स्वयं चेहरे तलाश कर रहे है,तो वहीं उनकी जिला संगठन की नई टीम की संभावनाओं पर भी नजर है।

हर संभाग में बन सकते हैं संगठन महामंत्री

पार्टी से जुड़े सूत्रों की मानें तो प्रदेश भाजपा की नई टीम के गठन के साथ ही एक बार फिर से संभागीय संगठन महामंत्री बनाने का निर्णय ले सकती है । इसके लिए संघ की विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ताओं को नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। गौरतलब है कि पहले भी प्रत्येक संभाग में भाजपा ने एक संभागीय संगठन मंत्री बनाए थे। लेकिन बाद में इस सिस्टम को खत्म कर दिया गया था और प्रदेश में केवल एक भी संगठन महामंत्री बनाया गया।

बीना को जिला बनाने की उम्मीद

पिछले कुछ दिनों से विवाद में चल रही बीना विधायक निर्मला सप्रे को एक बार फिर से बीना को नया जिला बनाए जाने की उम्मीद हो गई है। पूर्व विधायक महेश राय से अपने विवाद पर सफाई देने पिछले दिनों भोपाल आई निर्मला ने सीएम से एक बार से बीना को जिला बनाने को लेकर जल्द फैसला लेने का आग्रह किया है। बताया गया है कि सीएम ने उन्हें जल्द ही इस पर विचार करने का आश्वासन दिया है। उल्लेखनीय है कि बीना को जिला बनाए जाने के रास्ते में खुरई के भाजपा कार्यकर्ता अपने विधायक भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में रोडा बने हुए है। उनके द्वारा खुरई को नया जिला बनाए जाने की मांग की जा रही है,जबकि निर्मला सप्रे ने लोकसभा चुनाव में भाजपा का साथ इसलिए दिया था कि बीना को सागर से अलग कर नया जिला बनाया जाएगा।

अब लो प्रेशर एरिया कराएगा मूसलाधार वर्षा

तीन सिस्टम सक्रिय, 23 जिलों में बाढ़ का अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मप्र में एक बार फिर मूसलाधार बारिश का दौर शुरू होने वाला है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे सिस्टम से मप्र में जल्द तेज बारिश शुरू होगी। इसका असर पहले ही दिखने लगा है। बीते 24 घंटे में मप्र के कई जिलों में तेज बारिश दर्ज की गई है। इसमें सबसे अधिक बारिश राजगढ़ जिले के मकसूदनगढ़ में हुई, यहां बारिश का आंकड़ा 158 मिली मीटर यानि लगभग 6 इंच रहा। नरसिंहगढ़ 135.2, इटारसी 120.8, चंदेरी 113., सिलवानी 106.0, मालथौन 106.0, गोहपारू 99., जीरापुर 98.0, बरेली 90.4, कोतमा 88.0, पचमढ़ी 82.8, मुंगावली 82.0, बीना 80.6, राघौगढ़ 79.0, मुरैना 76.0, ब्यावरा में 75.1 एमएम बारिश रिकार्ड की गई है।

पुराने पैटर्न पर उठ रहा मानसून

बंगाल की खाड़ी में चल रहीं गतिविध ठीक वैसी ही हैं जैसी एक माह पहले दक्षिण पश्चिम मानसून के समय थीं। मप्र में यह सिस्टम उसी रास्ते से आ रहा है, जिस रास्ते से एक महीने पहले मानसून आया था। इस समय बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया विकसित हो रहा है। जिससे मप्र के नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और हरदा में भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा अलग अलग स्थान पर तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी बने हुए हैं जो बारिश कराने में सक्षम हैं। मप्र के नीचे एक द्रोणिका गुजर रही है। उक्त कारणों से मप्र में भारी बारिश की संभावना बन रही है।

भोपाल में दिन और रात का पारा एक समान

मप्र की राजधानी में गुरुवार को दिन भर हुई हल्की बारिश के कारण दिन का अधिकतम तापमान कमजोर रहा। इसका असर यह हुआ कि भोपाल में दिन और रात का तापमान एक जैसा रहा। तापमान के दोनों बिंदुओं में मामूली का फर्क रिकार्ड किया गया। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार गुरुवार को भोपाल में दिन का अधिकतम तापमान 26 डिग्री रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री दर्ज किया गया। यह अंतर सिर्फ 1.6 डिग्री का रहा। मौसम केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि कभी कभी जब दिन भर बादल छाए रहते हैं और सूरज नहीं निकलता तो दिन का तापमान नहीं बढ़ पाता। इससे दिन और रात के तापमान एक समान रिकार्ड हो जाते हैं।

रंगरूटों को 'मानस' का पाठ करने के निर्देश का कांग्रेस ने किया विरोध

एडीजी के निर्देश को बताया पुलिस का भगवाकरण

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में नव-नियुक्त कांस्टेबलों में होम सिकनेस (घर की याद) की समस्या से उबरने के लिए एडीजी द्वारा दिए गए एक निर्देश पर कांग्रेस ने सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में आरक्षक भर्ती परीक्षा में सफल हुए 3090 रंगरूटों में से 300 से ज्यादा ने पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में आवेदन कर नौ महीने के बुनियादी प्रशिक्षण कोर्स के लिए नजदीकी पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों (पीटीएस) में खुद को भेजने की मांग की है। इन आवेदनों के साथ ही कई विधायकों, मंत्रियों समेत प्रभावशाली लोगों से सिफारिशें भी आई हैं। इससे परेशान होकर प्रशिक्षण विंग के प्रमुख एडीजी राजा बाबू सिंह ने उन्हें भगवान राम के 14 साल के वनवास और रामचरितमानस से प्रेरणा लेने को कहा है। उन्होंने ऐसे रंगरूटों को समझाने के लिए पीटीएस के सभी एसपी को निर्देश दिए हैं कि उन्हें रात को सोने से पहले हर दिन रामचरितमानस के एक-दो अध्याय सामूहिक रूप से सुनाएं।

संविधान के अनुसार पढ़ाएं धर्मनिरपेक्षता का पाठ

निर्देश के बाद कांग्रेस ने कड़ा विरोध जताया है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार के निर्देश पर अफसर अब पुलिस का भगवाकरण करना चाहते हैं। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता मुकेश नायक ने इस निर्देश पर आपत्ति जताते हुए कहा कि आरक्षक पद की ट्रेनिंग के लिए आए रंगरूटों में सभी धर्मों के लोग हैं और संविधान की धर्मनिरपेक्षता का पालन करते हुए सभी धर्मों और धर्मग्रंथों का सम्मान होना चाहिए। नायक का आरोप है कि चंद नेताओं को खुश करने की खातिर इस तरह के निर्देश दिए गए हैं क्योंकि सरकार राम के नाम का दिखावा करती है और उनके चरित्र का पालन नहीं हो रहा।

वीडियो कांफ्रेंसिंग में सोने से पहले रामचरितमानस सुनाने के दिए थे निर्देश

मंगलवार को कोर्स की शुरुआत से पहले प्रदेश के 8 पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों के एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में राजा बाबू सिंह ने चिंता जताते हुए कहा था कि भविष्य में इन्हीं रंगरूटों को माओवाद प्रभावित बालाघाट जिले समेत राच्य में कहीं भी तैनात किया जा सकता है। ऐसे में अगर वे अपनी नौकरी की शुरुआत में प्रशिक्षण के दौरान ही घर के पास ट्रांसफर मांगने लगेंगे तो भविष्य में पुलिस की कठिन ड्यूटी कैसे निभा पाएंगे। राजा बाबू सिंह ने इस दौरान कहा था कि गोस्वामी तुलसीदास की यह रचना ज्ञान का विशाल भंडार है और इसका गहरा असर अपने घर से दूर आकर दुखी हो रहे रंगरूटों पर भी होगा। ऐसे में वे अपनी नौ माह की कठिन ट्रेनिंग ईमानदारी से पूरी करेंगे।

वीएन अंबाड़े वन विभाग के नए वन बल प्रमुख

भोपाल। सीनियर आईएफएस अफसर वीएन अंबाड़े मप्र के नए वन बल प्रमुख होंगे। गुरुवार को मंत्रालय में मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद उनके नाम पर अंतिम मुहर लगाई गई। वर्तमान वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव इसी माह सेवानिवृत्त हो रहे हैं और उनकी सेवानिवृत्ति के पहले नए वन बल प्रमुख की नियुक्ति की जा रही है। वन विभाग की परंपरा के अनुसार सबसे वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी को ही वन बल प्रमुख बनाया जाता है। अंबाड़े 1 अगस्त को पदभार ग्रहण करेंगे और उनका कार्यकाल 7 माह का रहेगा।

आउटसोर्स कर्मियों के बनवाए ईएसआईसी कार्ड

भोपाल। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने कंपनी के 3724 आउटसोर्स कर्मियों के कार्ड बनवाए हैं। कंपनी के अनुसार कंपनी द्वारा सभी आउटसोर्स कर्मियों के ईएसआईसी कार्ड बनवाने की तैयारी की जा रही है। यह सभी कर्मचारी ट्रांसमिशन लाइन के रखरखाव, एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) सब-स्टेशनों पर काम करते हैं।

हितग्राहियों को पीडीएस में चावल से ज्यादा मिलेगा गेहूं

विशेष संवाददाता, भोपाल। केन्द्र ने मध्यप्रदेश सरकार की उस मांग को पूरा कर दिया है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से पीडीएस खाद्यान्न में गेहूं की मात्रा बढ़ाए जाने की मांग की जा रही थी। अब प्रदेश के पात्र हितग्राहियों को 3 किलो गेहूं और 2 किलो चावल के हिसाब से राशन दिया जाएगा। गौरतलब है कि प्रदेश के अभी तक सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत हितग्राहियों को चावल और गेहूं 60-40 के अनुपात में वितरित किया जाता था। इसे लेकर कई बार राज्य सरकार द्वारा केन्द्र से आग्रह किया गया। पिछले दिनों सूबे के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात कर गेहूं की मात्रा बढ़ाने का आग्रह किया था। इसके उपरांत केंद्र ने अपने नीतिगत फैसलों को बदलकर राज्य सरकार की मांग को पूरा कर दिया। जानकारी के अनुसार अब अब पात्र परिवारों को मिलने वाले खाद्यान्न में 75 प्रतिशत गेहूं और 25 प्रतिशत चावल वितरित किया जाएगा। केंद्र सरकार के इस निर्णय पर मंत्री राजपूत ने कहा कि राज्य सरकार के आग्रह पर केंद्र सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय न केवल जनहितैषी है, बल्कि यह केंद्र-राज्य समन्वय का भी सशक्त उदाहरण है। यह दर्शाता है कि यदि मांग व्यवहारिक हो तो नीतिगत बदलाव संभव हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार पीडीएस को अधिक पारदर्शी और हितग्राही केंद्रित बनाने के लिए आधार प्रमाणीकरण, डिजिटल वितरण ट्रैकिंग और ई-केवाईसी जैसी आधुनिक तकनीकों को तेजी से लागू किया जा रहा है।

केंद्र ने दी मंजूरी
अब 75 - 25 के अनुपात में वितरण

उद्यानिकी फसलों की ओर बढ़ें किसान

विशेष संवाददाता, भोपाल। उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि किसान परंपरागत खेती पर ही निर्भर न रहें बल्कि नवीन तकनीकी के साथ उद्यानिकी फसलों को लेने की ओर बढ़ें। कुशवाहा ने यह बात उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनांतर्गत ग्वालियर जिले में उद्यानिकी फसलों को बढावा देने दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि गांव में अधिक से अधिक फूड प्रोसेसिंग यूनिट एवं छोटे छोटे उद्योग लगायें जिससे किसान खुद की फसल का अच्छा दाम प्राप्त कर सकें। किसानों के लिए सरकार नई योजना ला रही है। इसके अंतर्गत जो भी किसान एक बगिया मां के नाम लगाएगा वह सरकार 3 लाख रुपये तक अनुदान प्राप्त कर सकेगा। किसानों की मेहनत के कारण लगातार खाद्यान उत्पादन में मध्यप्रदेश का देश में प्रथम स्थान है। किसान फसलों की सिंचाई के लिए अब भरपूर पानी मिल रहा है।

दो अफसरों को हटाना ही मसले का हल नहीं : सिंघार

भोपाल। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सिया विवाद में दो अफसरों को हटाने से मामले का हल नहीं निकल सकता। सोशल मीडिया एक्स ने सिंघार ने लिखा कि जो बड़ा घोटाला हुआ, उसकी तह तक पहुंचने के लिए जांच जरूरी है! तभी सामने आएगा कि इस घोटाले की कालिख किस-किस के हाथ पर लगी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में विधानसभा में सरकार से सवाल पूछें जाएंगे। इसके लिए सरकार को तैयार रहना चाहिए।

खाद समस्या रही तो सड़क पर उतरेगी कांग्रेस

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में खाद समस्या को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि समस्या का निराकरण नहीं हुआ, तो कांग्रेस किसानों के साथ सड़कों पर उतरेगी। उन्होंने कहा कि सुबह 5 बजे से कतारों में खड़े किसान, दो-दो बोरी खाद के लिए अपमानित हो रहे हैं। ग्वालियर-चंबल, विंध्य, महाकौशल से लेकर मालवा-निमाड़ तक खाद संकट विकराल रूप ले चुका है। कई जिलों में यूरिया और डीएपी दोनों की ही भारी कमी है, लेकिन सरकार का रवैया संवेदनहीन है। पटवारी ने आगे लिखा कि सरकार हर बार रटा-रटाया बहाना सामने रखती है कि इंटरनेशनल सप्लाई में कमी है। यह प्रश्न उठता है कि पूरे वर्ष क्या किया? यदि अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति से परिचित थे तो वैकल्पिक व्यवस्थाएं क्यों नहीं की गईं। आरोप लगाया कि सबसे गंभीर मामला निजी वितरण तंत्र की अनियंत्रित लापरवाही और कालाबाजारी का है।

फीस कमेटी का ओएसडी बनने एक दर्जन से ज्यादा प्रोफेसर कतार में

फार्मेसी, मेडिकल और नर्सिंग की फीस तय होना शेष

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति के ओएसडी की कुर्सी संभालने के लिए करीब एक दर्जन प्रोफेसरों ने दांव लगाया है। यह कुर्सी 30 जुलाई को रिक्त होगी, क्योंकि वर्तमान ओएसडी देव आनंद हिंडोलिया 30 जुलाई को अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि के कुलगुरु का पदभार ग्रहण करेंगे। वर्तमान कुलगुरु खेमसिंह डेहरिया का कार्यकाल खत्म हो रहा है। उनका कार्यकाल खत्म होने के पहले ही राजभवन ने हिंडोलिया को कुलगुरु नियुक्त कर दिया है। उनका कार्यकाल चार वर्ष का रहेगा। ओएसडी बनने के लिए प्रोफेसर तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और मंत्रालय स्तर पर जोर लगा रहे हैं। इसमें आधा दर्जन प्रोफेसर भोपाल और आधा दर्जन प्रोफेसर प्रदेश के अन्य जिलों के इंजीनियरिंग कालेजों में पदस्थ हैं। फीस कमेटी को अभी फार्मेसी और मेडिकल के साथ नर्सिंग कालेजों की तीन सत्रों की फीस तय करना है। हालांकि अभी तक उक्त कालेजों को मान्यता और निरंतरात देने का सिलसिला शुरू नहीं हआ है। इसके पहले फीस कमेटी ने फीस निर्धारित करने के लिए व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। जैसे कालेजों को मान्यता और संबद्धता मिलेगी। फीस कमेटी उनसे फीस निर्धारित करने के लिए प्रस्ताव जमा कराना शुरू कर देगा। इससे कालेजों को फीस निर्धारित कराने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा।

शत प्रतिशत राशि खर्च करने में अक्षम साबित हो रहे अधिकारी

स्कूलों में शौचालय बनाने पर भोपाल खर्च नहीं कर सका 78 फीसदी बजट

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भोपाल जिले के सरकारी स्कूलों की दुर्दशा दूर करने विभाग आबंटित राशि भी समय पर खर्च नहीं कर सकता है। स्कूलों में बंद शौचालयों की मरम्मत में राज्य शिक्षा केंद्र से 58 करोड़ जारी हुए थे। इसमें से करीब 22 फीसदी राशि ही अधिकारी खर्च कर पाए हैं। 78 फीसदी राशि अभी शेष है, जिसे खर्च करने के लिए कोई तैयारी तक नहीं है। प्रदेश के स्कूलों की स्थिति सुधारने समग्र शिक्षा अभियान के तहत टायलेट के लिए 9146.84 करोड़ का बजट जारी किया गया था। उक्त बजट से स्कूलों में बंद शौचालयों की मरम्मत होना थी। भोपाल जिले में सिर्फ 22 फीसदी राशि ही उपयोग हो पाई है। 78 फीसदी राशि का उपयोग ही नहीं किया गया है। भोपाल जिले के बालक व बालिका टायलेट की मरम्मत के लिए 57.99 करोड़ का बजट जारी किया गया, जिसमें सिर्फ 13.23 करोड़ खर्च किया है। राशि का समय पर खर्च नहीं करने से राजधानी के ही कई स्कूलों में बेटियों के लिए टायलेट उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जबकि बजट मिलने के बाद कटनी जिले ने 82 फीसदी राशि का उपयोग कर लिया। स्कूल शिक्षा विभाग के एक मई 2025 की स्थिति के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में 92 हजार 32 स्कूल हैं। इसमें 322 स्कूल भवन विहीन हैं। नौ हजार 837 में बालिकाओं के शौचालय बंद हैं। जबकि दो हजार 776 स्कूलों में बालिका शौचालय सुविधा विहीन हैं। 11 हजार 396 स्कूलों में बालकों के शौचालय बंद हैं और तीन हजार 100 स्कूलों में बालक शौचालय सुविधा विहीन है।

आयोजन | रवीन्द्र भवन में आयोजित छह दिवसीय हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

नई पीढ़ी को नाटकों से मिलती है गौरवशाली इतिहास की जानकारी

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वास्तव में नाटक कला अनूठी है। नाटकों के माध्यम से भारतीय इतिहास के गौरवशाली व्यक्तित्व की जानकारी वर्तमान पीढ़ी को प्राप्त होती है। मुख्यमंत्री ने संस्कृति विभाग की संस्था मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के सहयोग से रवीन्द्र भवन में आयोजित छह दिवसीय हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने ककहा कि यह संयोग है कि वे हरिहर की नगरी से आते हैं। भगवान श्रीकृष्ण की चौदह विद्याओं और चौसठ कलाओं में नाट्य शास्त्र के सभी आयाम शामिल हैं। हमारे इतिहास में जहां राष्ट्र के दुर्बल होने के निराशाजनक उदाहरण देखने को मिलते हैं, वहीं हमारे समर्थ होने के भी प्रमाण मिलते हैं। विदेशी आक्राताओं ने आराध्य स्थलों को नष्ट करने और प्रतिमाएं अन्य देशों में ले जाने का कृत्य किया, लेकिन यह भी सत्य है कि हमारे पराक्रमी और राष्ट्रप्रेमी शासकों ने उन प्रतीकों को पुनःस्वदेश लाने का कार्य भी किया। डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं विद्यालयीन और महाविद्यालयीन स्तर से नाटकों के मंचन से जुटे रहे हैं। उन्हें अनेक वर्ष पूर्व महानाट्य जाणताराजा देखने का सौभाग्य मिला, जो शिवाजी महाराज के साहसिक जीवन पर केन्द्रित था। बाद में इस तर्ज पर सम्राट विक्रमादित्य के जीवन को मंच पर लाने में सफलता मिली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विविध पक्षों का उल्लेख करते हुए बताया कि शिवाजी महाराज की तरह सम्राट विक्रमादित्य सुशासन और शौर्य के प्रतीक थे। उनके राज्य का काफी विस्तार हुआ। उन्होंने अपने भूभाग के समस्त नागरिकों का ऋण समाप्त करने का ऐतिहासिक कार्य किया और विक्रम संवत् के प्रर्वतन की दिशा में आगे बढ़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संस्कृति विभाग को छह दिवसीय नाट्य समारोह के आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने वीर भारत न्यास द्वारा प्रकाशित पुस्तक च्लोक में मणिधर-बघेश्वर और नाट्य समारोह की स्मारिका का विमोचन किया। प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला ने हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह में प्रस्तुत होने वाले नाटकों और भरतमुनि राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत होने वाले शोध पत्रों की जानकारी दी। अतिथियों का स्वागत संस्कृति संचालक एनपी नामदेव ने किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी सहित विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कलाप्रेमी उपस्थित थे।

विधानसभा में तत्थात्मक जवाब दें अधिकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को अधिकारियों से कहा है कि मानसून सत्र में ध्यानाकर्षण आदि में जवाब देते समय तथ्यात्मक और तर्कपूर्ण जानकारी दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस काम में सजगकता के साथ काम किया जाए। मंत्रालय में विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर बुलाई गई बैठक में सीएम ने कहा कि सदन में चर्चा के दौरान शासन की जनकल्याणकारी भावना और विकास कार्यो की उपलब्धियों को प्रभावी रुप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। सीएम ने कहा कि विभाग विधेयकों,अशासकीय संकल्पना और अहम विषयों सें संबंधित टीप समय रहते उनके कार्यालय को भेजे जाने चाहिए। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन,सहित विभागों के अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव सहित दूसरे अधिकारी मौजूद रहे।

युवाओं को नशे की लत से बचाना है

भोपाल। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे से दूरी है जरूरी अभियान केवल अभियान नहीं, मादक पदार्थों की लत से युवाओं को बचाने की दिशा में समाज और पुलिस की सहभागिता का सशक्त प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित वृहद जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी-है जरूरी के अंतर्गत भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि तस्करों पर कार्रवाई भी हो।

ई-रिक्शा चालकों के साथ सड़क पर उतरी आप, निकाली रैली

भोपाल। प्रशासन द्वारा शहर में हो रहे ट्रैफिक जाम के चलते और लगातार दुर्घटनाओं के कारण बैन किए गए ई-रिक्शा के संचालन को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) गुरुवार को सड़कों पर उतर आई। आप ने इस दौरान विरोध प्रदर्शन करते हुए जिंसी धर्मकांटा से कलेक्टर कार्यालय तक रिक्शा रैली का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में रिक्शा चालक जुटे। मेट्रो के कार्य के चलते वर्तमान में ट्रैफिक का पूरा भार चिकलोद रोड पर है, ऐसे में अचानक से बड़ी संख्या में ई-रिक्शा पहुंचने से यहां का ट्रैफिक जाम हो गया है और इलाके में लगभग 2 घंटे तक यही स्थिति बनी रही। जाम के चलते स्कूली छात्र, बुजुर्ग और अन्य लोग बुरी तरह फंस गए, जिन्हें गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि इस दौरान ट्रैफिक पुलिस का अमला मैदान पर डटकर ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के काम में लगा रहा। आप के प्रदेश मीडिया प्रभारी मिन्हाज आलम ने बताया कि यह मामला हजारों रिक्शा चालकों की रोजी रोटी से जुड़ा है। इनके रोजगार की व्यवस्था किए बिना इन्हें हटाना अन्याय पूर्ण है। शहर की कई सड़कों पर ई रिक्शा बिना परमिट के ही संचालित हो रहे हैं, जिनके चलते हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है।

विस्थापितों एवं ग्रामीण के कल्याण के लिए समर्पित है महान हिंडालको समितियां के माध्यम से ग्रामीणों को दिए जा रहा रोजगार

पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जा रहा जगह-जगह पौधारोपण

जागरण, बैढ़न

जिले के बरगवा में स्थापित हिंडालको महान एल्युमिनियम विस्थापित ग्रामीणों के विकास के लिए कृत संकल्पित है महान हिंडालको एल्मुनियम द्वारा जहां विस्थापितों को बुनियादी सुविधाओं के साथ.साथ उनके कल्याण के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वहीं विस्थापित तो एवं ग्रामीण बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए जगह.जगह ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय संचालित कर उन्हें शिक्षित करने का प्रयास किया जा रहा हिंडालको द्वारा विस्थापित ग्रामीणों को जहां परियोजना के विभिन्न स्थान पर रोजगार मुहैया कराया गया है वहीं समितियां के माध्यम से भी विस्थापितों को रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं। वहीं परियोजना के नेगम सामाजिक दायित्व के तहत निगम उन्हें हुनरमंद बनाने के लिए विशेषज्ञों द्वारा स्वरोजगार के लिए भी प्रशिक्षित किया जा रहा है जिससे वह अपना व्यवसाय चलाकर अपने और अपने परिवार का भरण पोषण अच्छी तरह से कर सके । हिंडालको महान द्वारा संचालित विभिन्न संविदा कर्मियों को सुरक्षा के साथ.साथ बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है संविदा कर्मियों को शासन द्वारा निर्धारित मापदंड के आधार पर उन्हें वेतन दिया जा रहा जिस पर मापदंड परियोजना की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्र और विस्थापितों के विकास के साथ.साथ ही परियोजना का विकास संभव है

इसके लिए परियोजना द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं हिंडालको महान विस्थापितों और ग्रामीणों के कल्याण के साथ-.साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है जिसके तहत जगह.जगह पर्यावरण के प्रदूषण को रोकने के लिए पौधरोपण के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं वहीं सयत्रं क्षेत्र में भी परियोजना से निकलने वाली हानिकारक पदार्थ की रोकथाम के लिए आधुनिक संयंत्र लगाए गए हैं जिससे पर्यावरण को नुकसान होने से बचाया जा सके।

विस्थापितों के लिए चलाए जा रहे हैं स्वरोजगार के कार्यक्रम

हिंडालको महान द्वारा विस्थापितों को जहां उनकी योग्यता अनुसार रोजगार के अवसर दिए गए हैं वहीं रोजगार के अतिरिक्त विस्थापितों को हुनरमंद बनाने और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं इन कार्यक्रमों के माध्यम से विस्थापितों को विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण दें उन्हें योग्य बनाया जाता है परियोजना द्वारा स्वरोजगार के लिए मसाला पापड़ निर्माण, ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण, सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण, अगरबत्ती निर्माण प्रशिक्षण, के साथ.साथ अन्य दैनिक उपयोगी सामानों का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाता वहीं कंपनी द्वारा ग्रामीण युवाओं को मोटर वाइंडिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, के साथ.साथ इलेक्ट्रीशियन, मोटर मैकेनिक, आदि का भी प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे वह अपना रोजगार स्थापित कर सकें।

ग्रामीणों के लिए आयोजित किए जाते हैं स्वास्थ्य शिविर

विस्थापित एवं ग्रामीण के स्वास्थ्य के प्रति हिंडालको महान पूरी तरह से सचेत है जिसके लिए मोबाइल हेल्थ कैंप का आयोजन समय पर विस्थापित गांव में किया जाता इन मोबाइल हेल्थ कैंप के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल हेल्थ टीम पहुंचकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाएं वितरित की जाती है।

किसानों को वितरित किए जाते हैं उन्नत बीज

खेती को लाभ का धंधा बनाने के उद्देश्य हिंडालको महान ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को उन्नत खाद और बीच का समय.समय पर वितरण किया जाता है जिससे किसान अपनी फसल का उत्पादन अधिक कर सके और अधिक से अधिक लाभ कम कर अपना जीवन स्तर ऊंचा कर सकें।

सम्पूर्णता अभियान समापन समारोह 28 को अटल सामुदायिक भवन बिलौजी में

जागरण, बैढ़न। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश ने बताया कि नीति आयोग भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे आकांक्षी जिला कार्यक्रम एडीपी एवं आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम एबीपी के तहत लक्षित संकेतकों में से चिन्हित महत्वपूर्ण संकेतकों को अर्जित करने हेतु जुलाई 24 से सितंबर 24 तक तीन माह की अवधि में संपूर्णता अभियान चलाया गयाए जिसमें अभियान के उपलब्धियों एवं प्रयासों को दृष्टिगत रखते हुए संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह का आयोजन 28 को अटल समुदायिक भवन बिलौंजी जायेगा। उन्होने सबंधित विभागीय अधिकारियो को समय पर सभी तैयारियो को पूर्ण करने के निर्देश दिए है।

भारी वर्षा को दृष्टिगत रखते हुयें कलेक्टर ने आज विद्यालयो में अवकाश किया घोषित

जागरण बैढ़न। कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला के द्वारा जिले में वर्तमान में वर्षा ऋतु के कारण अतिवृष्टि को दृष्टिगत रखते हुए जिले में संचालित समस्त शासकीय अशासकीय सीबीएसई आईसीएसई एमपीबीएसई विद्यालयों में आज अवकाश घोषित किया गया है।

अत्याधिक वर्षा से प्रभावित माड़ा क्षेत्र के गावों में पहुंचे कलेक्टर एवं एसपी

जागरण, बैढ़न। अत्याधिक वर्षा के कारण जिन स्थलो पर जल भराव एवं यातायात बाधित हो गया है उन ऐसे स्थलो पर तत्काल राहत प्रदान करने को मद्देनजर रखते हुयें कलेक्टर श्री चन्द्र शेखर शुक्ला के द्वारा तीनो अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारियो सहित राजस्व एवं पुलिस अमले के साथ ही आपदा प्रबंधन में संलग्न दल को निर्देश देते हुयें सभी क्षेत्र में सक्रिय कर दिया गया है। एवं ऐसे स्थलो पर बचाव एवं राहत के कार्य प्रारंभ कर दिया गया है ताकि कोई भी अप्रिय घटना घटित न होने पाये। कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला एवं पुलिस अधीक्षक मनीष खंत्री के द्वारा माड़ा अनुभाग क्षेत्रांतर्गत का भ्रमण किया गया। संबंधित क्षेत्र के ग्राम सुलियरी एवं छतौली जहा पर अधिक वर्षा के फ्लस्वरूप जल भराव हुआ था वहा जेसीबी के माध्यम से नाली बनाकर जल निकासी की व्यस्था कराई गई एवं वर्षात के कारण जिन घरो में क्षति हुई मौके पर उपस्थित राजस्व अमले को सहायता राशि उपलब्ध कराने हेतु प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए गए है। साथ ही कलेक्टर ने संबंधित क्षेत्र के अधिकारियो को निर्देश दिए कि सामुदायिक भवन माड़ा में ऐसे परिवारो

को तत्काल सुरक्षित रूप से पहुचाए उनके रहने खाने का उचित प्रबंध करे। कलेक्टर ने सामुदयिक भवन में ठहरे वर्षा से प्रभावित परिवारो से भी मुलकात कर कहा कि चिंत करने की बात नही प्रशासन हर समय आप लोगो के साथ है। उन्होने राजस्व अधिकारियो को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारो का प्रकरण तैयार कर उन्हे शीघ्र अति शीघ्र राहत राशि उपलंब्ध कराये। भ्रमण के दौरान कलेक्टर को इस आशय की सूचना प्राप्त हुई कि अधिक वर्षा के कारण प्राथमिक पाठशाला सुलियरी भवन का एक भाग क्षतिग्रस्त हो गया है जानकारी प्राप्त होते ही कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा विद्यालय भवन का निरीक्षण किया गया। तथा संबंधित अधिकारियो को निर्देश दिए कि विद्यालय मे पढ़ने वाले छात्रो को सुरंक्षित स्थल पर पठन पाठन कराये।

कलेक्टर श्री शुक्ला के द्वारा जिले के नागरिको से आग्रह किया गया है कि जल भराव वाले क्षेत्रो की जानकारी से तत्काल अपने नजदीकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत सचिव सरपंच रोजगार सहायकए चाकी प्रभारी को अवगत कराये ताकि तत्काल राहत एवं बचाव का कार्य प्रारंभ किया जा सके। कलेक्टर के द्वारा तीनो उपखण्ड के राजस्व अधिकारियो सहित जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियो को निर्देश दिए गए है कि ऐसे गाव जो बाढ़ से प्रभावित हो गए है या जिनके माकानो में जल भराव के कारण दुर्घटना होने की संभावना हो उन्हे तत्काल सुरंक्षित स्थलो में लेजाकर उनके रहने खाने की बेहतर व्यवस्था कराये। विदित हो कि पिछले 50 वर्षो की तुलना में 24 को अद्धरात्रि पश्चात माड़ा क्षेत्र में रिकार्ड 180 एम.एम वर्षा दर्ज की गई है। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश एसडीएम राजेश शुक्ला तहसीलदार अजयराज सिंह संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी सहित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित राहत एवं बचाव कार्य में संलग्न दल के सदस्य उपस्थित रहे।

विरासत से विकास कार्यक्रम में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली को समर्पित सेवाओं हेतु किया गया सम्मानित

जागरण, बैढ़न। एनटीपीसी विंध्यनगर स्थित मैत्री सभागार में विरासत से विकास् विषय पर आधारित अभिनंदन् कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह द्वारा की गई। इस अवसर पर जिले के विधायक गण एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में सामाजिक स्वास्थ्य पुनर्वास एवं सेवा क्षेत्रों में कार्यरत संस्थाओं के सराहनीय कार्यों को सम्मानित करना था। समारोह के दौरान उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर रही संस्थाओं के विभाग प्रमुखों को स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली द्वारा संचालित विभिन्न सेवा इकाइयों को सम्मानित किया गया।

रेडक्रॉस ब्लड सेंटर सिंगरौली

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा वर्ष 2014 से संचालित यह ब्लड सेंटर जिला अस्पताल निजी नर्सिंग होम तथा आसपास के जिलों के लिए निरंतर रक्त आपूर्ति कर रहा है। डॉ.आर.डी. द्विवेदी मेडिकल डायरेक्टर को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व एवं सेवा कार्य हेतु शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र सिंगरौली

रेडक्रॉस द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र द्वारा दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल सहायक उपकरण फिजियोथेरेपी स्पीच थेरेपी एवं श्रवण परीक्षण जैसी सेवाएं निशुल्क प्रदान की जा रही हैं। इस विभाग द्वारा दिव्यागजनों को एक ही छत के नीचे सर्व सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है । इस विभाग के कुशल नेतृत्व एवं सफल संचालन हेतु मुकुल किशोर को सम्मानित किया गया।

बालिका खुला आश्रय गृह सिंगरौली : इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित बालिका खुला आश्रय गृह में वंचित शोषित एवं पीड़ित बालिकाओं को शिक्षा कौशल विकास एवं पुनर्वास के माध्यम से अभी तक कुल 262 बालिकाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के सफल प्रयास हेतु कोऑर्डिनेटर शिरीन को सम्मानित किया गया। यह आयोजन जिले के सर्वांगीण विकास में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही संस्थाओं के प्रति शासन एवं प्रशासन की सराहना एवं समर्थन का प्रतीक बनकर उभरा है।

महिलाओं द्वारा हरियाली महोत्सव कजली के गीत गाकर मनाई गई खुशियां

100 नवांकुर सखियों को 11-11 पौधों का वितरित

जागरण, बैढ़न। आज नवांकुर संस्था माता सुमित्रा देवी विकास समिति बरगवां के द्वारा नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के दौरान आदर्श ग्राम खेकड़ा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया पूर्व से चयनित 100 नवांकुर सखियों को 11.-11 पौधों का वितरित किए गए आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृष्ण कांत द्विवेदी मुख्यमंत्री द्वारा मनोनीत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की गवर्निंग बॉडी के सदस्य की उपस्थिति में संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक का निर्देशन एवं राजकुमार विश्वकर्मा का मार्गदर्शन में जनप्रतिनिधि मकरध्वज सिंह मंडल अध्यक्ष की अध्यक्षता एवं ग्राम पंचायत के सरपंच वरुण सिंह का सराहनीय योगदान रहा आज जहां एक और महिलाओं की खुशी के लिए हरियाली महोत्सव हरियाली यात्रा नवअंकुर सखी का

नाम दिया गया ताकि महिलाओं की भूमिका पौधारोपण करना एवं पौधों की सुरक्षा करना इस कार्य में सभी नवांकुर सखियों को 11.- 11 नवांकुर पौधों वितरित किए गए जिन्हें पूरे वर्ष के दौरान पालन पोषण करते हुए तैयार करना है एवं उन्हें अपने स्वयं के यहां या ग्राम वासियों को लगवाना है इस प्रकार सब महिलाओं द्वारा 1100 पौधों का रोपण एक आदर्श गांव में होगा जिससे पर्यावरण का संतुलन स्वच्छ शुद्ध हवा और वृक्ष से होने वाले समस्त लाभ प्राप्त हो सकेंगे मुख्य अतिथि संभाग समन्वयक एवं जिला समन्वय द्वारा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उद्देश्य के साथ-साथ द्वारा संचालित योजनाओं को विस्तार से रखा गया आज स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा हरियाली महोत्सव कजली के गीत गाकर खुशियां मनाई गई वहीं सभी महिलाओं को आम नींबू कटहल सीताफल आदि वृक्ष वितरित किए गए इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्लॉक समन्वयक प्रभु दयाल दहिया ग्राम पंचायत के सरपंच वरुण सिंह कमल किशोर गुप्ता ममता गुप्ता खेखड़ा समिति के अध्यक्ष बृजेश कुमार वैस नगरी विकास समिति के अध्यक्ष डॉ राजेश त्रिपाठी समिति के अध्यक्ष शिव शंकर विश्वकर्मा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं कृषि सखी ग्राम संगठन अध्यक्ष श्रीमती रीता केवट राम लल्लू केवट महेश वैश्य राधे श्याम वैस सतीश कुमार गर्ग औरगड़ी समिति के अध्यक्ष सचिव परामर्श दाता सभी का योगदान प्राप्त हुआ।

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी में बिजली चोरी का भंडाफोड़

विद्युत विभाग ने कहा- जांच के बाद तय किया जाएगा जुर्माना

जागरण, छतरपुर। अक्सर विवादों में रहने वाली छतरपुर की महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी से एक बार फिर बिजली चोरी का मामला सामने आया है। गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुछ वीडियो सामने आए, जिनके माध्यम से बिजली चोरी किए जाने की बात सामने आई। इसके बाद बिजली विभाग ने मौके पर जाकर जांच की तो कटिया तार डालकर अवैध तरीके से बिजली उपयोग किए जाने का खुलासा हुआ। यूनिवर्सिटी पर पिछले करीब छह माह से बिजली चोरी करने का आरोप है और जांच के बाद जुर्माना लगाने की बात कही गई है। वहीं युवक कांग्रेस ने कुलगुरु पर बेतहाशा भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर आंदोलन की चेतावनी दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोशल मीडिया पर विश्वविद्यालय में बिजली चोरी किए जाने के वीडियो वायरल होने के बाद बिजली विभाग की टीम यूनिवर्सिटी पहुंची, जहां छात्रवृत्ति कक्ष के ऊपर से निकली विद्युत लाइन से कटिया तारों को जोड़कर राष्ट्रीय सेवा प्रकोष्ठ में बिजली उपयोग किए जाने की बात सामने आई। विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता गजेंद्र चौरसिया ने बताया कि सूचना मिलने पर जांच की गई, जिसमें कटिया तारों से अवैध बिजली उपयोग की पुष्टि हुई। धारा 135 के तहत पंचनामा तैयार किया गया है। उक्त चोरी करीब छह महीने से चलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अब पूरे भवन की जांच के बाद जुर्माना तय होगा।

कुल्हिया स्कूल का भवन हुआ जर्जर

कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना

जागरण, चितरंगी। एकीकृत शाला कुल्हुईया विकास खण्ड चितरंगी के विद्यालय का भवन अत्यंत जर्जर हो गया है उसी जर्जर भवन में विद्यालय संचालित हो रहा है कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है पूर्व में सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज करवाई गई थी जांच उपरांत भवन डिस्मेंटल का प्रस्ताव विभाग द्वारा दिया गया था पर 1 वर्ष बीतने के पश्चात भी कोई कार्यवाही नहीं हुई बच्चे जान जोखिम में डालकर अध्ययन कर रहे हैं कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का हुआ सम्मान, अभिनंदन समारोह के साथ किया पदभार ग्रहण

जागरण, बैढ़न। भारतीय जनता पार्टी सिंगरौली के जयन्त सरई तथा निवास मंडलों के अध्यक्षों की नियुक्ति गत दिवस प्रदेश कार्यालय से जारी की गई। प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के अनुमोदन के पश्चात तीनो मंडल अध्यक्षों की सूची प्रदेश महामंत्री भगवान दास सबनानी ने जिलाध्यक्ष सुंदर लाल शाह को प्रेषित की। जारी सूची के अनुसार मंडल जयंत मे पिछले तीन बार के मंडल महामंत्री एवं वर्तमान में क्र. वार्ड 21 के पार्षद कमलेश वर्मा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मंडल सरई मे पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मंडल अध्यक्ष एवं वर्तमान जनपद सदस्य गन्नई रामधनी यादव को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है तथा इसी प्रकार मंडल निवास मे मंडल मंत्री तथा वर्तमान जनपद सदस्य भरसेंडी श्रीमती इंदू शाह को मंडल अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय के सभागार मे नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों के लिए जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह के नेतृत्व मे एक सम्मान समारोह आयोजित किया

गया। सम्मान समारोह मे जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी सरोज शाह निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय जिलामंत्री अरविंद तिवारी तथा तीनों नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष मंचासीन रहे। जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह परिहार ने बताया कि पितृ पुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण के पश्चात जिलाध्यक्ष ने तीनो नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का पुष्प माला एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया तथा उनके नवीन दायित्वों के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ये भारतीय जनता पार्टी ही है जो अपने कार्यकर्ताओं की प्रतिभा को परख कर उनको दायित्व प्रदान करती है। हमारे यहां हर कार्यकर्ता के लिए काम है तथा हर काम के लिए कार्यकर्ता हैं। इसलिए जो भी दायित्व जिस कार्यकर्ता के पास हो उसका निष्ठा से निर्वहन करें तो ये तय है कि संगठन आपको पूरा सम्मान देगा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष इसके पूर्व में भी विभिन्न दायित्वों मे रहे हैं और उनके पूर्व के कार्यों के मूल्यांकन के आधार पर ही उनको मंडल अध्यक्ष का दायित्व दिया गया है। मंडल जिले के संगठन के आधार स्तंभ होते हैं। जिस प्रकार एक इमारत अपने स्तंभों पर खड़ी होती है उसी प्रकार जिले का संगठन मंडलों पर खड़ा रहता है। यदि एक स्तंभ भी कमजोर पड़ता है तो पूरी इमारत खतरे में आ जाती है उसी प्रकार जिले के संगठन की मजबूती के लिए मंडल के संगठन का सशक्त होना नितांत आवश्यक है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि आज से ही नये मंडल अध्यक्ष अपने सांगठनिक कार्यों में लग जायेंगे तथा आगामी कार्यक्रमों के निमित्त शक्ति केन्द्रों एवं बूथों की बैठकें प्रारंभ कर देंगे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिले के समस्त मंडल अध्यक्ष आगामी 27 को प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को शत प्रतिशत बूथों पर सफल आयोजन की तैयारियां आज से ही प्रारंभ करें तथा इस बार भी प्रदेश मे अव्वल स्थान अर्जित कर जिले के संगठन की उत्कृष्टता बनाए रखें। कार्यक्रम को निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय ने भी संबोधित किया तथा तीनो मंडल अध्यक्षों ने पूरी निष्ठा और तन्मयता से संगठन के कार्यों को सम्पादित करने की शपथ ली। समारोह का मंचीय संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद भारतेन्दु पांडेय ने किया तथा आभार प्रकट बैढ़न मंडल अध्यक्ष सौरभ गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आइटी एवं सोशल मीडिया संयोजक सुरेश गिरी कार्यालय मंत्री कृष्ण कुमार कुशवाहा वरिष्ठ नेत्री किरण सोनी पूर्व मंडल अध्यक्ष विक्रम सिंह चंदेल संदीप चौबे मुकेश तिवारी किरण सागर मंडल अध्यक्ष मनोज शाह के डी वैश्य ज्योति चौरसिया नम्रता सिंह कुसुम शाह विजय वैश्य सीताराम वर्मा सुनील सिंह गहरवार धर्म कुमार वर्मा अभिषेक दुबे युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अंबेश द्विवेदी अभिषेक दुबे अर्जुन शाह समेत समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पोखना तालाब की नहरों पर अतिक्रमण, भराव में आई कमी, एसडीएम ने दिए सख्त निर्देश

जागरण, टीकमगढ़। जिले में अच्छी बारिश होने के बावजूद कुछ तालाबों में पानी का भराव नहीं हो पाया है। बड़ागांव तहसील के पोखना तालाब की स्थिति भी कुछ ऐसी ही बनी हुई है। तालाब की पोषक नहरों पर अवैध कब्जों के चलते बारिश का पानी तालाब तक नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों की शिकायत पर शुक्रवार को एसडीएम लोकेंद्र सिंह सरल ने राजस्व विभाग की टीम के साथ मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि रामलाल प्रजापति ने जानकारी दी कि तालाब की नहरों के जीर्णोद्धार के लिए विधायक निधि से 5 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। हालांकि दो बार टेंडर प्रक्रिया होने के बावजूद ठेकेदारों ने अब तक कार्य शुरू नहीं किया है। निरीक्षण में कई स्थानों पर नहर पर अवैध कब्जा मिला और कुछ हिस्सों में नहरें क्षतिग्रस्त पाई गईं। मौके पर आरआई, पटवारी, नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

अवैध कब्जा हटा कर तालाब का कराया जाएगा भराव- एसडीएम

पोखना तालाब की दोनों पोषक नहरों का मौके पर निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण में कई जगहों पर अवैध कब्जे मिले हैं। राजस्व टीम को निर्देश दिए गए हैं कि जल्द से जल्द वैधानिक कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाया जाए, ताकि तालाब में बारिश का पानी समुचित रूप से पहुंच सके। हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि तालाब का भराव सामान्य हो और लोगों को भविष्य में जल संकट का सामना न करना पड़े। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि अगले दिन से ही अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपेक्षा जताई है कि जल्द से जल्द नहरें दुरुस्त कर पानी की समस्या का समाधान किया जाए।

अंबेडकर तिराहा से झिरकी बगिया तक होगा ग्रीन पॉकेट और सौंदर्यीकरण, सीएमओ ने किया स्थल निरीक्षण

जागरण, टीकमगढ़। शुक्रवार को कलेक्टर विवेक श्रोतिय के निर्देशानुसार नगर में सौंदर्यीकरण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से अंबेडकर तिराहा से झिरकी बगिया तक ग्रीन पॉकेट तैयार करने और सौंदर्यीकरण कार्य कराए जाने की योजना पर काम शुरू किया गया है। इसी क्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमपाल सिंह भदौरिया द्वारा स्थल का निरीक्षण किया गया। सीएमओ भदौरिया ने बताया कि यह इलाका शहर के प्रमुख मार्गों में शामिल है और यहां सौंदर्यीकरण से न केवल नगर की छवि निखरेगी, बल्कि नागरिकों को स्वच्छ व हरित वातावरण भी मिलेगा। ग्रीन पॉकेट के तहत पौधारोपण, पेवर्स, लाइटिंग जैसे कार्यों की योजना बनाई जा रही है। निरीक्षण के दौरान पार्षद प्रतिनिधि सन्नी सोनी भी उपस्थित रहे और उन्होंने क्षेत्र की आवश्यकताओं से सीएमओ को अवगत कराया। नगर पालिका द्वारा जल्द ही कार्य की रूपरेखा तैयार कर क्रियान्वयन शुरू किया जाएगा।

शिकायतों के निराकरण में टीकमगढ़ नगर पालिका अव्वल, सीएमओ भदौरिया ने दिया कर्मचारियों को श्रेय

जागरण, टीकमगढ़। जनसुविधा और उत्तरदायित्व की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ते हुए टीकमगढ़ नगर पालिका ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 के अंतर्गत जन शिकायतों के त्वरित और समाधानपरक निराकरण में प्रदेश स्तर पर ए-ग्रेड रैंक प्राप्त की है। यह सफलता नगर पालिका की सजग कार्यप्रणाली, कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी और नेतृत्वकर्ता सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया की दूरदृष्टि का परिणाम मानी जा रही है। नगर पालिका को यह सम्मान जुलाई 2025 की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में प्राप्त हुआ, जिसमें शिकायतों के निराकरण की गुणवत्ता, समयसीमा और समाधान की संतुष्टि जैसे मापदंडों को आधार बनाया गया था। इन सभी कसौटियों पर नगर पालिका टीकमगढ़ ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पूरे मध्यप्रदेश में ए-ग्रेड स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि पर नगर पालिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) ओमपाल सिंह भदौरिया ने कहा की यह सम्मान केवल मेरा नहीं, पूरे नगर पालिका परिवार की मेहनत और समर्पण का नतीजा है। हर कर्मचारी ने जनहित को प्राथमिकता देते हुए पूरी ईमानदारी से कार्य किया है। हमारा लक्ष्य हमेशा यही रहेगा कि आमजन की समस्याओं का समाधान समय पर और संतोषजनक रूप से किया जाए। नगर पालिका के इस सराहनीय प्रदर्शन से न केवल जिले की प्रतिष्ठा बढ़ी है, बल्कि आमजन का भरोसा भी प्रशासन पर और अधिक मजबूत हुआ है। शिकायतकर्ताओं को अब यह विश्वास होने लगा है कि उनकी बात सुनी जाती है और उस पर त्वरित कार्रवाई भी होती है।

अमानगंज तहसील का नाजिर बाबू दो हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया

जागरण, पन्ना। पन्ना जिले में लगातार रिश्वतखोर पकड़े जा रहे हैं इसके बावजूद अधिकारी कर्मचारी बिना रिश्वत के कोई काम नहीं कर रहे हैं क्योंकि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अपने ही अधीनस्थ आमले से रिश्वत की मांग की जाती है इसी प्रकार का मामला अमानगंज तहसील में पदस्थ लिपिक इकबाल खान पिता लाल मोहम्मद का सामने आया है जिनके द्वारा अपने ही अधीनस्थ चपरासी सुदामा प्रसाद दुबे से चिकित्सकीय अवकाश में मिलने वाली राशि निकालने के लिए पांच हजार रुपये की मांग की गई थी चपरासी सुदामा प्रसाद दुबे ने रिश्वत की राशि नहीं दी तथा मामले की शिकायत लोकायुक्त सागर में कर दी लोकायुक्त पुलिस द्वारा अमानगंज पहुंचकर दो हज़ार की रिश्वत लेते हुए लिपिक इकबाल मोहम्मद को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है उक्त कार्यवाही से तहसील क्षेत्र में हड़कंम्प मच गया।

शराब के नशे में अधिकारियों को गाली देने वाला शिक्षक निलंबित

वायरल वीडियो के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी की कड़ी कार्रवाई

जागरण, टीकमगढ़। शिक्षा विभाग की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले एक गंभीर मामले में जिला शिक्षा अधिकारी टीकमगढ़ ने त्वरित और कठोर कदम उठाते हुए प्राथमिक शिक्षक सुखलाल सौर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्राथमिक शाला बरेठी ढिमरौला में पदस्थ शिक्षक सुखलाल सौर का एक वीडियो 25 जुलाई को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो में शिक्षक शराब के नशे में धुत दिखाई दे रहा है तथा शासन-प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति अशोभनीय, अभद्र और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए नजर आ रहा है। वीडियो वायरल होते ही शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त प्राचार्य श्रीमती उमाश्री लिलौरिया द्वारा प्रकरण की प्राथमिक जांच की गई, जिसमें शिक्षक के आचरण को नियमों के विपरीत पाया गया। जांच में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर जिला शिक्षा अधिकारी ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के अंतर्गत सुखलाल सौर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उन्हें विकासखंड शिक्षा अधिकारी जतारा कार्यालय टीकमगढ़ में संबद्ध किया गया है। साथ ही नियम अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अनुशासन, मर्यादा एवं सामाजिक आदर्शों का पालन करें। इस प्रकार की गैर जिम्मेदाराना हरकतें शिक्षा के पवित्र पेशे को कलंकित करती हैं, जिन्हें किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि निलंबन आदेश कलेक्टर के निर्देश पर जारी किया गया तथा इसकी प्रतिलिपि लोक शिक्षण सागर संभाग, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य तथा संबंधित शिक्षक को भेज दी गई है।

शिक्षा विभाग में मचा हड़कंप

सोशल मीडिया पर भी लोगों ने की शिक्षक की निंदा वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कई यूज़र्स ने इस तरह के शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई की मांग की थी, जिसे प्रशासन ने तुरंत अमल में लाया।

मुख्य चौराहों से हटाए गए अवैध ठेले, अन्य स्थानों पर किया गया शिफ्ट

सीएमओ भदौरिया के निर्देशन में हुई सख्त कार्रवाई

जागरण, टीकमगढ़। शहर की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था और आमजन को हो रही परेशानियों को देखते हुए नगर पालिका टीकमगढ़ ने अवैध रूप से मुख्य चौराहों पर खड़े किए गए ठेलों के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमपाल सिंह भदौरिया के निर्देशन में यह अभियान चलाया गया, जिसमें शहर के प्रमुख चौराहों से ठेलों को हटाकर उन्हें निर्धारित और वैकल्पिक स्थानों पर शिफ्ट किया गया। नगर पालिका द्वारा यह कार्यवाही यातायात व्यवस्था को सुधारने, सड़कों पर अवैध अतिक्रमण को हटाने तथा आम जनता को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से की गई। सीएमओ श्री भदौरिया ने स्पष्ट कहा कि शहर को साफ-सुथरा और सुव्यवस्थित बनाना हम सभी की प्राथमिकता है। सड़क पर अतिक्रमण न केवल यातायात में बाधा बनता है बल्कि यह दुर्घटनाओं को भी निमंत्रण देता है। ऐसे में यह जरूरी हो गया था कि अवैध रूप से खड़े ठेलों को हटाया जाए। इस अभियान के दौरान महादेव गोहर, विजय, ऋषभ करोसिया सहित नगर पालिका की टीम मौके पर मौजूद रही। इन सभी ने मिलकर ठेले संचालकों से संवाद कर उन्हें वैकल्पिक स्थानों पर स्थानांतरित होने के लिए समझाइश दी। नगर पालिका ने इस कार्य को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से अंजाम दिया, जिससे कोई विवाद की स्थिति नहीं बनी। नगर पालिका अधिकारियों ने यह भी कहा है कि आने वाले समय में अतिक्रमण के खिलाफ यह मुहिम और तेज की जाएगी। साथ ही ठेला व्यवसायियों से आग्रह किया गया है कि वे नगर पालिका द्वारा चिन्हित स्थलों पर ही व्यवसाय करें ताकि न तो उनकी आजीविका प्रभावित हो और न ही आमजन को परेशानी उठानी पड़े। नगर पालिका द्वारा यह पहल न केवल यातायात व्यवस्था में सुधार लाएगी, बल्कि शहर की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण में भी अहम भूमिका निभाएगी। आगामी दिनों में नगर के अन्य हिस्सों में भी इस प्रकार की कार्रवाई जारी रहने की संभावना है।

पुराना बस स्टैंड बना सट्टे का अड्डा

शहर में धड़ल्ले से फल-फूल रहा सट्टा कारोबार, पुलिस बनी मूकदर्शक

जागरण, टीकमगढ़। शहर में सट्टा माफिया का जाल दिनोंदिन गहराता जा रहा है और इसका सबसे बड़ा गढ़ बन चुका है पुराना बस स्टैंड क्षेत्र। इस इलाके में सट्टा कारोबार खुलेआम चल रहा है, जहां पर दिन-भर बड़ी संख्या में लोग अड्डेबाजी करते नजर आते हैं। चिंता की बात यह है कि यह अवैध कारोबार थाना कोतवाली से महज़ कुछ ही दूरी पर बेखौफ होकर संचालित हो रहा है, लेकिन अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने कार्रवाई की ज़रूरत नहीं समझी। स्थानीय लोगों की मानें तो पुराने बस स्टैंड पर दोपहर के बाद से लेकर रात तक सट्टे के खेल शुरू हो जाते हैं। यहां बैठने वाले एजेंट नंबरों की पर्चियां बांटते हैं, मोबाइल पर बोली लगाते हैं और हार-जीत के आंकड़े तक सार्वजनिक रूप से बताए जाते हैं। कई बार इस सट्टे के कारण विवाद और झगड़े भी हो चुके हैं, लेकिन पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्यवाही आज तक नहीं हुई।

युवाओं का भविष्य हो रहा बर्बाद

शहर का युवा वर्ग इस दलदल में बुरी तरह फँसता जा रहा है। एक बार चंद पैसों की लालच में फंसा युवक न केवल अपनी कमाई गंवा बैठता है, बल्कि कर्ज और तनाव के जाल में भी उलझ जाता है। कई परिवारों के लोग गहने बेचकर, लोन लेकर या उधारी में डूबकर सट्टा खेलने लगे हैं - जिसका असर उनके पूरे जीवन पर पड़ रहा है।

प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

सबसे गंभीर बात यह है कि यह सब कुछ पुलिस और प्रशासन की नाक के नीचे हो रहा है। ऐसे में यह आशंका जताई जा रही है कि कहीं न कहीं माफिया और कुछ जिम्मेदारों के बीच मिलीभगत का खेल भी चल रहा है।

जनता में रोष, सख्त कार्रवाई की मांग

अब शहरवासी खुलकर बोलने लगे हैं। स्थानीय व्यापारियों, रहवासियों और समाजसेवियों ने प्रशासन से मांग की है कि पुराने बस स्टैंड पर तुरंत छापेमारी की जाए और इस अवैध कारोबार को जड़ से खत्म किया जाए। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो लोग आंदोलन के मूड में हैं।

समाज को अंदर से खोखला कर रही सट्टा की बीमारी- रावत

समाजसेवी अमित रावत ने सट्टा गतिविधियों पर नाराजगी जताते हुए कहा की सट्टा अब केवल अवैध गतिविधि नहीं, बल्कि समाज को अंदर से खोखला कर रही बीमारी बन चुकी है। यह नशे से भी ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि यह युवाओं को आलसी, कर्ज़दार और अपराध की ओर धकेलता है। यदि प्रशासन ने अब भी आँखें मूँद रखीं, तो टीकमगढ़ की आने वाली पीढ़ियाँ इसकी कीमत चुकाएंगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला रोगी कल्याण समिति की बैठक

अगस्त माह से दुकान किराया 2 हजार रुपए प्रतिमाह निर्धारित

जागरण, पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला चिकित्सालय पन्ना की रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश प्रसाद तिवारी सहित सिविल सर्जन आलोक कुमार गुप्ता, सहायक प्रबंधक डॉ. दिव्या नागवंशी, एसडीएम संजय कुमार नागवंशी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

समिति की बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय व्यय एवं पूर्ण कार्यों के अनुमोदन सहित गत बैठक के पालन प्रतिवेदन पर विचार विमर्श किया गया। कलेक्टर श्री कुमार ने समिति की आय बढ़ाने के संबंध में उपस्थितजनों से सुझाव प्राप्त किए। वर्तमान में समिति के माध्यम से निर्मित 54 दुकानों के अतिरिक्त अन्य 8 दुकानों के निर्माण के संबंध में भी चर्चा की गई। जिला कलेक्टर द्वारा पूर्व में सितंबर 2021 से निर्धारित दुकानों का प्रतिमाह किराया 1400 रुपए से बढ़ाकर आगामी 1 अगस्त से 2 हजार रुपए प्रतिमाह करने की बात कही। साथ ही प्रतिमाह नियमित रूप से किराया प्राप्त करने के निर्देश भी दिए। अभी दुकानों का बकाया किराया 3 लाख रुपए से अधिक है। इस दौरान विभिन्न निर्माणाधीन कार्यों, मरीजों की सुविधा के लिए क्रय सामग्री और अन्य आवश्यक कार्यों सहित आगामी निर्माण कार्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के इंजीनियर की देखरेख में कराने के निर्देश दिए। एम्बुलेंस एवं शव वाहन की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करने सहित जिला अस्पताल की अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए भी निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने टीम गठित कर जिला अस्पताल के सामने पार्किंग की बेहतर व्यवस्था संचालित करने, निर्धारित परिधि के बाहर फल एवं सब्जी विक्रय पर कार्यवाही एवं बोर्ड लगाने सहित असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही के निर्देश भी दिए। इसके अलावा नगर पालिका द्वारा नियमित रूप से साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करवाने और जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में पदस्थ ऑडियोलॉजिस्ट की सेवाएं जिला अस्पताल में प्राप्त करने के संबंध में कहा। समिति की बैठक में आकस्मिक व्यय राशि को 5 हजार रुपए से बढ़ाकर 10 हजार रुपए करने का निर्णय भी लिया गया।

नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत पवई अस्पताल परिसर में लोगों को किया जागरूक

जागरण, पवई । समाज में बढ़ते नशे की लत को जड़ से समाप्त करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पुलिस विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला पुलिस कप्तान साईं कृष्ण एस. थोटा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह चौहान तथा एसडीओपी भावना सिंह दांगी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदी के नेतृत्व में लगातार नगर के विभिन्न स्थानों और शासकीय संस्थाओं में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शुक्रवार को इसी अभियान के तहत पवई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में विशेष नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कर्मियों और आम नागरिकों को नशे के खतरनाक परिणामों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को बर्बाद करती है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका गहरा असर पड़ता है। थाना पवई में पदस्थ एक एस. आई. राम सजीवन तिवारी , राम लखन सिंह, प्रेम नारायण प्रजापति ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि नशे की लत व्यक्ति को आर्थिक, मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर बना देती है। नशे के कारण परिवार टूटते हैं, अपराध बढ़ते हैं और समाज में असंतुलन की स्थिति पैदा होती है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को इस अभियान में शामिल होकर नशा मुक्त समाज की स्थापना के लिए आगे आना चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से समझाया गया कि वे अपने कार्यक्षेत्र में महिलाओं और युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करें और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को यह भी बताया कि नशे की लत छोड़ने के लिए सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाएं लगातार प्रयास कर रही हैं, जहां नशा मुक्ति केंद्रों में मुफ्त परामर्श और इलाज की सुविधा उपलब्ध है। कार्यक्रम में मौजूद स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने भी नशे से होने वाले शारीरिक और मानसिक रोगों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नशे के कारण लीवर, हृदय, फेफड़ों की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं और यह अवसाद तथा आत्मघाती प्रवृत्तियों को भी जन्म देता है। अंत में पुलिस विभाग ने सभी उपस्थित लोगों से शपथ दिलाई कि वे न केवल खुद नशे से दूर रहेंगे, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। जिला पुलिस विभाग का यह अभियान आगामी दिनों में नगर के अन्य वार्डों, स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी जारी रहेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंच सके और समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

नशामुक्ति जागरुकता पदयात्रा का भव्य आयोजन

जागरण, पन्ना। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संपूर्ण राज्य में संचालित नशे से दूरी है जरूरी जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत, पन्ना जिले में पुलिस अधीक्षक पन्ना साईं कृष्ण एस. थोटा के निर्देशन में यह अभियान निरंतर रूप से व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। इस जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी के अंतर्गत 25 जुलाई 2025 को पन्ना शहर में एक भव्य नशामुक्ति जागरूकता पद यात्रा का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा नशामुक्त पन्ना के निर्माण की दिशा में जनभागीदारी सुनिश्चित करना रहा। यह पद यात्रा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वन्दना चौहान के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसमें लगभग 150 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। यात्रा कोतवाली परिसर से प्रारंभ होकर बड़ा बाजार, गांधी चौकी और अन्य प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः कोतवाली परिसर में आकर संपन्न हुई। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक खिलावन सिंह कंवर, थाना प्रभारी कोतवाली रोहित मिश्रा एवं थाना प्रभारी यातायात रक्षित निरी. नीलम लक्ष्यकार, अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचरारी, साहस एन.जी.ओ. के कार्यकर्ताओं, ब्रहमकुमारी आश्रम की महिला सदस्यों,समाजिक न्याय व दिव्यांग विभाग के अधिकारी/कर्मचारी,ग्राम एवं नगर रक्षा समिति के सदस्य एवं युवा वर्ग ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे यह आयोजन एक सामाजिक समरसता का प्रतीक बन गया।यात्रा के दौरान नशा छोड़ो ङ्क जीवन जोड़ो नशे से मुक्ति ङ्क जीवन की शक्ति, जैसे नारों के माध्यम से शहरवासियों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया गया। साथ ही, आमजन से इस अभियान के सहयोगी बनने की अपील की गई और यह संदेश दिया गया कि नशामुक्त पन्ना का सपना तभी साकार होगा जब हम सभी सामूहिक रूप से आगे बढ़ें और एकजुट प्रयास करें। पदयात्रा के समापन उपरांत कोतवाली थाना परिसर में एक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पद यात्रा में सम्मिलित सभी सदस्यो द्वारा सामूहिक रूप से नशामुक्त जीवन जीने तथा समाज को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ ली गई। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना ने कहा कि स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक समाज की नींव नशे से दूर रहने में ही है, और प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह स्वयं भी नशे से बचे और दूसरों को भी इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करे।

पवई में श्रवण मास पर तीन दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं अखंड रामायण पाठ का आयोजन

जागरण, पवई । श्रावण मास के पावन अवसर पर पवई नगर के वार्ड क्रमांक 13 स्थित शिवशक्ति कॉलोनी में धार्मिक वातावरण बना हुआ है। यहां हरिशंकर त्रिपाठी के निवास पर गुरुवार से तीन दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं अखंड रामायण पाठ का आयोजन प्रारंभ हुआ है। श्रद्धालुओं की उपस्थिति में विधिविधान से पूजा-पाठ प्रारंभ हुआ और लगातार रामायण पाठ का श्रवण किया जा रहा है। इस आयोजन के अंतर्गत शनिवार को समापन अवसर पर शांति पाठ एवं ब्राह्मण भोजन का आयोजन भी किया जाएगा। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं और भक्ति भाव से पूजन-अर्चन में जुटे हुए हैं। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण व्याप्त है। आयोजक परिवार द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण एवं अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है।

नशे में धुत बाईक सवार ने तीन लोगों को मारी टक्कर

जागरण, पवई । कलेही मंदिर के पास दमोह-सागर मेन रोड साप्ताहिक बाजार में मोटरसाइकिल

चालक अनिल सोनकर पिता अनारी सोनकर निवासी पवई ने तीन लोगों को टक्कर मारकर उन्हें पवई हॉस्पिटल पहुंचा दिया है। बाइक का नंबर एमपी 35 जेडए 2284 बताया गया है। बताया गया है कि पवई के माता कलेही मंदिर के पास सड़क में गलत तरीके से बाजार लगने से यहां भारी भीड़ और जाम की स्थिति रहती है। पन्ना कलेक्टर के निर्देशों के बाद भी नगर प्रशासन द्वारा साप्ताहिक बाजार लगाने की समुचित व्यवस्था नहीं की जा रही, बताया गया है कि एक बाईक सवार ने तीन लोगों को टक्कर मार दी जिससे तीनों घायल हो गए हैं। घायल गेंदा आदिवासी ग्राम खमरिया, मोहम्मद रईस पिता इंगू सौदागर नन्ही पवई को अस्पताल पहुंचाया गया है।

खाद्य की कालाबाजारी और सेल्समेन की मनमानी के विरुद्ध किसानों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जागरण, पन्ना। जिले के देवेंद्रनगर तहसील के किसानों ने खाद्य वितरण विभाग को समिति में सेल्समेन द्वारा खाद किसानों को देने में आनाकानी करता है और अभद्रता पूर्ण बात करता है इतना ही नहीं महंगे दामों पर खाद दी गई जबकि बोरी में प्रिंट दाम से अधिक लोगों से पैसा लिया गया ऐसे किसान सैकड़ो की तादात में है यह मामला जिले में पहले ही नहीं ऐसे मामले जिले में अनेक बार किसानों ने विभाग से लेकर प्रशासन तक अवगत कराया इस बार किसानों ने ऑनलाइन 181 पर भी शिकायत द

दर्ज कराई सैकड़ो की संख्या में आए किसानों ने जिला विपणन अधिकारी को भी ज्ञापन देते हुए सेल्समेन पटेल द्वारा की जा रही लूट की बात कहीं इसी प्रकार प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था जगदाहा क्या यही हाल है अधिक दामों मेअधिक मूल्य में प्रदान की गई हैं तथा विक्रेता पर गाली गलौज करने का आरोप लगाया है ।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

भारत सरकार के अथक प्रयासों से विकास की दिशा में अग्रसर तमिलनाडु

तमिलनाडु में ₹4900 करोड़ की लागत से हवाई अड्डे, राजमार्ग, रेलवे, पत्तन और विद्युत से संबंधित परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण

शिलान्यास

अन्तर-राज्यीय ट्रांसमिशन प्रणाली के अंतर्गत कुडनकुलम यूनिट - 3 एवं 4 से विद्युत की निकासी हेतु ट्रांसमिशन प्रणाली

उद्घाटन

नया टर्मिनल भवन, तूत्तिकोरिन हवाई अड्डा

तूत्तिकोरिन वी.ओ.सी पत्तन का उत्तरी कार्गो बर्थ-III

लोकार्पण

राष्ट्रीय राजमार्ग-36 के 4 लेन वाले सेतियातोप्पु-चोलापुरम खंड

राष्ट्रीय राजमार्ग-138 के तूत्तिकोरिन के 6 लेन वाले पत्तन सड़क खंड

नागरकोविल टाउन - नागरकोविल जंक्शन - कन्याकुमारी रेल खंड दोहरीकरण

आरलवायमोषि - नागरकोविल जंक्शन तथा तिरुनेलवेली - मेलप्पालयम रेल खंड दोहरीकरण

मदुरै-बोडिनायक्कनुर की रेलवे लाइन का विद्युतीकरण

परियोजनाओं के लाभ

- तूत्तिकोरिन का **नया हवाई अड्डा टर्मिनल** 17,340 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस हवाई अड्डे की **वार्षिक क्षमता** छह गुना बढ़कर 20 लाख हो जाएगी, जिससे हवाई संपर्कता को बढ़ावा मिलेगा
- **₹452 करोड़ की लागत से निर्मित, पर्यावरण अनुकूल हवाई अड्डा टर्मिनल** यात्रा और पर्यटन को बढ़ावा देगा, रोजगार के नए अवसरों का सृजन करेगा जिसके परिणामस्वरूप आर्थिक विकास को गति मिलेगी
- **₹2557 करोड़ की लागत से उन्नत सड़क परियोजनाएं** संपर्कता को सुदृढ़ करेंगी, कार्गो का तीव्र आवागमन सुनिश्चित करेंगी, भीड़भाड़ कम करते हुए लॉजिस्टिक्स और व्यापार को बढ़ावा देंगी
- **₹1032 करोड़ की लागत से रेल नेटवर्क का दोहरीकरण** और विद्युतीकरण, कार्बन उत्सर्जन में कमी के साथ-साथ औद्योगिक उत्पादों की संधारणीय **संपर्कता और त्वरित परिवहन** को सुनिश्चित करेगा
- **₹548 करोड़ की लागत से 2 गीगावॉट** स्वच्छ और संधारणीय ऊर्जा का संचरण तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और पुडुचेरी (यूटी) को लाभान्वित करेगा
- **₹285 करोड़ की बंदरगाह परियोजना**, वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह की कार्गो हैंडलिंग क्षमताओं में वृद्धि करेगा और इसके बहुआयामी विकास को भविष्योन्मुखी और संधारणीय तरीके से आगे बढ़ाएगी

• 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के सरकार के दृष्टिकोण को गति देने के लिए **संधारणीय हवाई, सड़क, रेल, बंदरगाह और ऊर्जा परियोजनाएँ**

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

के कर-कमलों द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

श्री आर. एन. रवि
राज्यपाल, तमिलनाडु

श्री एम. के. स्टालिन
मुख्यमंत्री, तमिलनाडु

श्री नितिन जयराम गडकरी
केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

श्री अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल; सूचना एवं प्रसारण; इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

श्री मनोहर लाल
केंद्रीय विद्युत; आवासन और शहरी कार्य मंत्री

श्री किंजरापु राममोहन नायडू
केंद्रीय नागर विमानन मंत्री

श्री सर्बानंद सोनोवाल
केंद्रीय पत्तन,पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

श्री मुरलीधर मोहोल
केंद्रीय नागर विमानन एवं सहकारिता राज्य मंत्री

डॉ. एल. मुरुगन
केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री

श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि
संसद सदस्य (लोकसभा)

श्री सी. शुनमुगैया
सदस्य (विधान सभा)

शनिवार, 26 जुलाई, 2025 | सांय 08:00 बजे | तूतीकोरिन हवाई अड्डा, तमिलनाडु

डीडी न्यूज़ पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

CBC 03111/15/0008/2526

बेजोड़, साहसिकः पंत के जुझारूपन का कायल हुआ क्रिकेट जगत

पैर में फ्रैक्चर के बावजूद पंत ने जड़ा इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक | पूर्व कोच शास्त्री ने कहा- फिर साबित हुआ कि वह एक बेहतरीन टीम मैन हैं

जेएनएन, मैनचेस्टर

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दूसरे दिन रिषभ पंत की एक पैर के चोटिल होने के बावजूद खेली गई साहसिक पारी से न केवल उनके जज्बे का पता चलता है, बल्कि इससे उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह एक बेहतरीन टीम मैन हैं। पंत ने दिसंबर 2022 में एक कार दुर्घटना में बुरी तरह घायल होने के बावजूद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में शानदार वापसी करके कभी हार न मानने के अपने जज्बे का शानदार नमूना पेश किया था। उन्होंने ओल्ड ट्रैफर्ड में गुरुवार को दाहिने पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर होने के बावजूद 37 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और अर्धशतक पूरा किया। बीसीसीआई द्वारा वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में शास्त्री ने कहा, अगर किसी को शक था कि वह कभी टीम मैन थे, तो उन्हें आज यह पहली बार देखने को मिला। ऐसा करने के लिए जज्बे से भी ज्यादा की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, उसका मैदान पर वापस आना और इसके बाद उसने जो कुछ किया वह बहुत खास था। इसके लिए यहां तक इंग्लैंड की टीम ने भी उसकी सराहना की। आप ऐसा कुछ खास करने के लिए ही जीते हैं। आप ऐसा करने के लिए ही खेलते हैं। ऐसी चीज ही आपको खास बनाती है। चौथे टेस्ट से पहले लार्ड्स टेस्ट के दौरान विकेटकीपिंग करते समय पंत की उंगली में चोट लग गई थी। शास्त्री ने याद करते हुए कहा, उससे पूछा गया कि उंगली कैसी है, क्या आप खेलेंगे, तो उसने कहा टूटा भी होता तो खेलता। इससे पता चलता है कि उसने क्या किया है। उसे टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद है, उसे अपने देश के लिए खेलना पसंद है।

पंत ने वो कर दिखाया जिसका दूसरे सपना देख सकते हैं : डेविड गॉवर

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड गॉवर को इस बात में जरा भी संदेह नहीं है कि वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि रिषभ पंत वो कर दिखाया है जिसका दूसरे केवल सपना देख सकते हैं। खेल के सर्वश्रेष्ठ बाएं हाथ के बल्लेबाजों में से एक गॉवर ने चौथे टेस्ट के दूसरे दिन पैर में फ्रेक्चर के बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरने की प्रशंसा की। 68 वर्षीय गॉवर ओल्ड ट्रैफर्ड में चल रहे मैच के दौरान लंकाशर क्रिकेट क्लब के साथ काम कर रहे हैं। गॉवर ने बताया, हमने हमेशा कहा है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज सर्वश्रेष्ठ होते हैं। किसी वजह से जब आप बाएं हाथ के बल्लेबाजों को देखते हैं, तो वे दाएं हाथ के बल्लेबाजों से च्यादा शालीन लगते हैं। मैंने बचपन से ही बाएं हाथ के कई बेहतरीन बल्लेबाजों को खेलते देखा है जैसे गैरी सोबर्स। और जब मैं पहली बार कमेंट्री बॉक्स में आकर इनका जिक्र कर रहा था,

तो ब्रायन लारा शायद उनमें से सबसे बेहतरीन थे। उन्होंने कहा कि अब हमारे पास बेन डकेट नाम का खिलाड़ी है। उसकी शैली मुझसे बिल्कुल अलग है, लेकिन उसे देखना अद्भुत है। लेकिन जब आप इस सीरीज के संदर्भ में बात करते हैं तो आप रिषभ पंत को नहीं भूल सकते। गॉवर ने कहा कि अगर पंत सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो जाते हैं तो उनकी अनुपस्थिति में सीरीज नीरस हो जाएगी। उन्होंने कहा, बहुत अफसोस है कि वह चोटिल हो गया है। अगर यह गंभीर है, तो वह सीरीज से बाहर हो जाएगा। वह एक ऐसा खिलाड़ी है, जो वो सब करता है, जिसके बारे में दूसरे लोग सिर्फ सपने देखते हैं। वह असाधारण खिलाड़ी हैं और उन्हें खेलते हुए देखना शानदार है। गॉवर ने कहा कि जब आपके पास ऐसा कोई खिलाड़ी हो जो खेल के इस प्रारूप में इतना शानदार खेलता है, तो आप उसकी प्रशंसा किए बिना नहीं रह सकते।

रिषभ पंत- उतावले, लेकिन बहादुर और प्रतिभाशाली बल्लेबाज

रिषभ पंत ने मैदान पर और मैदान के बाहर कई चौंकाने वाली चीजें की हैं। लेकिन शायद ही उन्होंने कुछ ऐसा किया हो जैसा उन्होंने मैनचेस्टर में किया, जब वह पूरे होश-हवास में मेडिकल सलाह के खिलाफ टूटे हुए पैर के साथ बल्लेबाजी करने उतरे। आपको लगा होगा कि यह तो पंत के लिए भी ज्यादा हो गया। यह कोई ऐसा समय नहीं था जब वह नंबर 11 पर मैच बचाने के लिए बल्लेबाजी करने उतरे हों। उस वक्त भारत का स्कोर 314 पर 6 था, गेंद दोनों तरफ मूव कर रही थी और पिच से असमान उछाल भी मिल रहा था। विशेषज्ञों का मानना था कि भारत को इस हालत में यह जोखिम लेने की जरूरत नहीं थी। चोट तो तब लगी, जब पंत ने सिर्फ 48 गेंदों की अपनी पारी में दूसरी बार एक तेज गेंदबाज को रिवर्स स्वीप करने की कोशिश की। इस पूरी सीरीज में गेंदें लगातार नरम हो रही हैं। यह गेंद थोड़ी धीमी भी थी, लेकिन फिर भी इतनी असरदार थी कि किसी पैर की हड्डी तोड़ सके। जिस किसी ने भी कभी हड्डी की चोट देखी या झेली हो, वह जान सकता था कि वह सूजन, फ्रेक्चर का ही संकेत थी। चोट के बाद पंत अपने पैर पर वजन तक नहीं डाल पाए।

■ हमें पंत जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है, जो मुश्किल वक्त में आगे आ सकें। उसने इतना दर्द सहने के बावजूद इतना साहस और जज्बा दिखाया। ऐसा करना कभी आसान नहीं होता।
- चेतेश्वर पुजारा, टेस्ट बल्लेबाज

■ एक बात तो तय है कि इंग्लैंड रिषभ पंत को पसंद करता है। खेल में कुछ ऐसे पल होते हैं जिन्हें आप लंबे समय तक याद रखते हैं और जब वह मैदान पर थे तो ऐसा लगा कि वह पल लंबे समय तक याद रहेगा। पंत ने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर मिडविकेट पर छक्का लगाया और फिर इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की गेंद पर कवर में चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया।
- दिनेश कार्तिक, पूर्व विकेटकीपर, भारत

■ पंत ने बहुत जोखिम उठाया। उनमें प्रतिभा तो है ही, साथ ही उनका दिल भी बहुत बड़ा है।
नासिर हुसैन, पूर्व क्रिकेटर, इंग्लैंड

■ पंत ने इस सीरीज में बहुत कुछ दिया है। लीड्स में दो शतक, शानदार जश्न, लेग साइड में शॉट लगाने के लिए बल्ला फेंकना और अब एक पैर में फ्रेक्चर होने के बावजूद अर्धशतक बनाना। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह किसी उद्देश्य के साथ बल्लेबाजी कर रहे थे।
माइकल एथरटन, पूर्व कप्तान, इंग्लैंड

खेल एक नजर

हॉकी : एशिया कप से पहले भारत चार मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा करेगा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम आगामी एशिया कप की तैयारियों के तहत 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में होने वाली चार मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम 15, 16, 19 और 21 अगस्त को छठे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया की टीम का सामना करेगी। एशिया कप का आयोजन 29 अगस्त से सात सिंतबर तक बिहार के राजगीर में होना है। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता का विजेता अगले वर्ष के एफआईएच विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करेगा। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि यह दौरा बिहार में होने वाले हीरो एशिया कप से ठीक पहले महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। भले ही यह मैत्रीपूर्ण सीरीज है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से हमें खुद को परखने का अच्छा मौका मिलेगा। हाल ही में यूरोप में एफआईएच प्रो लीग में दोनों टीमों का आमना सामना हुआ था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने दोनों चरणों में भारत को 3-2 से हराया था। भारत ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया पर 3-2 से जीत दर्ज की थी। ऑस्ट्रेलिया ने 2013 से इन दोनों टीमों के बीच खेले गए 51 मैचों में से 35 में जीत हासिल की है। भारत ने नौ बार जीत हासिल की है, जबकि सात मैच ड्रॉ रहे हैं।

तन्वी-वेन्नाला एशिया जूनियर चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

सेमसोलो (इंडोनेशिया), जेएनएन। भारत की युवा शटलर तन्वी शर्मा और वेन्नाला कलागोतला ने बैडमिंटन एशिया जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को सेमीफाइनल में जगह बना ली। दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी ने महिला एकल में अपना दबदबा कायम रखते हुए इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त थालिता रमधानी विरयावान को 35 मिनट के मुकाबले में 21-19, 21-14 से हराया। तन्वी पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में रही हैं और अब तक अपने सभी मैच सीधे गेम में जीते हैं। दूसरी ओर वेन्नाला ने 58 मिनट के रोमांचक मुकाबले में थाईलैंड की जान्यापोर्न मीपैन्थोंग पर 21-18, 17-21, 21-17 से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। सेमीफाइनल में दोनों भारतीय खिलाड़ियों के सामने चीन के खिलाड़ियों की चुनौती होगी। तन्वी का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त यिन यी किंग से होगा जबकि वेन्नाला लियू सी या से भिड़ेंगी।

फुटबॉल : भारत के मुख्य कोच बनने जावी हर्नांडिज भी दौड़ में

नई दिल्ली, जेएनएन। स्पेन के विश्व कप विजेता मिडफील्डर जावी हर्नांडेज उन लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच पद के लिए आवेदन किया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के लिए यह सुखद आश्चर्य है, लेकिन वह उनके आवेदन पर विचार नहीं कर पा रहा है, क्योंकि वह इस स्टार फुटबॉलर पर खर्च होने वाली लागत वहन करने में सक्षम नहीं है। जावी ने अपने अकाउंट से ईमेल भेज कर इस पद के लिए आवेदन किया था। एआईएफएफ सूत्र ने बताया, हां, उन्होंने (जावी) भारतीय सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच पद के लिए आवेदन किया है। उन्होंने खुद तकनीकी समिति के लोगों को अपना आवेदन भेजा है और ऐसा लगता है कि वह इस पद के लिए काफी इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि जावी अब तक के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर्स में से एक हैं। लोग हमेशा (लियोनेल) मेसी के बारे में बात करते हैं, लेकिन जहां तक बार्सिलोना का सवाल है, वह (आंद्रेस) इनिएस्ता के साथ सबसे ऊपर हैं। साइप्रस के स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन, स्लोवाकिया के स्टीफन टारकोविच और भारत के खालिद जमील उन तीन उम्मीदवारों में शामिल हैं, जिन्हें एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने चुना था।

बोनमाटी के गोल से स्पेन पहली बार यूरो फाइनल में, खिताबी मुकाबला इंग्लैंड से

जेएनएन, ज्यूरिख

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बीमार होने के कारण कुछ दिन अस्पताल में बिताने वाली ऐताना बोनमाटी के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के फाइनल में प्रवेश किया, जहां रविवार को उसका सामना इंग्लैंड से होगा। दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी, इसके बाद दो बार की बैलन डीओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। यूरो 2025 का फाइनल 2023 में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। तब स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। स्पेन की जर्मनी के खिलाफ यह पहली जीत थी। वह पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। स्पेन ने पिछले दो साल में विश्व कप और नेशंस कप जीते हैं और अब उसकी निगाह खिताब की हैट्रिक पूरी करने पर होगी। यूरो 2025 के लिए बोनमाटी की तैयारियां उस समय गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी जब टूर्नामेंट से एक सप्ताह से भी कम समय पहले बार्सिलोना की मिडफील्डर को वायरल मैनिंजाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

" मैं इस खेल में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना चाहती थी और मैं उन सभी लोगों की आभारी हूं, जिन्होंने मुझे इस स्तर तक पहुंचने में मदद की क्योंकि अकेले ऐसा करना संभव नहीं था।
ऐताना बोनमाटी

अगले साल इंग्लैंड में पांच टी-20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलेगा भारत

मैनचेस्टर, जेएनएन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को घोषणा की है कि भारत अगले साल सीमित ओवरों की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगा, जिसमें पांच टी-20 और तीन वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं। भारत का दौरा एक जुलाई को डरहम में टी-20 मैच से शुरू होगा, जिसके बाद मैनचेस्टर (चार जुलाई), नॉटिंघम (सात जुलाई), ब्रिस्टल (नौ जुलाई) और साउथम्प्टन (11 जुलाई) में मैच खेले जाएंगे।

दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 14 जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होगी। इसके बाद 16 जुलाई को कार्डिफ और 19 जुलाई को लॉर्ड्स में मैच खेले जाएंगे। भारतीय महिला टीम भी अगले साल फिर से इंग्लैंड का दौरा करेगी। वह इंग्लैंड की महिला टीम के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज और एक टेस्ट मैच खेलेगी। टी-20 सीरीज 28 मई को चेम्सफोर्ड में शुरू होगी। उसके बाद 30 मई को ब्रिस्टल और दो जून को टॉन्टन में मैच खेले जाएंगे। एकमात्र टेस्ट मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली इंग्लैंड की पुरुष टेस्ट टीम दो टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की मेजबानी भी करेगी, जबकि हैरी ब्रूक की सीमित ओवरों की टीम वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत के अलावा श्रीलंका की मेजबानी करेगी।

विश्व कप फाइनल में हम्पी की भिड़ंत दिव्या से

बातुमी (जॉर्जिया), जेएनएन। ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने गुरुवार को फिडे महिला विश्व कप सेमीफाइनल में चीन की टिंगजी लेई को टाईब्रेकर में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब फाइनल उनका सामना हमवतन भारतीय दिव्या देशमुख से होगा। शनिवार से होने वाले फाइनल में जगह बनाने वाली हम्पी और दिव्या दोनों ने अगले साल होने वाले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। सामान्य समय नियंत्रण में पहली दो बाजी ड्रॉ होने के बाद हम्पी को टाईब्रेकर में 1-1 से ड्रॉ के साथ संतोष करना पड़ा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के लिए 15-15 मिनट की दो बाजी अतिरिक्त समय के साथ थी। अगली दो टाईब्रेक बाजी 10-10 मिनट की थी।

नागल-युकी की भारतीय डेविस कप टीम में वापसी

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल की दो साल के अंतराल तो वहीं युगल खिलाड़ी युकी भांबरी की पिछले दो मुकाबलों से बाहर रहने के बाद शुक्रवार को डेविस कप टीम में वापसी हुई। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) की चयन समिति ने स्विट्जरलैंड की मेजबानी में होने वाले मैच के लिए आठ सदस्यीय टीम का चयन किया है। भारत 12 सितंबर से इंडोर कोर्ट पर खेले जाने वाले विश्व ग्रुप एक के पहले दौर के मुकाबले के लिए बील शहर की यात्रा करेगा। रामकुमार रामनाथन को टीम से बाहर कर दिया। उनका बाहर किया जाना अपेक्षित था, क्योंकि 30 वर्षीय खिलाड़ी इस सत्र में अच्छी लय में नहीं है। नागल पिछली बार सितंबर 2023 में लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ घरेलू मुकाबले में खेले थे। उन्होंने इस मुकाबले के दोनों एकल मैच जीतकर भारत की 4-1 की जीत में अहम योगदान दिया था। वह फरवरी 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक मुकाबले के लिए नहीं गए थे और इसके बाद स्वीडन तथा टोगो के खिलाफ मैच भी नहीं खेल पाए थे। मौजूदा सत्र में खराब फॉर्म से जूझ रहे नागल विश्व रैंकिंग में शीर्ष-300 खिलाड़ियों की सूची से बाहर हो गए हैं। नागल (विश्व रैंक 306) के अलावा करण सिंह (403) और युवा आर्यन शाह (442) को एकल खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। शशिकुमार मुकुंद (463) और प्रतिभावान दक्षिणेश्वर सुरेश (790) इस मुकाबले के लिए रिजर्व (वैकल्पिक) एकल खिलाड़ी होंगे। शीर्ष रैंक वाले भारतीय युकी (विश्व रैंक 35) और एन श्रीराम बालाजी (75) युगल खिलाड़ी के रूप में टीम में चुने गए हैं, जिसमें रित्विक बोलिपल्ली (77) रिजर्व खिलाड़ी होंगे।

डेविस कप टीम
एकलः सुमित नागल, करण सिंह और आर्यन शाह।
युगलः युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी।
रिजर्वः दक्षिणेश्वर सुरेश, शशिकुमार मुकुंद और रित्विक बोलीपल्ली।

सिंधू को हराकर उलटफेर करने वाली उन्नति 33 मिनट में हारी

चाइना ओपन : विश्व की चौथे नंबर की जापानी खिलाड़ी ने किया बाहर

चांग्झू (चीन), जेएनएन। भारत की उभरती बैडमिंटन स्टार उन्नति हुड्डा का चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में शानदार सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान की विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गईं। हुड्डा के बाहर होने के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का एकल में अभियान समाप्त हो गया। भारत की उम्मीद अब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी पर टिकी है,

जो क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के यू सिन ओंग और ई यी तेओ का सामना करेगी। पहले गेम में हुड्डा ने यामागुची को बराबर की टक्कर दी, लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाई और जापान की खिलाड़ी ने लगातार पांच अंक बनाकर यह गेम अपने नाम कर दिया। इस गेम में हुड्डा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लगातार तीन अंक लेना था। दूसरे गेम में भी यही कहानी दोहराई गई। भारतीय खिलाड़ी ने बीच में थोड़ी देर के लिए चुनौती पेश की और लगातार चार अंक हासिल किए, लेकिन यामागुची ने लगातार छह अंक बनाकर दूसरा गेम 21-12 से अपने नाम करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

फ्रिट्ज डीसी ओपन के तीसरे दौर में, वीनस युगल में बाहर

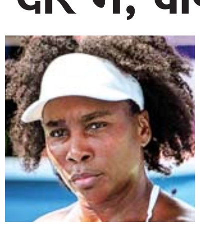

वाशिंगटन, जेएनएन। शीर्ष वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने सीधे सेट में जीत दर्ज करके डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई, लेकिन एक साल से भी अधिक समय बाद वापसी करने वाली वीनस विलियम्स को महिला युगल में हार का सामना करना पड़ा। विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले फ्रिट्ज ने अलेक्जेंडर वुकिक पर 6-3, 6-2 से जीत हासिल की। पहले दौर में बाई मिलने के बाद फ्रिट्ज अब तीसरे दौर में माटेओ अर्नाल्डी का सामना करेंगे, जिन्होंने 16वें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो सोनेगो को 7-5, 7-5 से हराया। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को मारिया सकारी ने 7-5, 7-6 (1) से हरा दिया। इस बीच वीनस विलियम्स और उनकी जोड़ीदार हैली बैप्टिस्ट का युगल में अभियान दूसरे दौर में चैंपियन टाईब्रेकर में दूसरी वरीयता प्राप्त टेलर टाउनसेंड और झांग शुआई की जोड़ी से 6-4, 3-6, 10-6 से हार के साथ समाप्त हो गया।

न्यूजीलैंड की चौथी जीत, आज फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ंत

हरारे, जेएनएन। न्यूजीलैंड ने टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के छठे मुकाबले में गुरुवार को मेजबान जिम्बाब्वे को 60 रन से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। शनिवार को फाइनल में न्यूजीलैंड का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 पोजिशन पर रहकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टिम सीफर्ट (45 गेंद पर 75 रन) और रचिन रविंद्र (39 गेंद पर 63 रन) की आतिशी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 6 विकेट पर 190 रन बनाए। जिम्बाब्वे के रिचर्ड नगारवा ने 4 और तिनोतेंदा मपोसा ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे 18.2 ओवर में 130 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने 44 रन पर 5 विकेट गंवा दिए। टोनी मुनयोंगा ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। प्लेयर ऑफ द मैच ईश सोढ़ी ने 12 रन देकर चार विकेट झटके। मैट हेनरी को दो सफलता मिली।

पाकिस्तान ने जीता तीसरा टी-20, बांग्लादेश ने सीरीज

ढाका, जेएनएन। पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज के तीसरे और अंतिम टी-20 में बांग्लादेश को 74 रन से करारी शिकस्त दी। पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी बांग्लादेश 178 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 104 रन पर सिमट गई। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान ने सात विकेट खोकर 187 रन बनाए। शाहिबजादा फरहान ने 63 और हसन नवाज ने 33 रन की पारी खेली। पहले विकेट के लिए शाहिबजादा ने सईम आयूब (21) के साथ 82 रन जोड़े। बांग्लादेश के तसकीन अहमद ने तीन और नासुम अहमद ने दो विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश के सात विकेट 41 रन पर ही गिर चुके थे। अंत में मोहम्मद सैफुद्दीन ने 35 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम को 100 के पार पहुंचा दिया। पाकिस्तान के लिए सलमान मिर्जा ने तीन जबकि फहीम अशरफ और मोहम्मद नवाज ने 2-2 विकेट झटके।

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक स्थगित

सतना। सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता में 26 जुलाई को होने वाली जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जनपद पंचायत नागौद के ग्राम पंचायत सिंहपुर में कार्यक्रम होने के कारण स्थगित कर दी गई है।

समाधान आनलाइन कार्यक्रम 30 जुलाई को

सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 30 जुलाई को सायं 4 बजे वीडियो कान्फ्रेंसिंग से आयोजित समाधान आनलाइन कार्यक्रम में निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा करेंगे। बैठक में समाधान आनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की जाएगी।

42 भैंसों के साथ 5 आरोपी गिरफ्तार

धारकुंडी थाना प्रभारी ने कार्यवाही कर डीसीएम ट्रक भी जप्त किया

जागरण, सतना

पशुक्रूरता अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही करते हुये धारकुंडी थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने जहां 42 नग भैंस व पड़ा जप्त किया वहीं डीसीएम ट्रक भी जप्त कर लिया गया है। यह कार्यवाही आईजी रीवा जोन के आदेश , एसपी आशुतोष गुप्ता के निर्देश व एएसपी प्रेमलाल कुर्वे व एसडीओपी चित्रकूट राजेश बंजारे के मार्गदर्शन में की गई है।

ये है विवरण

बताया जाता है कि मुखबीर से सूचना मिली थी एक सफेद रंग के डीसीएम वाहन क्रमांक यूपी 71 सीटी 9144 में भैंस व पड़ा क्रूरतापूर्वक सेमरिया से धारकुंडी होकर यूपी तरफ ले जाये जा रहे है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया जिसमें चार लोग व एक चालक बैठे मिले । पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो डीसीएम ट्रक में ठूस ठूस कर भैंस भरी हुई पाई गई पुलिस ने पकडे गये आरोपियों के विरूद्ध पशु क्रूरता अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। कार्यवाही के दौरान 19 नग भैंस एवं 23 नग छोटे पड़ा पाये गये है कुल 42 नग भैंस पड़ा जप्त किये गये है। गिरफ्तार किये गये आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है जप्त किये गये भैंस व पड़ा की कीमत 12 लाख 60 हजार व डीसीएम ट्रक की कीमत 8 लाख रूपये बताई गई है कुल मिलाकर 20 लाख 60 हजार रूपये की सामग्री जप्त की गई है।

ये आरोपी गिरफ्तार

पशुओ की तस्करी करने के मामले में पुलिस ने शिवम मिश्रा पिता सज्जनमिश्रा उम्र 25 साल निवासी कोंडरपुर थाना थरिआंव जिला फतेपुर उ.प्र. , मो.गुलफाम पिता सकील उम्र 20 निवासी कुरंही थाना बिसंडा जिला बांदा उ.प्र. , मो.अंसार पिता मो. इसलाम उम्र 20 साल निवासी ग्राम बांदा थाना कालेकुआ, अलिमुद्दीन पिता नईमुद्दीन उम्र 35 साल निवासी अमिरती थाना गुड जिला रीवा और मो. अलीम पिता मेहदी हसन उम्र 31 साल निवासी ग्राम रामनई थाना रायपुर करचुलियान जिला रीवा का नाम शामिल है।

कमिश्नर ने पर्यटन कॉन्क्लेव के संबंध में दिए निर्देश

जागरण, सतना। कमिश्नर बीएस जामोद ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स से पर्यटन कॉन्क्लेव की तैयारियों की जानकारी ली। कमिश्नर ने कहा कि कलेक्टर अपने जिले के जनप्रतिनिधि तथा पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों की सूची आज ही उपलब्ध कराकर उनकी पर्यटन कॉन्क्लेव में भागीदारी सुनिश्चित करें। पर्यटन उद्योग को गति देने के लिए कॉन्क्लेव इस क्षेत्र के लिए बड़ा अवसर है। इसमें 600 से अधिक पर्यटन उद्योग से जुड़े डेलिगेट्स भाग ले रहे हैं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 26 जुलाई को रीवा के कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में रीजनल पर्यटन कॉन्क्लेव का शाम 6 बजे शुभारंभ करेंगे। समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। समारोह में पर्यटन व्यवसाय से जुड़े विशिष्ट व्यक्तियों का भी उद्बोधन होगा। कॉन्क्लेव में 27 जुलाई को अलग-अलग सत्रों में तीन दलों द्वारा रीवा संभाग में पर्यटन की संभावनाएं, पर्यटन उद्योग की चुनौतियाँ तथा पर्यटन क्षेत्र में निवेश के संबंध में विचार मंथन करेंगे। दोपहर बाद इन दलों को बघेला म्यूजियम रीवा, पुरवा जलप्रपात, बसामन मामा गौ अभ्यारण्य तथा मुकुंदपुर व्हाइट टाईगर सफारी का भ्रमण कराया जाएगा। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर शामिल रहे।

हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम घोषित

सतना। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश ने शुक्रवार को हायर सेकेण्डरी परीक्षा वर्ष 2025 की द्वितीय परीक्षा का परीक्षाफल घोषित कर दिया है।

पति से प्रताड़ित पत्नी ने की आत्महत्या

आरोपी पति को 48 घण्टे में गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

जागरण, सतना। पति से प्रताड़ित पत्नी द्वारा आत्महत्या किये जाने के मामले में मैहर टीआई अनिमेष द्वेवेदी ने 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया ।यह कार्यवाही एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अनिमेष द्विवेदी द्वारा की गई है।

ये है विवरण : 22 जुलाई को पुलिस को मृतिका महजबीन बेगम उम्र 42 वर्ष निवासी कटरा बाजार मैहर की मृत्यु के संबंध में सूचना मिली। मृतिका के पति मो समीम द्वारा यह बताया गया कि 22 जुलाई को सुबह करीब 2रू40 बजे उसने अपनी पत्नी को घर की गैलरी में मृत अवस्था में पाया। परिजनों द्वारा तत्काल सिविल अस्पताल मैहर लाया गया जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के द्वारा मर्ग पंजीबद्ध कर मामले की जांच की गई । जांच में यह तथ्य सामने आया कि मृतिका को उसका पति लंबे समय से चरित्र पर संदेह कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। मृतिका ने घटना के पूर्व अपनी भाभी को यह बात बतायी थी। साथ ही पंचनामा पीएम रिपोर्टए मृतिका के परिजनों के कथन एवम संपूर्ण मर्ग जांच में प्रथम दृष्ट्या यह तथ्य सामने आए कि मृतिका ने अपने पति से प्रताड़ित होकर फाँसी लगाकर आत्महत्या की है। मृतिका के पति ने पुलिस से यह जानकारी छिपाई कि उसकी पत्नी ने फाँसी लगाई थी और फाँसी के लिए प्रयुक्त दुपट्टा भी नष्ट कर दिया गया।

आरोपी पति मो समीम पिता मो सुदून उम्र 48 वर्ष निवासी कटरा मोहल्ला वार्ड 16 के विरुद्ध अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

स्कूल शिक्षा विभाग का स्पोर्ट्स् मैनेजमेंट सिस्टम

सतना। स्कूल शिक्षा विभाग ने एजुकेशन पोर्टल की तर्ज पर स्पोर्ट्स् मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया है। डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से विभाग की खेलकूद शाखा की गतिविधियों, प्रतियोगिता के आयोजन और उससे संबंधित पत्राचार को पेपरलेस कर दिया गया है। इस प्रकिया के चलते खेलों से जुड़ी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। शिक्षा विभाग के अंतर्गत मान्यता प्राप्त एमपी बोर्ड के विद्यालय, सीबीएसई के ऐसे स्कूल जो स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के और स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न खेलों की प्रतियोगिता में शामिल होना चाहते हैं वे इस पोर्टल पर निश्चित पंजीयन शुल्क के साथ आवश्यक अभिलेख अपलोड करते हुए पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन 14 से 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं के लिये एक ही बार कराना होगा। स्पोर्ट्स् मैनेजमेंट सिस्टम में प्रति वर्ष आवश्यकतानुसार अपग्रेड किये जाने की सुविधा प्रदाय की गई है। विद्यालय में अध्ययनरत नियमित खिलाड़ियों की दर्ज संख्या के मान से क्रीड़ा शुल्क का संकलन इसी पोर्टल के माध्यम से किये जाने की सुविधा दी गई है जो स्वतः ही संचालनालय, संयुक्त संचालक, संभाग एवं जिला शिक्षा अधिकारी के खाते में शासन द्वारा निर्धारित प्रतिशत के अनुसार अंतरित हो जाता है। यह व्यवस्था खेलों में निष्पक्षता, पारदर्शिता और खिलाड़ियों की आयु के बारे में प्रमाणीकरण के साथ अपात्र खिलाड़ी को किसी भी स्तर पर प्रतियोगिता में शामिल होने से रोकता है।

कलेक्टर और एसपी ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

जागरण, सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 26 जुलाई को सतना जिले में नागौद विकासखण्ड के ग्राम हरदुआ और रैगांव विधानसभा क्षेत्र के सिंहपुर में प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने एसपी आशुतोष गुप्ता के साथ शुक्रवार को सिंहपुर पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने सिंहपुर स्टेडियम में प्रस्तावित स्थल पर की जा रही तैयारियों, मंच, दर्शक-दीर्घा, वाहन पार्किंग एवं आवागमन तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस मौके पर सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, एसडीएम जीतेन्द्र वर्मा, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह सहित पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद कार्यालय मैहर व लटागांव में नशे के विरुद्ध चलाया गया जागरूकता अभियान

जागरण, सतना। मैहर जनपद कार्यालय एवं लटागांव में नशे के विरूद्ध पुलिस ने जागरूकता अभियान चलाकर जहां लोगो को नशे के दुष्प्रभावो की जानकारी दी वहीं मौजूद लोगो को शपथ भी दिलाई गई। महिला बाल विकास एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, सरपंच, नगर ग्राम रक्षा समिति के सदस्य एवं थाना कोतवाली का पुलिस बल उपस्थित रहा। नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जनचेतना लाने के उद्देश्य से चलाये जा रहे अभियान श्नशे से दूरी है ज़रूरीश् के तहत बदेरा थाना पुलिस द्वारा ग्राम लाटागांव कस्बा बदेरा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस द्वाराए आमजन से रूबरू होकर उन्हें नशे के नकारात्मक पक्ष से अवगत करवाते हुए दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। उक्त कार्यक्रमों में नागरिकों को नशा न करके स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय ने भी अभियान का हिस्सा बन नशा नही करने का संकल्प लिया।

प्री-एग्रीकल्चर टेस्ट की परीक्षा के लिए सौपे गये दायित्व

सतना। म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित प्री-एग्रीकल्चर टेस्ट (पीएटी) की परीक्षा 26 जुलाई को सतना जिले के 3 परीक्षा केन्द्रों में दो पाली में आयोजित की जा रही है। सतना में आदित्य कॉलेज ऑफटेक्नोलॉजी एण्ड साइंस सतना, आदित्य कॉलेज ऑफमैनेजमेंट एवं मां मीरा कान्वेन्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल डाली बाबा में परीक्षा आयोजित की जायेगी। परीक्षा का प्रथम पाली प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे आनलाइन परीक्षा आयोजित की गई है। परीक्षा में अभ्यर्थियों की रिपोटिंग का समय प्रथम पाली प्रातः 7 बजे से प्रातः 8.30 बजे तक एवं द्वितीय पाली में दोपहर 1 बजे से दोपहर 2.30 तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा के सफल संचालन के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा अधिकारियों को दायित्व सौपे गये हैं। जिसमें पुलिस अधीक्षक को प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में 3 पुलिस गार्ड, 2 पुरूष एवं 1 महिला कर्मियों की ड्यूटी लगाये जाने, डीएसपी स्तर के अधिकारी को मानीटरिंग हेतु सुरक्षा समन्वयक नियुक्त करने के निर्देश दिये है। सीएमएचओ को परीक्षा में बैठे छात्रों के लिए मेडीकल टीम सभी परीक्षा केन्द्रों के लिए उपलब्ध किया जाना सुनिश्चित करने और अधीक्षण यंत्री एमपीईबी प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में विद्युत व्यवस्था/प्रवाह सतत रूप से बनाये रखना सुनिश्चित करने का दायित्व सौपा गया है।

बाल्य हृदय रोग OPD सीधी में
डॉ. धर्मेश पटेल
MBBS, MD, FPCC, FIECHO, FIAE, FICMO, FICCC
बाल एवं शिशु रोग, क्रिटिकल केयर एवं बाल हृदय रोग विशेषज्ञ
पूर्व कंसलटेन्ट- मैक्स एवं फोर्टिस हॉस्पिटल, नई दिल्ली
डायरेक्टर- मिनिर्वा द मेडिसिटी हॉस्पिटल रीवा
प्रत्येक माह के दूसरे एवं चौथे शनिवार को 26 जुलाई, शनिवार
समयः सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक
परामर्श- बच्चों में जन्मजात हृदय (दिल) में छेद होना, बच्चों का कमजोर होना, बच्चों का एक्सरसाईज या किसी भी शारीरिक गतिविधियों के दौरान जल्दी से थक जाना, उनकी सांस तेजी से चलने लगना। बेहोशी जैसे लगना या बेहोश हो जाना, मुंह, कान, नाखूनों व होठों पर नीलापन दिखाई देना एवं बच्चों से संबंधित सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज व परामर्श।
DIC बिल्डिंग CMHO ऑफिस के पास, सीधी समयः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक
न्यू मिश्रा हॉस्पिटल LIC ऑफिस के बगल में, सीधी समयः 12:00 बजे से 02:00 बजे तक
पंजीयन हेतु संपर्क करें: टोल फ्री नं.-18008892250
Mob.: 8770288324, 9893516364

राज्यमंत्री ने ली अधिकारियों की बैठक

सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 26 जुलाई को सतना जिले में नागौद विकासखण्ड के ग्राम हरदुआ और रैगांव विधानसभा क्षेत्र के सिंहपुर में प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने शुक्रवार को जनपद पंचायत नागौद में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में राज्यमंत्री ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की एवं कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर एसडीएम जितेन्द्र वर्मा सहित जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी उपस्थित रहे।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ.सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
Kamta कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433 9981287311

हमारी सेवाएं :-
• घुटना व कूल्हा प्रत्यारोपण।
• कमर दर्द / साइएटिका का दर्द।
• दूरबीन द्वारा लिगामेंट की सर्जरी।
• बच्चों की हड्डी संबधित समस्याएं।
• गठिया व ऑस्टियोपोरोसिस का इलाज।
• फ्रैक्चर व ट्रॉमा का उपचार।
समय :- प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे तक एवं सायं 4 से 6 बजे तक
संपूर्ण हड्डी व जोड़ रोग परामर्श OPD
डॉ. शान्तनु सिंह
एम.बी.बी.एस, एम.एस. (आर्थोपेडिक्स)
FIJR, OIJR (अहमदाबाद), फेलोशिप इन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट
पूर्व सर्जन गर्वमेन्ट मेडिकल कालेज सागर
हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ ज्वाइंट रिप्लेसमेन्ट | काम्पलेक्स ट्रामा | आर्थोस्कोपी सर्जन
Kamta कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433 9981287311

डॉ. निशा डायलिसिस सेंटर
पता- अग्रवाल नर्सिंग होम, खुटेही, रीवा
24/7 Our Services Dialysis (डायलिसिस)
रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें 9174566996 7771009417
नवीनतम मशीन द्वारा हीमो डायलेसिस
Hepatitis C (HCV) मरीजों के लिए अलग से समर्पित मशीन
अन्य सुविधाएं:
• 24x7 मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. ईशान गोयल
• 24x7 स्त्री रोग विशेषज्ञ
• वेंटिलेटर एवं Bipap
• 24x7 मेडिकल स्टोर

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर सुकन्या रक्षा अभियान 30 सितम्बर तक

सतना। मध्यप्रदेश डाक विभाग द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खोलने हेतु 25 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक सुकन्या रक्षा अभियान का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सुकन्या समृद्धि योजना के वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ-साथ समाज में बालिकाओं के भविष्य के प्रति जागरूकता बढाना है। अधीक्षक डाकघर प्रदीप कुमार खरे ने बताया कि रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर इस अभियान की शुरूआत की जा रही है। जिसके अंतर्गत प्रत्येक शाखा डाकघर में संबंधित क्षेत्र की योग्य बालिकाओं का सुकन्या समृद्धि खाता, बचत बैंक खाता, आवर्ती जमा (आरडी) एवं सावधि जमा (टीडी) खाता खोले जायेंगे।

प्रथम आई.वी.एफ. क्लीनिक (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
क्या आप वर्षों से आतुर है, सुनने के लिए
सुप्रसिद्ध बांझपन एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ. बीना मिश्रा
(एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ.) स्त्री रोग एवं बांझपन रोग विशेषज्ञ
इन समस्याओं के लिए मिलें
• शादी के कई साल बाद भी संतान सुख न होना
• बार-बार गर्भपात होना। • PCOD अण्डाशय मे गाँठ का होना, बच्चेदानी में गाँठ का होना।
• समय पर माहवारी का न होना। • पुरूष नपुंसकता (Male Infertility)
निःसंतान दम्पतियों को संतान सुख हेतु सुविधाएं एवं उपचारः
• दवाओं के माध्यम से आई.व्ही.एफ. • कृत्रिम गर्भधारण (IUI)
• इनविट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) • लेप्रोस्कोपी एवं हिस्ट्रोस्कोपी
• डोनर सर्विसेज • ब्लास्टोसिस्ट
विशेष परामर्श शिविर सतना में
27 जुलाई 2025 दिन रविवार | समय- दोपहर 11 बजे से 2 बजे तक
पता- पाठक हॉस्पिटल
दशमेश होटल के पीछे, सतना (म.प्र.)
मो. : 07662-352451, 8821000416

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
समय- प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्शः- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेषः- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/- सौन्दर्य क्लीनिक शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्पलेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

SARDAR PATEL EDUCATION GROUP REWA • MP • INDIA
ADMISSIONS OPEN 2025-26
SARDAR PATEL UNIVERSITY Balaghat • MP
CSU COLLEGE OF
PHARMACY D. PHARMACY B. PHARMACY
ENGINEERING POLYTECHNIC | B.TECH. ME | CE | CSE | EEE | MINING Cement Technology Engg. Mining & Mine Surveying Engg. (Mms)
BBA/ MBA BCA /MCA B.A. LL.B. B.COM. LL.B. BBA LLB. LL.B / LL.M.
छात्रवृत्ति सुविधा* पात्र विद्यार्थियों को शासन के योजनानुसार
कैम्पस : सिरमौर रोड, ग्राम-पल्हान (उमरी चौक), बैकुण्ठपुर, रीवा
+91 70493 99901, 70493 99902
सिटी ऑफिस ज्योति स्कूल के सामने, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
• IUI, IVF, ICSI
• फ्रोजन एंब्रिया ट्रांसफर साइकिल (FET)
• एग फ्रीजिंग
• एंब्रियो फ्रीजिंग
• स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com